ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को सरकार तैयार - 07

पैसा ही पैसा बनाता है और दूसरा पैसा भी खींच लाता है - 10

नौसेना की नई ताकत... लहरों पर उतरा अजय - 11

क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे: सिराज - 12

आज का मौसम

36.0° अधिकतम तापमान

28.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.29 सूर्यास्त 07.09

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी 07:05 तक उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 22 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 242, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

परिवर्तन ही जीवन है...

...और अब नये रंग, नये रूप और नयी उड़ान के साथ आपका

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

स्टेट ब्रीफ

कम से कम पांच यात्रियों की बढ़ोत्तरी करें चालक

अमृत विचार, लखनऊ: उप्र. परिवहन निगम की बसों में चालकों और परिचालकों को यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी, कम से कम उन्हें पांच यात्रियों की संख्या बढ़ाना जरूरी होगा। इसके लिए उप्र. परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने सभी क्षेत्रीय एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिये हैं कि चालकों-परिचालकों की काउंसलिंग की जाए।

युवाओं को अवसर दे रहा एमकेआईटीएम

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम), लखनऊ में बीबीए (बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी त्रिवर्षीय कोर्स शुरू होगा, इसमें प्रवेश प्रक्रिया जारी हो चुकी है।

आउटसोर्स कर्मियों को समय पर दें मानदेय, नहीं तो रुकेगा वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः ऊर्जा निगमों में अगर आउटसोर्स कर्मियों को समय से वेतन नहीं दिया गया, तो नियमित बिजली कार्मिकों का वेतन रोका जाएगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल ने चेतावनी देते हुए कहा कि नियमित कार्मिकों के पहले आउटसोर्स कर्मियों को वेतन भुगतान किया जाए। अध्यक्ष सोमवार को शक्ति भवन में आउटसोर्स कर्मियों के वेतन भुगतान को लेकर समीक्षा बैठक कर रहे थे।

उन्होंने वितरण निगमों के अधिकारियों को आउटसोर्स कर्मियों को समय से वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निगम स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जुलाई का वेतन नियमित कर्मियों को तभी मिलेगा, जब आउटसोर्स कर्मिकों को वेतन मिल जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि उपकेंद्रों पर तैनात आउटसोर्स कर्मी या मीटर रीडर अल्पवेतन भोगी हैं। लाइनमैन कड़ी मेहनत करते हैं, इन सभी लोगों को समय से वेतन मिलना चाहिए। उन्होंने निदेशक कार्मिक को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी।

अध्यक्ष ने रायबरेली व बरेली के मुख्य अभियंताओं को बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि जिन फीडर पर लाइन हानियां ज्यादा हैं और पैसा नहीं जमा हो रहा है, वहां बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने सहारनपुर के उपखंड अधिकारी व बरेली के अधिशासी अभियंता को शक्ति भवन से संबद्ध करने के निर्देश दिये। सहारनपुर के मुख्य अभियंता को प्रतिकूट प्रविष्टि के निर्देश दिए।

यूपी में पंचायत चुनाव प्रक्रिया टलने की आशंका

लखनऊ, अमृत विचारः प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया टलने की आशंका बन गई है। नगर विकास विभाग की ओर से पंचायतीराज विभाग को लिखे गये पत्र से यह स्थिति पैदा हुई है, जिसमें नगर विकास विभाग ने पंचायतीराज विभाग से पंचायत चुनाव सम्पन्न होने तक नये नगरीय निकायों के सृजन व सीमा विस्तार पर लगी रोक हटाने का अनुरोध किया है।

शासन के सूत्रों के अनुसार नगर विकास विभाग ने पंचायतीराज विभाग की ओर से 21 मई को जारी शासनादेश को निरस्त किये जाने का अनुरोध किया है। पंचायतीराज विभाग की ओर से पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत के वार्डों के पुनर्गठन की प्रक्रिया बीती 18 जुलाई से चल रही है। 10 अगस्त को वार्डों की अंतिम सूची जारी की जानी है।

हर नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

प्रदेश भर से लखनऊ आए लोगों को 'जनता दर्शन' में मिला आश्वासन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

जनता दरबार में बुजुर्ग की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में ''जनता दर्शन'' किया। प्रदेश भर से आए पीड़ितों से की समस्याएं सुनीं और आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। हर नागरिक की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने शासन के अधिकारियों को मौके पर ही तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

योगी ने ''जनता दर्शन'' में आए एक दिव्यांग की बात सुनने के बाद उसे मोटराइज्ड ट्राई साइकिल दिलाने के निर्देश दिए। पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, रोजगार, शिक्षा, आवास, कब्जा, परिवार आदि से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया। लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ''जनता दर्शन'' में अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की। उनका हालचाल जाना, दुलार किया। बच्चों की पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट-टॉफी देकर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

सावन माह में 12 लाख श्रद्धालु कर चुके रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : सावन माह प्रारंभ होने के साथ ही राम मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन एक से डेढ़ लाख तक पहुंच गई है। 11 जुलाई से अब तक करीब 12 लाख से अधिक श्रद्धालु रामलला का दर्शन कर चुके हैं। सावन के दूसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सोमवार को सुबह 6:30 बजे मंदिर का पट खुलते ही मंदिर परिसर जय श्रीराम और बोल बम के जयकारे से गूंज उठा। मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में कांवरियों की संख्या अधिक रही। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक मंदिर निर्माण होने के बाद दुनिया भर से करोड़ों भक्त मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। आम दिनों में यह संख्या 70 से 80 हजार प्रतिदिन के आसपास रहती है। लेकिन इन दिनों श्रावण माह को लेकर बड़ी संख्या में लोग रामलला का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

मंडल मुख्यालयों पर खुलेंगे दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश**

अमृत विचारः राज्य के 38 जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों के साथ अब 18 मंडल मुख्यालयों पर भी केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने सोमवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को इस संबंध में एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। कहा कि दिव्यांगों को शिक्षा कौशल विकास और पुनर्वास जैसी सुविधाएँ स्थानीय स्तर पर ही मिलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की डीडीआरसी योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि दिव्यांगजन के कल्याण को प्राथमिकता दी जाए और पहले से स्थापित केंद्रों का संचालन पूरी क्षमता के साथ किया जाए। निर्देश दिए कि मंडल मुख्यालयों पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों की स्थापना का काम प्राथमिकता पर आगे बढ़ाया जाए। दिव्यांगों को पुनर्वास, शिक्षा और कौशल विकास से संबंधित सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुलभ कराई जाएं। वर्तमान में संचालित डीडीआरसी में दिव्यांगों को स्वास्थ्य सेवाएं, कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और कौशल प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। पिछले दिनों वर्तमान में संचालित 38 केंद्रों का संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से करने पर सहमति के बाद 12 करोड़ रुपये खर्च किया जाना प्रस्तावित है।दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री ने दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों की स्थापना को लेकर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

आयोग की जनसुनवाई में बिजली दरों के बढ़ोतरी प्रस्ताव का विरोध

लखनऊ, अमृत विचारः नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर सोमवार को राज्य विद्युत नियामक आयोग में हुई जनसुनवाई में बढ़ोतरी के प्रस्ताव का सख्त विरोध हुआ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने बढ़ोतरी के बजाय उपभोक्ताओं के सरप्लस निकल रहे 33,122 करोड़ की रकम के एवज में दरों में 45 प्रतिशत कमी किये जाने की मांग की। उपभोक्ता परिषद ने निजीकरण प्रक्रिया को असंवैधानिक बताते हुए इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की। आयोग कार्यालय में हुई सुनवाई में उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली दरों में 45 प्रतिशत की कमी की जाए या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत बिजली दरों में कमी कर हिसाब बराबर किया जाए। इसको लेकर भारत के नियंत्रण एवं महालेखापरीक्षक -सीएजी- ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन से निजीकरण के मसौदा तलब किया है।

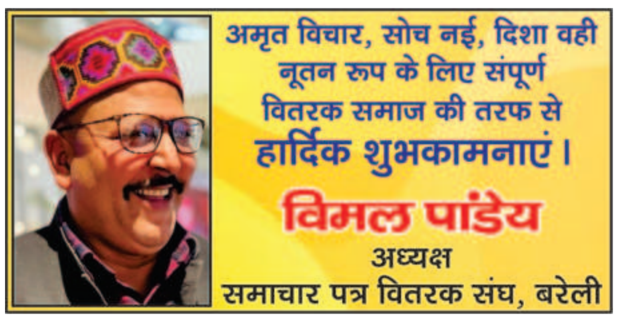

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को सरकार तैयार - 07

पैसा ही पैसा बनाता है और दूसरा पैसा भी खींच लाता है - 10

नौसेना की नई ताकत... लहरों पर उतरा अजय - 11

क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे: सिराज - 12

आज का मौसम
36.0⁰ अधिकतम तापमान
28.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29
सूर्यास्त 07.09

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी 07:05 तक उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 22 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 242, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रणाम!

स्नेही पाठक जनों को अमृत विचार परिवार का प्रणाम। अमृत विचार की पांच वर्षों की यात्रा हम सबके लिए एक यादगार अनुभव की तरह है। अब इसका नया रूप, नया कलेवर समाचार पत्र के उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत कर रहा है। पांच साल पहले हमने एक सपना देखा था। लोगों तक सच्ची, समय पर और प्रासंगिक खबरें पहुंचाने का सपना। इन वर्षों में हमने पेज दर पेज, खबर दर खबर तरक्की की है और आपका विश्वास जीता है। लेकिन यह जगत परिवर्तनशील है। जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है, हमें इस बात का भान हुआ कि अमृत विचार को भी अपने में बदलाव लाना होगा। यह परिवर्तन ही निरंतर विकास की कड़ी है।

अमृत विचार का भविष्य भी नवाचार और तकनीकी उन्नति में है। इस लिहाज से न केवल समाचार पत्र के स्वरूप में वरन् इसमें प्रस्तुत सामग्री में भी हमने कुछ नया जोड़ा है। समाचारों में नवीनता लाने का प्रयास तो हम निरंतर कर ही रहे हैं, साथ ही कुछ हट कर विभिन्न क्षेत्रों की जानकारियों से भी आपको रू-ब-रू भी कराएंगे। अब आपको सातों दिन इंद्रधनुष के सात रंगों की तरह फीचर पेज भी देंगे। जो केवल मनोरंजक ही नहीं, ज्ञानप्रद भी होंगे। इनमें आपको ग्लैमर, आटोमोबाइल, धर्म-अध्यात्म, कला-संस्कृति, शिक्षा जगत, विज्ञान, तकनीकी की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा एक दिन हमारे सुधी पाठकों को भी अपने अनुभव साझा करने के लिए स्थान रहेगा। इसके साथ- साथ अब हमारी टीम अपने डिजिटल प्लेटफार्म को और बेहतर बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। एक इंटरएक्टिव वेबसाइट, मोबाइल-फ्रेंडली एप और रियल-टाइम अपडेट्स के साथ आपके सामने होगी। हमारा संकल्प है कि हर माध्यम से, चाहे वेबसाइट, यू ट्यूब या सोशल मीडिया हो, हम आपको सूचनाओं से पूरी तरह वाकिफ रखें। हम मल्टीमीडिया कंटेंट, जैसे वीडियो, पॉडकास्ट और लाइव रिपोर्टिंग में भी निवेश कर रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी से जुड़ सकें और तेजी से बदलती मीडिया की दुनिया में आगे बने रहें। इसके साथ ही, हम डेटा एनालिटिक्स और एआई जैसे आधुनिक टूल्स का उपयोग करके यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारे पाठक क्या चाहते हैं। परिवर्तन संसार की नियति है। इस निरंतरता को कोई रोक नही सकता। यही उन्नति का कारक भी है। लेकिन इन सब उन्नतियों के बीच, एक चीज़ कभी नहीं बदलेगी, और वह है हमारी सच्चाई, ईमानदारी और ज़िम्मेदार पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता। आपके सहयोग से, हम सिर्फ अख़बार नहीं चला रहे हैं, हम सूचना के भविष्य को गढ़ रहे हैं। आपका प्यार हमें उत्साह और आगे बढ़ने का जज्बा देता है, इसे हमेशा बनाए रखें। अमृत विचार आज से एक नए रंग, एक नए रूप और नई उड़ान के साथ।

डॉ. वरुण अग्रवाल
निदेशक

डॉ. अर्जुन अग्रवाल
निदेशक

दुनिया ने 22 मिनट में देखी भारत की ताकत

मानसून सत्र

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा- इस बार सत्र विजयोत्सव की तरह

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर अपेक्षित चर्चा के लिए सरकार का रुख तय करते हुए कहा कि यह सत्र विजयोत्सव की तरह है। विश्वास जताया कि सभी संसद सदस्य इस भावना को एक स्वर में अभिव्यक्त करेंगे। सत्र शुरू होने से पहले संसद परिसर में मोदी ने कहा कि बम और बंदूक पर संविधान की जीत हो रही है। कहा कि नक्सलवाद तेजी से कम हो रहा है और रेड जोन धीरे-धीरे हरित विकास क्षेत्र में बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सौ प्रतिशत लक्ष्यों को प्राप्त किया। पूरी दुनिया ने हमारे सशस्त्र बलों का सामर्थ्य देखा। भारतीय सशस्त्र बलों ने मात्र 22 मिनट में आतंकवादियों को मारकर उनके ठिकानों को जमींदोज कर दिया। संसद का मानसून सत्र सोमवार (21 जुलाई) से आरंभ हुआ और 21 अगस्त तक इसकी कुल 21 बैठकें प्रस्तावित हैं।

मानसून सत्र शुरू होने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत का पक्ष विभिन्न देशों में रखने गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों की सराहना की और कहा कि उन्होंने 'आतंकवाद के आका' पाकिस्तान को बेनकाब किया। उन्होंने कहा मैं इन सभी सांसदों और पार्टियों की, राष्ट्र हित में किए गए इस काम के लिए सराहना करता हूं। मोदी ने कहा कि सभी दलों का अलग-अलग एजेंडा है लेकिन दल हित में मत भले ही न मिलें, लेकिन देश हित में मन जरूर मिलें। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार में कहा था कि बहुत कम समय में ही भारत की सैन्य ताकत दिखाई दे गई और 'मेड इन इंडिया' के तहत देश में निर्मित सैन्य क्षमताओं की ओर दुनिया का ध्यान गया है।

मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इसने पूरी दुनिया को झकझोर दिया और आतंकवाद तथा उसके केन्द्र की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री ने माओवाद और नक्सलवाद के खिलाफ अपनी सरकार की निर्णायक कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि लाल गलियारे अब हरित विकास क्षेत्रों में बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि पहली बार भारत का तिरंगा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर लहराया। (संबंधित पेज-7)

मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए नोटिस

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव से संबंधित नोटिस सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में दिए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपे गए नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर समेत कुल 145 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। निचले सदन में अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत नोटिस दिए गए हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले और भाजपा के राजीव प्रताव रूड़ी समेत कई अन्य सदस्यों ने भी इस पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रसाद ने संसद परिसर में कहा कि न्यायपालिका की ईमानदारी, पारदर्शिता और स्वतंत्रता तभी सुनिश्चित होगी, जब न्यायाधीशों का आचरण अच्छा होगा। आरोप संगीन थे और ऐसे में महाभियोग के लिए नोटिस दिया गया है। हमने आग्रह किया है कि कार्यवाही जल्द शुरू होनी चाहिए। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सौंपे गए नोटिस पर 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा कि कुल 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं और अब इस मामले की जांच होगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित न्यायाधीश को हटाया जाएगा।

विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और कई अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद समेत अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया। शोर-शराबे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब 20 मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक, दूसरी बार अपराह्न दो बजे तक और फिर चार बजे तक के लिए स्थगित की गई। शाम चार बजे कार्यवाही पुन: शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने हंगामा नहीं थमने पर कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। सुबह सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी। सभा ने उनके साथ ही पहलगाम हमले और अहमदाबाद विमान हादसे में तथा प्राकृतिक आपदाओं में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी।

ब्रीफ न्यूज

यूजीसी नेट परीक्षा का परिणाम घोषित

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया है। उम्मीदवार यूजीसी की वेबसाइट ugcnet.nta.ac.in पर लॉग इन करके अपना स्कोर कार्ड देख और डाउनलोड कर सकते हैं। एजेंसी ने 22 जुलाई को रिजल्ट जारी करने की बात कही थी, लेकिन अब 21 जुलाई को ही रिजल्ट जारी कर दिया गया है। इस साल पूरे देश में 25 से 29 जून के बीच राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा का आयोजन किया गया था। आंसर की 5 जुलाई को जारी की गई थी। 6 से 8 जुलाई के बीच का समय उम्मीदवारों को आपत्ति जाहिर करने का विकल्प दिया गया था। परीक्षा के लिए कुल 10,19,751 लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया था। हालांकि, 7,52,007 ने ही परीक्षा दी।

अंदर देखें... अंतस

उप राष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी

- अपने कार्यकाल के बीच में ही छोड़ा पद, स्वास्थ्य कारण से त्याग पत्र की बात कही
- वीवी गिरि और आर वेंकटरमन ने भी उप राष्ट्रपति पद पर रहते दिया था इस्तीफा

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अपने कार्यकाल के बीच में ही अचानक अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखे त्याग पत्र में उन्होंने कहा है कि वह स्वास्थ्य कारणों से पद से इस्तीफा दे रहे हैं। धनखड़ 11 अगस्त, 2022 से देश के उप राष्ट्रपति का पद संभाल रहे थे, उनका कार्यकाल पांच वर्ष का था। ऐसे में उनके अपने कार्यकाल के बीच में ही तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दिए जाने से सभी हतप्रभ हैं। वीवी गिरि और आर वेंकटरमन के बाद कार्यकाल के दौरान इस्तीफा देने वाले धनखड़ भारत के तीसरे उपराष्ट्रपति हैं।

राष्ट्रपति को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि वह चिकित्सकीय सलाह का पालन करते हुए स्वास्थ्य कारणों से अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहे हैं। बताया कि संविधान के अनुच्छेद 67(क) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूं। उप राष्ट्रपति के कार्यालय ने धनखड़ द्वारा राष्ट्रपति को लिखे पत्र को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। उल्लेखनीय है कि धनखड़ ने आज यानी सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन किया था। उनके बुधवार को एक दिन के दौरे पर राजस्थान में जयपुर जाने के कार्यक्रम की भी आज ही घोषणा की गई थी।

धनखड़ को इसी वर्ष मार्च में हृदय संबंधी समस्या के चलते एम्स में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान उन्हें स्टेन्ट डाला गया था। स्वस्थ होने के बाद से वह निरंतर राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन कर रहे थे। गत जून में जब वह नैनीताल में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए थे तब भी उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। धनखड़ का जन्म राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में एक किसान परिवार में 18 मई, 1951 को हुआ।

छह माह के भीतर उप राष्ट्रपति का चुनाव कराना जरूरी

नियमों के अनुसार, उपराष्ट्रपति पद के लिए अगले छह महीनों के भीतर चुनाव कराना आवश्यक है। हालांकि, राज्यसभा के उपसभापति नए उपराष्ट्रपति के निर्वाचित होने तक सदन की कार्यवाही संचालित कर सकते हैं। धनखड़ वर्ष 2022 में उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार थे। धनखड़ का अचानक इस्तीफा राज्यसभा में सरकार के लिए एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम के बाद आया है, क्योंकि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा प्रायोजित एक प्रस्ताव उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

विपक्ष से कई बार हुआ था राज्यसभा में टकराव

राज्यसभा के सभापति के रूप में अपने कार्यकाल में धनखड़ का विपक्ष के साथ कई बार टकराव हुआ। जिसने उन पर महाभियोग चलाने का प्रस्ताव भी पेश किया था। यह प्रस्ताव स्वतंत्र भारत में किसी वर्तमान उपराष्ट्रपति को हटाने का पहला मामला था। अपने कार्यकाल के दौरान लगभग हर दिन राज्यसभा में विपक्ष के साथ उनका टकराव होता था।

धनखड़ का त्याग पत्र अप्रत्याशित: कांग्रेस

कांग्रेस ने धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से अप्रत्याशित है, इसमें जो दिख रहा है, उससे कहीं अधिक है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ का अचानक इस्तीफा देना जितना चौंकाने वाला है, उतना ही समझ से परे भी।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व सांसदों के प्रति जताई कृतज्ञता

अपने त्यागपत्र में, धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रिपरिषद और सभी सांसदों को उनके कार्यकाल के दौरान सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा कि मैं भारत की राष्ट्रपति के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रकट करता हूं, जिनका अटूट समर्थन रहा। उनके साथ मेरा कार्यकाल शांतिपूर्ण और बेहतरीन रहा।

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामला

अभियोजन विफल, बरी हो गए सभी 12 आरोपी

मुंबई, एजेंसी

- कोर्ट ने कहा-विश्वास करना कठिन है कि उन्होंने यह अपराध किया
- 19 साल पहले हुए आतंकी हमले में मारे गए थे 180 से अधिक

मुंबई उच्च न्यायालय ने 11 जुलाई 2006 को हुए मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सोमवार को सभी 12 आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है तथा यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है। यह फैसला शहर के पश्चिमी रेलवे नेटवर्क को हिला देने वाले आतंकवादी हमले के 19 साल बाद आया है। इस हमले में 180 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य लोग घायल हुए थे।

न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध में प्रयुक्त बमों के प्रकार को रिकार्ड में लाने में भी असफल रहा है तथा जिन साक्ष्यों पर उसने भरोसा किया वे आरोपियों को दोषी ठहराने में विफल रहे हैं। उच्च न्यायालय ने 12 व्यक्तियों की दोषसिद्धि को रद्द करते हुए कहा कि गवाहों के बयान और आरोपियों के पास से कथित तौर पर की गई बरामदगी का कोई साक्ष्य मूल्य नहीं है। इनमें से पांच आरोपियों को विशेष अदालत ने सजा-ए-मौत और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पश्चिमी लाइन पर विभिन्न स्थानों पर मुंबई की लोकल ट्रेन में 11 जुलाई, 2006 को सात विस्फोट हुए थे।

फैसले को चुनौती देगी महाराष्ट्र सरकार

महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि बम्बई उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने फैसले के कुछ घंटों बाद यह घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपील दायर करने से पहले फैसले का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेगी।

ढाका में स्कूल पर गिरा लड़ाकू विमान, 20 मरे

ढाका, एजेंसी

- प्रशिक्षण उड़ान पर था सेना का एफ-7 विमान, 171 घायल

बांग्लादेश में वायुसेना का एक प्रशिक्षण विमान सोमवार दोपहर राजधानी ढाका में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक स्कूल भवन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई और 171 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों एवं चश्मदीदों ने बताया कि जान गंवाने वालों में ज्यादातर बच्चे शामिल हैं। यह बांग्लादेश के इतिहास में हुए सबसे घातक विमान हादसों में एक है। चीन निर्मित एफ-7 बीजीआई प्रशिक्षण विमान दोपहर बाद ढाका के उत्तर क्षेत्र में 'माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज' के दो मंजिला भवन से टकरा गया। हादसे में पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की भी मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टरेट ने कहा कि कहा कि पायलट ने विमान को घनी आबादी वाले इलाके से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह स्कूल की दो मंजिला इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान नियमित प्रशिक्षण के तहत दोपहर 1:06 बजे कुर्मीटोला स्थित बांग्लादेश वायुसेना अड्डे एके खांडेकर से उड़ान भरी थी। बांग्लादेशी वायुसेना ने एक जांच समिति का गठन किया है। अंतरिम सरकार ने 22 जुलाई को राजकीय शोक की घोषणा की है।

शीर्ष कोर्ट की फटकार

समाजवादी पार्टी ने पीलीभीत में कार्यालय के लिए ली थी जमीन

115 रुपये में जमीन! ये तो सत्ता का दुरुपयोग: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- अदालत ने कहा-ये धोखाधड़ी वाले आवंटन नहीं, बल्कि धोखाधड़ी वाले कब्जे हैं

उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में मात्र 115 रुपये में कार्यालय की जगह 'धोखाधड़ी से कब्जाने' के लिए सोमवार को समाजवादी पार्टी को फटकार लगाई और इसे 'राजनीतिक शक्ति का स्पष्ट दुरुपयोग' बताया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राजनीतिक दल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे से कहा कि यह धोखाधड़ी से आवंटन का मामला नहीं है, बल्कि बाहुबल और सत्ता का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी से कब्जा किए जाने का मामला है। शीर्ष अदालत पीलीभीत नगरपालिका परिषद के बेदखली आदेश के खिलाफ यहां पार्टी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

समाजवादी पार्टी की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि कार्यालय के लिए किराया देने के बावजूद, नगर निगम के अधिकारी उनके मुवक्किल को बेदखल करने पर अड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि बेदखली आदेश पर रोक लगाने की मांग करते हुए एक मुकदमा दायर किया गया है। पीठ ने कहा कि आप एक राजनीतिक दल हैं। आपने जगह पर कब्जा करने के लिए आधिकारिक पद और राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग किया। जब कार्रवाई होती है, तो आपको सब कुछ याद आने लगता है। बता दें कि समाजवादी पार्टी ने अपने कार्यालय के लिए एक जमीन ली थी जिसके लिए नगर पालिका परिषद को 115 रुपये दिये जाते थे। नगर पालिका परिषद ने जमीन छोड़ने के लिए सपा को नोटिस दी थी।

अदालत ने खारिज की सपा की याचिका

पीठ ने कहा कि बेहतर होगा कि आप उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करें और ऐसे किसी भी धोखाधड़ी वाले आवंटन या कब्जे को अदालत के संज्ञान में लाएं। हम इस कदम का स्वागत करेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 16 जून को पार्टी के पीलीभीत जिलाध्यक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जो उन्हें स्थानीय पार्टी कार्यालय खाली करने के आदेश के मामले में नई याचिका दायर करने से रोकता था।। शीर्ष अदालत ने पार्टी को नगर निकाय के निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता प्रदान की।

कोर्ट ने पूछा- क्या आपने 115 रुपये में जगह की बात सुना है

सुनवाई के दौरान अदालत ने सपा के वकील से पूछा कि क्या आपने कभी नगरपालिका क्षेत्र में 115 रुपये किराए पर कार्यालय की जगह के बारे में सुना है? यह सत्ता के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला है। जब दवे ने छह सप्ताह तक बेदखल नहीं किए जाने की अपील की तो पीठ ने कहा कि इस समय आप एक अनधिकृत अधिभोगी हैं। ये धोखाधड़ी वाले आवंटन नहीं, बल्कि धोखाधड़ी वाले कब्जे हैं। दवे ने दावा किया कि अधिकारियों द्वारा पार्टी को निशाना बनाया जा रहा है।

अशोका फोम
SUMMER SALE
UPTO 70%
CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER
Readymade Garments
FLAT 50% TO 80%
मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

न्यूज ब्रीफ

हादसे में कांवड़िया की मौत

क्योलड़िया, अमृत विचार : गांव पनवड़िया से डाक कांवड़ का जत्था महंत उमेश कुमार के नेतृत्व में कछलाघाट जल लेने गया था। लौटते समय कैंट थाना क्षेत्र स्थित रानी लक्ष्मी बाई मूर्ति के पास जत्थे का सदस्य उमा चरण बाइक पर बैठते समय गिरकर घायल हो गया। साथ चल रहे छोटे भाई जगदीश और अन्य उसे इलाज के लिए बरेली के कई अस्पतालों में ले गए,लेकिन उसकी जान नहीं बची। खबर मिलते ही मां कांति देवी, पत्नी अनीता बदहवास हो गई ।

मुख्यमंत्री से की भेंट

भदपुरा, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रुद्रमन सिंह ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। प्राचार्य ने मुख्यमंत्री से ग्रामीण क्षेत्रों मे छात्रों को आ रही परेशानियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया हर समस्या का निराकरण किया जाएगा। अब छात्रों और शिक्षकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्राचार्य ने महाविद्यालय के लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित भी किया।

हादसे में युवक की मौत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : पैदल सड़क पार कर रहे व्यक्ति लोडर की टक्कर से घायल हो गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सोमवार सुबह 5 :30 बजे एनएच पर गांव खरगपुर थाना फतेहगंज पश्चिमी निवासी अरुण (34) टैंकर पर हेल्पर का काम करने के लिए पैदल जा रहा था। रामपुर से बरेली जा रही तेज रफ्तार लोडर ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह गम्भीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे एक मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। ड्राइवर अपनी गाड़ी छोड़कर भाग गया पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया। मृतक अपने पीछे एक बेटा तथा बेटी एवं पत्नी शिवानी को छोड़ गया।

शिक्षकों ने किया पौधरोपण

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : खंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के नेताओं ने सोमवार को बीआरसी पर पौधरोपण किया। इस दौरान संघ के नेताओं ने बीईओ को शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया । बीईओ फरीदपुर शीशपाल सिंह ने समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक संरक्षक सुनील शुक्ला, कामरान खान, मनोज मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

जलाभिषेक करने उमड़े शिव भक्त

गौरीशंकर गुलड़िया शिवधाम में सुबह 4 बजे से लगी श्रद्धालुओं की कतार

संवाददाता, गुलड़िया

गौरीशंकर गुलड़िया शिव मंदिर पर जलाभिषेक को लगी श्रद्धालुओं की लाइन।

अमृत विचार : श्रावण मास के दूसरे सोमवार को गौरीशंकर गुलड़िया शिव मंदिर पर सुबह से ही शिव भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई। सुबह 4 बजे ही मंदिर के कपाट खुले तो श्रद्धालु बम- बम भोले के जयकारों के साथ मंदिर में जलाभिषेक करने लगे। कछला, हरिद्वार से कांवड़ लेकर आए कांवड़ियों ने गौरी शंकर शिव धाम मंदिर में जलाभिषेक किया।

एसपी देहात दक्षिणी अंशिका वर्मा और एडीएम पूर्णिमा सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मीरगंज सीओ अंजनी कुमार तिवारी, एसडीएम आंवला विदुषी सिंह और सिरौली इंस्पेक्टर जगत सिंह मौजूद रहे । मंदिर परिषद में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष मंगल सिंह वर्मा, मोहनलाल वर्मा, गुलड़िया प्रधान ज्ञानचंद लोधी ,राकेश लोधी, विशेष,ओमपाल, सीताराम,राजवीर आदि लोग मौजूद रहे। मंदिर के पुजारी राम जी शुक्ला ने शिव भक्तों को तिलक लगाकर आशीर्वाद देते रहे।

कांवड़ यात्रा का एसडीएम ने किया स्वागत: फरीदपुर में विश्व हिन्दू परिषद और बजरंगदल के नेतृत्व में एक कांवड़ राष्ट्र को समर्पित विशाल कांवड़ यात्रा सुबह 9 बजे मोहल्ला बक्सरिया शिव मंदिर से शुरू होकर ग्राम कादरगंज पढेरा रामगंगा से जल लेकर हर हर महादेव बम बम भोले के जयकारों के साथ निकली। शिवभक्तों ने पहलऊ शिव मंदिर पर जलाभिषेक किया। उपजिलाधिकारी मल्लिका नैन ने शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत सम्मान किया। कांवड़ियों को पानी की बोतल और फल वितरित किया।

एसएसपी ने किया दुग्धाभिषेक

बहेड़ी : कोतवाली परिसर में पुलिस ने आमजन के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण कराया । इस मंदिर का शुभारंभ एसएसपी अनुराग आर्य ने किया। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह तोमर ने कोतवाली परिसर के मंदिर के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया था। उन्होंने नए शिव परिवार के मंदिर का निर्माण शुरू कराया ।

जन सेवा केंद्र संचालक ने युवक के खाते से निकाले रुपये

बहेड़ी, अमृत विचार: गांव खिरनी निवासी पुरुषोत्तम सिंह ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया उनका खाता एसबीआई शाखा मुड़िया नवी बस्ती में है। इसी के बराबर में सुनील कुमार जनसेवा केंद्र चलता था। आरोप है उसने धोखे से उसके खाते से चार लाख नव्वे हजार निकाल लिए।

जरूरत पड़ने पर वह जनसेवा केंद्र से रुपये निकालने के लिए कहा तो उसने बताया उसने अब जन सेवा केंद्र बंद कर दिया है। जब बैंक में पैसे निकालने पहुंचा तो उसे जानकारी हुई,जनसेवा केंद्र संचालक ने धोखे से उसके खाते से चार लाख नव्वे हज़ार रुपये निकाल लिए हैं। पीड़ित ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने एसएसपी से शिकायत की तो रिपोर्ट दर्ज हुई।

कमरे में फंदे से लटककर छात्रा ने की खुदकुशी

संवाददाता, भुता

अमृत विचार: एक छात्रा ने कमरे के कुंडे से दुपट्टा डालकर फंदे से झूल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

ग्राम अहरौला निवासी मुन्ना लाल ने बताया छोटी बेटी संगीता (17) बीए में पढ़ती थी। उसने श्रावण के सोमवार का व्रत रखा था। कैलाश धाम मंदिर पर पूजा अर्चना के बाद घर लौटी थी। उसने कमरे के कुंडे में दुपट्टा डालकर फंदा बनाकर झूल गई। भतीजे प्रशांत ने देखा तो दादी को बताया कि बुआ ने खुदकुशी कर ली। यह देख घर में कोहराम मच गया। मृतका दो बहन एक भाई में सबसे छोटी थी। भाई बाहर काम करता है। बड़ी बहन की शादी हो चुकी। संगीता ही दादी के साथ घर का काम काज करती थी। पिता मुन्नालाल कृषि कार्य करते हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

विवाहिता ने दी जान

बहेड़ी, अमृत विचार : पारिवारिक कलह से तंग आकर महिला ने पंखे के कुंडे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सितारगंज के रहने वाले भीमसेन ने 10 साल पहले अर्शियाबोझ निवासी शिशुपाल मौर्य से बेटी मिथिलेश (30)का विवाह किया था। इसका एक पुत्र भी है, लेकिन किसी न किसी बात को लेकर उसका पति के बीच रोजाना विवाद होता रहता था। सोमवार को उसने जान दे दी।

झगड़े के बाद दबंगों ने की जमकर फायरिंग

फरीदपुर, अमृत विचार : दबंगों के रास्ते में घोड़ा आने पर पहले उसे हटाने को लेकर गाली गलौज फिर मारपीट । जिसके बाद दबंग ने दहशत फैलाने को 15-20 आदमियों के साथ बुग्गी मालिक के घर जाकर कई राउंड फायरिंग की। इसका वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने आरोपी श्याम प्रताप सिंह और अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

कस्बे के मोहल्ला कस्साबान निवासी तौफीक अहमद और मोहल्ला लाइन पार निवासी श्याम प्रताप सिंह उर्फ नन्हें के बीच रास्ते में खड़ी तौफीक की घोड़ी को हटाने को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट तक पहुंच गया। उस समय श्याम प्रताप सिंह वहां से लौट गया। कुछ देर बाद 15-20 साथियों को लेकर तौफीक के घर पर पहुंचा और जान से मारने की धमकी देते हुए कई राउंड फायर किए ।

मां की हत्या के आरोप में बेटे बहू समेत चार पर रिपोर्ट दर्ज

- सौतेले बेटे-बहू पर जहर देकर मारने का आरोप

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार: एक महिला की संदिग्ध अवस्था में सोमवार को मौत हो गई। मृतका के एक बेटे ने सगे भाई, भाभी, ताऊ और सौतेले भाई पर जहरीला पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ग्राम पंचायत कंथरी के मजरा विजयनगला निवासी उपेंद्र पाल सिंह ने बताया कि उसकी मां शीला देवी (65) को सतेन्द्र पाल सिंह (मृतका का बेटा), उर्वेश देवी पत्नी सतेन्द्र पाल सिंह (मृतका की बहू), सुरेन्द्र पाल सिंह (मृतका का सौतेला बेटा, ओमपाल सिंह (मृतका के जेठ) उत्पीड़न कर जान से मारने की धमकी देते थे। उर्वेश देवी मायके वालों को बुलाकर धमकियां देती थी। रविवार को उसकी मां थाने में शिकायत करने गई तो उन लोगों ने थाना गेट पर रोककर रिपोर्ट लिखाने पर जान से मारने की धमकी दी। सोमवार को सुबह 11 बजे तीनों लोगों ने उसकी मां को जहरीला पदार्थ दे दिया। वह मां को इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर गया। परंतु डॉक्टर ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं शिकायत के आधार पर चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्रामीणों ने बताया कि नेम सिंह की शादी होने के बाद उनके दो बच्चे थे, जिनमें एक बेटा और एक बेटी थी। इसी बीच नेमसिंह की पत्नी की मौत हो गई। इसके बाद उन्होंने पत्नी की छोटी बहन शीला देवी (साली) से शादी कर ली। नेमसिंह के दूसरी पत्नी से 4 बच्चे थे।

कांवड़ यात्री की पुलिस ने जान बचाई

आंवला, अमृत विचार: गंगा घाट से जल लेकर लौट रहा एक कांवड़ यात्री दौरा पड़ने से सड़क पर गिर गया। मौके पर पहुंचे सीओ और भमोरा पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जिससें उसकी जान बच गई।

क्षेत्राधिकारी आंवला नितिन कुमार ने बताया कि बरेली -बदायूं रोड पर आंवला तिराहे के समीप अचानक एक कांवड़ यात्री सड़क पर गिर गया। सूचना पर वह तत्काल मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल भिजवाया। कांवड़ यात्री की हालत में अब सुधार है। कांवड़ यात्री के साथियों ने बताया कि उसका नाम लाखन लाल निवासी लाल फाटक, थाना कैंट, जनपद बरेली है। वह बदायूं के कछला गंगा घाट से जल लेकर लौट रहा था। रास्ते में अचानक तबीयत बिगड़ने से वह सड़क पर घायल हो गया। यदि समय से इलाज नहीं मिलता तो कुछ अनर्थ हो सकता था।

मस्जिद की संपत्ति पर कब्जा करने से आक्रोश, शिकायत

- मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन करके सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में सोमवार को तहसील पहुंचे और एक व्यक्ति पर मस्जिद की छत के कमरे पर कब्जा करने, मस्जिद की दुकानों का किराया वसूलने के आरोप लगाए। मुस्लिम समुदाय के लोगों और भारतीय किसान मजदूर संगठन ने कार्रवाई की मांग कर एसडीएम के नाम दो ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी प्रवीन जौहरी को सौंपे।

मोहल्ला गंज निवासी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया उनके मोहल्ले की खलीफा वाली मस्जिद वक्फ बोर्ड में अंकित है। बोर्ड की ओर से 1984 में कमेटी का रिनुअल किया गया था। जिसके अध्यक्ष तज्जमुल हुसैन और अन्य चार सदस्य थे। उन लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक मोहल्ले वालों की बनाई गई कमेटी ही देखभाल करती रही। आरोप है कुछ साल से मोहल्ले के एक व्यक्ति ने स्वयं को बोर्ड का सदस्य बताकर मस्जिद की दुकानों से किराया वसूलना शुरू कर दिया और मस्जिद की छत पर बने कमरे पर कब्जा कर बेटे को सिलाई की दुकान खुलवा दी। लोगों ने आरोप लगाया उसका बेटा असमाजिक कार्य कर रहा है। दो दिन पहले वह मस्जिद के ऊपर वाले कमरे में बाहरी लड़कियों को लाता देखा गया। इसकी शिकायत लेकर मोहल्लेवासी उसके पिता के पास गए तो वह लोग लाठी- डंडे लेकर झगड़ा करने पर उतारू हो गए। समाज के लोगों ने पुलिस को शिकायत दी थी। परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई।

नकली टी-शर्ट बनाने का कारखाना पकड़ा

बहेड़ी, अमृत विचार: नगर पालिका मार्केट में जारा कंपनी के नकली टी-शर्ट बनाने का कारखाना पकड़ा गया। कारखाने के मालिक मोहम्मद तस्लीम को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

पकड़े गए कारखाने से 648 नकली टी-शर्ट बरामद हुई हैं । जिन्हें जारा कंपनी के नाम से बेचा जा रहा था। इसके अलावा, 1025 नकली लेवल भी बरामद हुए हैं। कंपनी फील्ड ऑफिसर शत्रुघ्न द्विवेदी ने बताया बहेड़ी मार्केट में नकली टी-शर्ट बनाने की सूचना उन्हें मिली थी। उन्होंने अपने साथी विनायक के साथ बहेड़ी पुलिस को लेकर कारखाने पर छापा मारा, जहां नकली टी-शर्ट बनते मिलीं। इंस्पेक्टर संजय सिंह तोमर ने बताया कि अगर किसी का कोई नकली उत्पाद बेचने वाले की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस तरह के मामले लगातार सामने आ रहे हैं ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा फैसला, 60 वर्षों से 10 हजार परिवार झेल रहे थे विस्थापन

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भू-स्वामित्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधि सम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। पीलीभीत, लखीमपुर, बिजनौर और रामपुर में रह रहे ऐसे 10 हजार से अधिक परिवारों को वहां के जिलाधिकारी भूस्वामी अधिकार देने की कार्यवाही शुरू करते हुए राजस्व रिकार्ड में दर्ज करेंगे।

- पीलीभीत, लखीमपुर, बिजनौर रामपुर के डीएम को भूस्वामी अधिकार देने के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी ने आवास पर हुई बैठक में कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने शासन के अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गर्वनमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है। योगी ने कहा कि यह संवेदनशील प्रयास दशकों से उपेक्षित विस्थापित परिवारों के लिए एक नई उम्मीद और गरिमापूर्ण जीवन का द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है। इसे केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं। अद्यतन स्थिति के अनुसार एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है।

घर और खेती थी, फिर भी अभिलेखों में नाम नहीं

प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरुप्रसाद ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जिले में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और कृषि भूमि भी आवंटित की गई। लेकिन समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

खीरी में नवोदय के छात्रों ने खुद को किया हॉस्टल में बंद

फंदा लगाते वीडियो किया वायरल, पुलिस ने जबरन निकाला

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जवाहर नवोदय विद्यालय के सीनियर वर्ग के छात्रों ने सोमवार सुबह खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया। अंदर से ही छात्रों ने मीडिया और सोशल मीडिया पर अपनी मांगों के मैसेज व वीडियो भेजे। छात्रों का फंदा लगाते हुए भी वीडियो वायरल हुआ। इससे विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया।

छात्रों से वार्ता करने तहसीलदार ज्योति वर्मा पहुंचीं, लेकिन उनसे बात करने से छात्रों ने मना कर दिया। छात्रों ने न नाश्ता लिया और न ही दोपहर का भोजन। करीब 7 घंटे बाद एसडीएम रेनू मिश्रा के निर्देश पर पुलिस ने बंद दरवाजा तोड़कर सभी छात्रों को सकुशल बाहर निकाला और जलपान व भोजन की व्यवस्था कराई। कस्बा के जवाहर नवोदय विद्यालय में करीब 160 छात्रों ने सोमवार को विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए खुद को हॉस्टल के कमरों में बंद कर लिया। इसमें कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र शामिल थे। सूचना तहसील से लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंची तो प्रशासन में खलबली मच गई। सबसे तहसीलदार के साथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में एसडीएम पहुंचीं। शाम करीब साढ़े पांच बजे तक अधिकारी बच्चों को समझाने का प्रयास करते रहे। छात्रों का आरोप है कि प्रधानाचार्य छात्रों व स्टाफ के साथ खराब व्यवहार और मारपीट करते हैं। एसडीएम के आश्वासन के बाद भी जब छात्र नहीं माने तो उनके निर्देश पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर छात्रों को जबरन बाहर निकाला। एसडीएम ने अभिभावकों की मौजूदगी में छात्रों से वार्ता की और छात्रों को उनके सुपुर्द कर दो दिन का अवकाश दे दिया।

पुलिस के साथ कमरे से बाहर निकलते छात्र। • अमृत विचार

आगरा से जुड़ा अलीगढ़ धर्मांतरण का कनेक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खुफिया एजेंसियां अलर्ट, खंगाल रहीं उमर गौतम का नेटवर्क
- उमर की गिरफ्तारी के बाद सामने आया 33 महिलाओं का धर्मांतरण

अमृत विचार : आगरा के धर्मांतरण गिरोह का कनेक्शन अलीगढ़ से जुड़ता दिख रहा है। धर्मांतरण व विदेशी फंडिंग में दोषी पाए जा चुके उमर गौतम का नेटवर्क अलीगढ़ तक फैला था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मिली सूची में 33 महिलाओं के नाम मिले, जिनका 2018 में धर्मांतरण कराया गया था। अलीगढ़ से छांगुर बाबा का भी कनेक्शन खंगाला जा रहा है। इस मामले में अलीगढ़ पुलिस भी सतर्क हो गई है।

आगरा में धर्मांतरण गिरोह का पर्दाफाश होने के बाद अलीगढ़ में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। धर्मांतरण के मामले में उमर गौतम नाम का एक व्यक्ति अवैध धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग के मामले में दोषी पाया गया था। जांच में पता चला है कि जनवरी से जुलाई के बीच में अलीगढ़ से 80 महिलाएं और 17 किशोरियां लापता हुई हैं। खुफिया एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कहीं इन सभी का धर्मांतरण तो नहीं करा दिया गया है।

सरगना अब्दुल रहमान गिरफ्तार

लखनऊ। आगरा धर्मांतरण गिरोह के सरगना को पुलिस ने दिल्ली के मुस्तफाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। उसके घर से हरियाणा के रोहतक की एक युवती को भी बरामद किया गया है। उसका असली नाम महेंद्र पाल सिंह है। वह फिरोजाबाद के रजावली का रहने वाला है। 1990 में धर्म बदलकर पहले ईसाई बना। फिर इस्लाम अपनाकर अब्दुल रहमान बन गया।

इंजन से अलग हुए मालगाड़ी के डिब्बे

मुरादाबाद, अमृत विचार : मुरादाबाद से सीतापुर के लिए रवाना हुई एक मालगाड़ी के डिब्बे रास्ते में इंजन से अलग हो गए। यह घटना दलपतपुर रेलवे स्टेशन से आगे चमरौआ रेलवे फाटक संख्या 410 के पास हुई। जहां चलती ट्रेन के इंजन और डिब्बों के बीच का हीच टूट गया। इंजन आगे निकल गया जबकि सभी डिब्बे ट्रैक पर ही छूट गए। चालक और गार्ड को इसका पता चला, तो उन्होंने उच्च अधिकारियों को सूचित किया। रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और इंजन से डिब्बों को जोड़ा।

इस दौरान मालगाड़ी काफी समय तक रेलवे ट्रैक पर खड़ी रही, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ और कई यात्री ट्रेनों को रोकना पड़ा। फिलहाल रेलवे विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

दून में आसन नदी उफनाई शेर नाले में बही स्कॉर्पियो

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के अधिकांश स्थानों पर रविवार रात से सोमवार दोपहर तक आफत की बारिश में कई हादसे हुए। देहरादून में भारी बारिश से आसन नदी उफनाने से पटेल नगर के भूड़पुर क्षेत्र की आवासीय कॉलोनी जलमग्न हो गई और लोग घरों में ही फंस गए। पुलिस ने लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

हल्द्वानी के पास चोरगलिया रोड पर रविवार देर रात भारी बारिश के चलते ओवरफ्लो हुए शेर नाले के बहाव में पीलीभीत (उत्तर प्रदेश) के श्रद्धालुओं की स्कॉर्पियो गाड़ी बह गई। गाड़ी में दस श्रद्धालु थे जो जागेश्वर धाम से लौट रहे थे। पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं को रस्सी के सहारे सकुशल बाहर निकाला। पिथौरागढ़ में गांव ड्योडा निवासी सोबन सिंह काली नदी में बह गया। उत्तरकाशी में रविवार देर रात गंगोत्री मार्ग पर एक कांवड़िए के खाई में गिरने की सूचना पर एसडीआरएफ द्वारा उसे सर्च किया जा रहा है। राज्य में बारिश-भूस्खलन से 94 मार्ग बाधित हो गए। सोमवार को तवाघाट और लमारी के पास भारी भूस्खलन से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग बाधित होने से कई यात्रियों के साथ भाजपा नेत्री मीनाक्षी लेखी भी फंस गईं।

अधिकारी 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें:धामी

देहरादून। प्रदेश में हो रही अतिवृष्टि का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केन्द्र से जायजा लिया। सभी जिलाधिकारियों से वर्चुअल माध्यम से बातचीत कर जनपदों में बारिश, सड़कों की स्थिति, चारधाम और कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं तथा विद्युत एवं मूलभूत आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली।

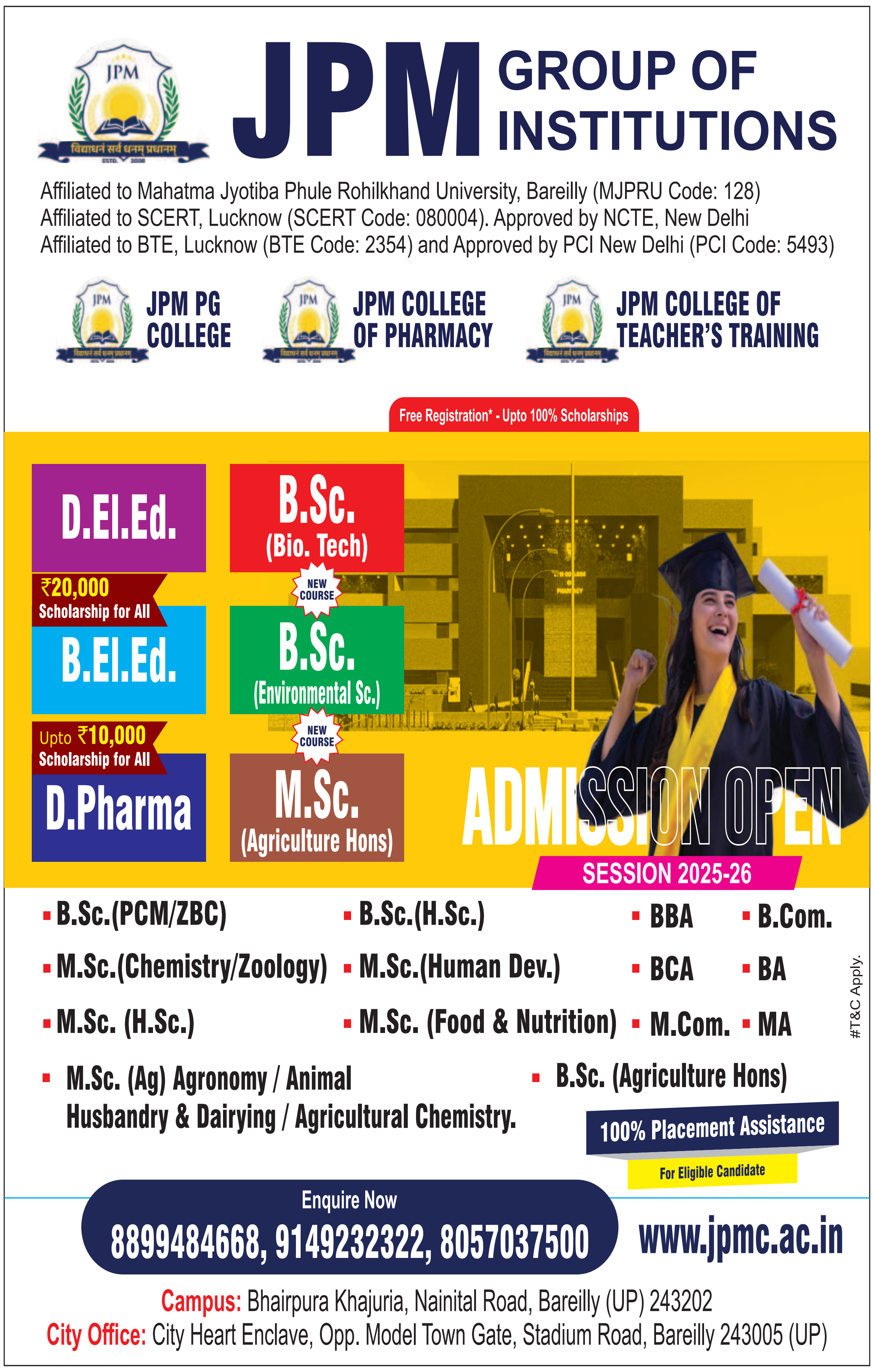

आयुष्मान क्लीनिक
डॉ. कुमार वासु
एम.बी.बी.एस, पी.जी.डी.सी.एच.
(शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ)
पूर्व चिकित्सक- जे.एन.एम.सी., अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU)
के.डी. मेडिकल कॉलेज, मथुरा/नयति मेडिसिटी, मथुरा
वर्तमान चिकित्सकः- जिला महिला अस्पताल, बदायूं
बच्चों की समस्त बीमारियों की इलाज की सुविधा
• पीलिया
• मलेरिया
• टाइफाइड
• निमोनिया
• दमा
• उल्टी/दस्त
• इन्फेक्शन
• डेंगू
• दौरे पड़ना
• दिमागी बुखार
• भूख न लगना
• पसली चलना
• खून की कमी
• वजन न बढ़ना
सम्पर्क सूत्रः- 9084981467
पताः- इन्द्रा चौक, माल गोदाम रोड, सिविल लाइन्स, बदायूं

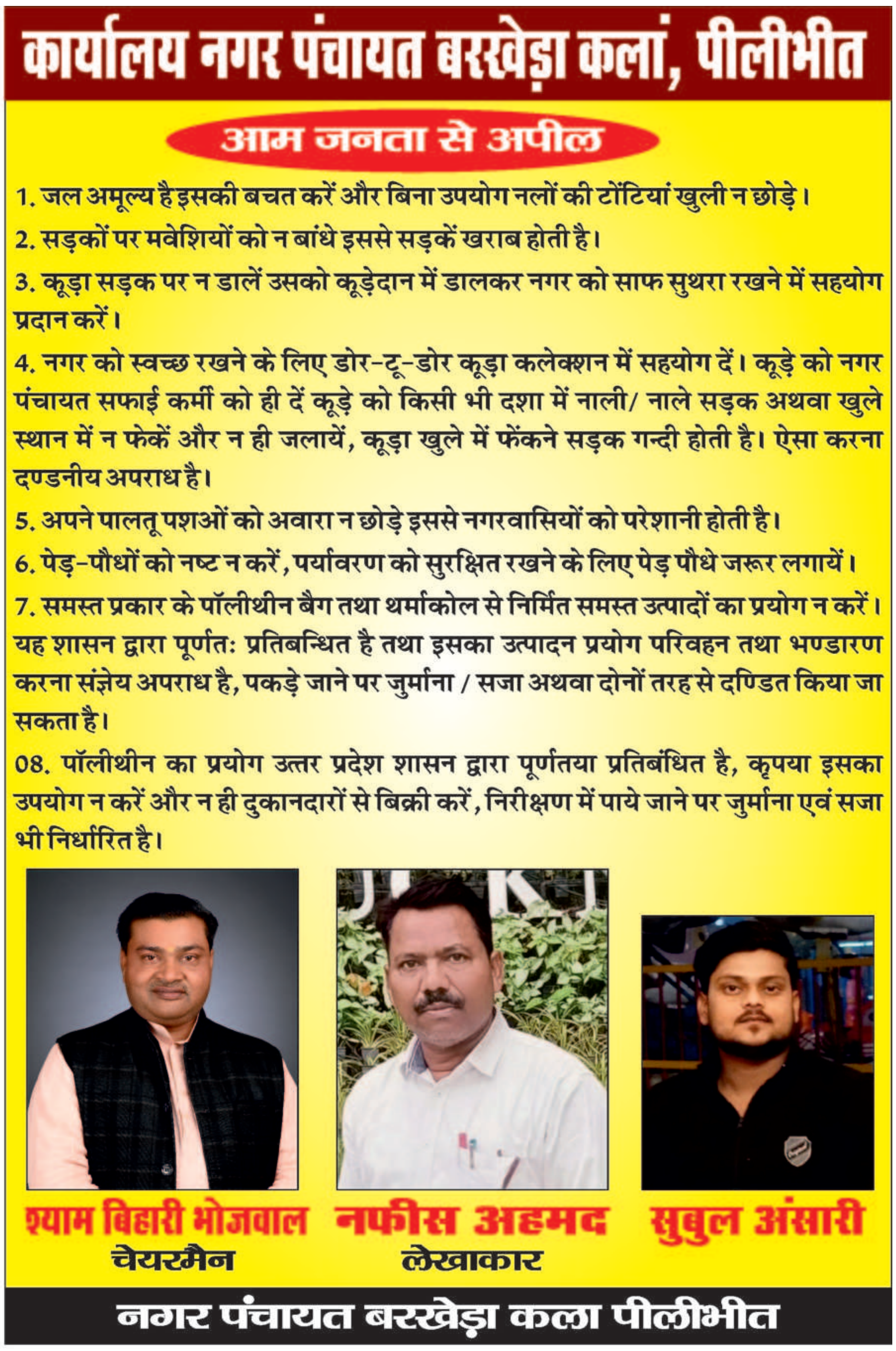
कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा कलां, पीलीभीत
आम जनता से अपील
1. जल अमूल्य है इसकी बचत करें और बिना उपयोग नलों की टोंटियां खुली न छोड़े।
2. सड़कों पर मवेशियों को न बांधे इससे सड़कें खराब होती है।
3. कूड़ा सड़क पर न डालें उसको कूड़ेदान में डालकर नगर को साफ सुथरा रखने में सहयोग प्रदान करें।
4. नगर को स्वच्छ रखने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में सहयोग दें। कूड़े को नगर पंचायत सफाई कर्मी को ही दें कूड़े को किसी भी दशा में नाली/ नाले सड़क अथवा खुले स्थान में न फेकें और न ही जलायें, कूड़ा खुले में फेंकने सड़क गन्दी होती है। ऐसा करना दण्डनीय अपराध है।
5. अपने पालतू पशुओं को अवारा न छोड़े इससे नगरवासियों को परेशानी होती है।
6. पेड़-पौधों को नष्ट न करें, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधे जरूर लगायें।
7. समस्त प्रकार के पॉलीथीन बैग तथा थर्माकोल से निर्मित समस्त उत्पादों का प्रयोग न करें। यह शासन द्वारा पूर्णतः प्रतिबन्धित है तथा इसका उत्पादन प्रयोग परिवहन तथा भण्डारण करना संज्ञेय अपराध है, पकड़े जाने पर जुर्माना / सजा अथवा दोनों तरह से दण्डित किया जा सकता है।
08. पॉलीथीन का प्रयोग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पूर्णतया प्रतिबंधित है, कृपया इसका उपयोग न करें और न ही दुकानदारों से बिक्री करें, निरीक्षण में पाये जाने पर जुर्माना एवं सजा भी निर्धारित है।
श्याम बिहारी भोजवाल
चेयरमैन
नफीस अहमद
लेखाकार
सुबुल अंसारी
नगर पंचायत बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी को
पवित्र श्रावण माह
की हार्दिक शुभकामनाएं
50 वर्षो से निरंतर आपकी सेवा में
स्व. वेदप्रकाश रावत
कुमार
कन्फैक्शनरी
तारीन बहादुरगंज पचराहा, शाहजहांपुर
सुबोध रावत
उपेश रावत
देवेश रावत

THE BEST PRIMARY SCHOOL IN SHAHJAHANPUR
GLOBAL
INTERNATIONAL SCHOOL
SINCE 2010
SUNIL GUPTA
DIRECTOR
GIVE YOUR CHILD THE WINGS
TO EXPLORE AND DISCOVER
ADMISSION OPEN
Teacher-student ratio 1:15
Holistic development
Focus on every child
Well-trained staff
Focus on English Speaking
Safe and nurturing environment
Playgroup to Class 5
6394969480/ 9415528369
2- CIVIL LINES BEHIND DURGA HOTEL, SHAHJAHANPUR

बरेली कॉलेज: एक आंदोलन...एक परंपरा...एक प्रेरणा

बरेली कॉलेज का 188 वर्षों का यह सफर केवल ईंट-पत्थर का इतिहास नहीं, बल्कि उस विचारधारा की यात्रा है जिसमें शिक्षा को समाज निर्माण और राष्ट्र उत्थान का साधन माना गया। इस कॉलेज की प्राचीरें गवाह हैं उन आंदोलनों की, उन सभाओं की और उन आदर्शों की जिन्होंने न केवल बरेली को, बल्कि उत्तर भारत को एक नई दिशा दी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय को आज यदि अपनी गौरवपूर्ण पहचान पर गर्व है, तो उसे यह स्वीकारना होगा कि उस नींव में बरेली कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों की तपस्या, संघर्ष और दूरदर्शिता का अमूल्य योगदान है। बरेली कॉलेज केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि यह उत्तर भारत की शिक्षा और चेतना का ध्वजवाहक है। उत्तर भारत की शैक्षणिक गरिमा का प्रतीक बरेली कॉलेज 18 जुलाई 2025 को 188 वर्षों का अद्वितीय सफर पूरा कर चुका है। इस ऐतिहासिक अवसर पर संस्थान की गौरवशाली विरासत, राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका तथा स्वतंत्रता संग्राम के दौर में छात्र आंदोलनों से लेकर शिक्षण और अनुशासन तक सीमित नहीं रहा है। यह कॉलेज सदैव युवाओं की ऊर्जा, सामाजिक चेतना और राष्ट्र सेवा के आदर्शों का केंद्र रहा है। शिवांग पांडेय की रिपोर्ट...

रुहेलखंड का ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले बरेली कॉलेज की स्थापना 1837 में नौमहला मस्जिद के पास एक सरकारी स्कूल में हुई थी। पहले हेडमास्टर के रूप में रोजर्स ने पदभार संभाला। हेडमास्टर रोजर्स के पास 57 छात्रों की जिम्मेदारी थी। 1857 में मंगल पांडेय की ओर से क्रांति का बिगुल बजाने का सर्वाधिक प्रभाव बरेली कॉलेज पर ही रहा। सन 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ मेरठ के बाद सबसे बड़ी बगावत बरेली में हुई, जिसका केंद्र बिंदु बरेली कॉलेज रहा। 1857 में बैरकपुर से आई खबर को सुनकर कुतुबशाह, पं. छंगेलाल, परमानंद जैसे अध्यापकों ने जिन्हें उस समय 30 रुपये तनख्वाह मिलती थी, एक साथ नौकरी छोड़ दी। जानकारों के अनुसार शिक्षक मौलवी महमूद अहसन की भी भूमिका अहम रही। फिर उनके पीछे एक के बाद एक लोग जुटते गए। कुछ माह बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और काला पानी की सजा दी गयी। कॉलेज के होनहार छात्र मुहम्मद अली खान उर्फ जैमीग्रीन ने भी क्रांति में अहम भूमिका निभाई। बरेली कॉलेज के दर्शन शास्त्र विभाग के प्रो. एसी त्रिपाठी बताते हैं कि मुहम्मद अली खान उर्फ जैमीग्रीन ने तत्कालीन फौजी अफसरों से कहा कि मिशेल साहब! मैंने और अजीमुल्ला खान ने पूरा इरादा कर लिया है कि सर जमीनें हिंद से कंपनी का राज खत्म कर देंगे और मादरे वतन के माथे से गुलामी का दाग धोकर रहेंगे। '''' इन चंद लाइनों ने बरेली कॉलेजों का स्वाभिमान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। इन शब्दों से खफा अग्रेजों ने उन्हें सरेआम एक पेड़ पर लटकाकर फांसी दी। इसके बाद कॉलेज 1884 में फिर शुरू हो गया और कॉलेज को सबसे पहले कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्धता मिली। बाद में आगरा विश्वविद्यालय से संबद्धता मिली। वहीं 17 जुलाई 1906 को नव निर्मित भवन का उद्घाटन हुआ और 18 जुलाई से कॉलेज फिर शुरू हो गया। वर्ष 1907 में जब प्राचार्य केरी का कार्यकाल समाप्ति की ओर था, तभी कॉलेज में छात्र आंदोलनों की शुरुआत हुई। छात्र भूदेव बनर्जी के निष्कासन के विरोध में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के समस्त कॉलेजों के छात्रों ने हड़ताल का बिगुल फूंका और मार्च 1907 में उनका निष्कासन रद्द कर दिया गया। 1908 में इंग्लैंड से एल्डरसन को बरेली कॉलेज का प्राचार्य नियुक्त किया गया। उनके समय में प्रशासनिक मजबूती के साथ शैक्षणिक गुणवत्ता में भी वृद्धि हुई। इसके बाद 1927 में विशेष रूप से अमेरिका के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से बुलाए गए हैमस्टेड ने प्राचार्य पद संभाला, लेकिन भारतीय महिलाओं पर की गई उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कॉलेज में भयंकर छात्र आंदोलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कॉलेज छोड़ कर इंग्लैंड लौटना पड़ा। वर्ष 1928 में विलियम ओवेंस ने प्राचार्य पद संभाला। उन्हीं के कार्यकाल में कॉलेज में छात्र संघ की स्थापना, दर्शन परिषद, उर्दू परिषद, हिंदी प्रचारिणी सभा और स्टाफ क्लब जैसे मंच सक्रिय हुए। बीएससी की कक्षाएं शुरू हुईं और रसायन विभाग के लिए भव्य ब्रज मोहन लाल ब्लॉक का निर्माण हुआ, जिसका उद्घाटन तत्कालीन गवर्नर ने किया। कॉलेज के सांस्कृतिक गौरव का प्रमाण इस बात से भी लगाया जा सकता है कि तत्कालीन हिंदी प्रचारिणी सभा के कार्यक्रम में अध्यक्षता के लिए मुंशी प्रेमचंद का बरेली आगमन हुआ। सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान वर्ष 1930 में छात्र पंडित दरबारी लाल शर्मा ने कॉलेज का बहिष्कार कर नमक आंदोलन में हिस्सा लिया। कॉलेज के राष्ट्रवादी छात्रों ने यंग स्टूडेंट्स एसोसिएशन की स्थापना की। उसके प्रथम अध्यक्ष प्रताप चंद्र आजाद बने। 1932 में जब प्रो. अनुकूल चंद्र दत्त बरेली कॉलेज के पहले भारतीय प्राचार्य बने, तब कॉलेज ने अपने 100 वर्ष पूरे किए। उनके कार्यकाल में कॉलेज भवनों का निर्माण, पुस्तकालय का विकास और विभिन्न विभागों की स्थापना के साथ-साथ छात्रों की सक्रिय भागीदारी स्वतंत्रता आंदोलन में देखी गई। वर्ष 1937 में छात्र कृपानंदन ने कॉलेज हॉल पर फहरा रहे यूनियन जैक को जलाकर तिरंगा लहरा दिया, उन्हें पुलिस ने जेल में भेज दिया। इसके कारण छात्रसंघ को स्थगित कर कुछ छात्रों को निष्कासित किया गया। 1943 के बाद प्रोफेसर मदन मोहन, प्रोफेसर भट्टाचार्य, और प्रो. आरके शर्मा जैसे प्राचार्यों ने कॉलेज की रीढ़ को मजबूत किया। एनसीसी, स्टूडेंट वेलफेयर, कॉमर्स ब्लॉक और तरणताल जैसी संस्थाओं और सुविधाओं की स्थापना हुई। छात्रों की खेल उपलब्धियां देश भर में चर्चित रहीं। 1965 में जब डॉ. जीपी मेहरोत्रा ने प्राचार्य पद ग्रहण किया, तब कॉलेज अराजकता की गिरफ्त में था। हथियारबंद छात्र समूहों से मुकाबला कर प्राचार्य व शिक्षकों ने संस्थान की गरिमा की रक्षा की। यह वह दौर था जब शिक्षकों ने न केवल पढ़ाने की जिम्मेदारी निभाई बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का भी परिचय दिया। 1973 का वर्ष बरेली कॉलेज के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। जब बरेली शहर में विश्वविद्यालय की मांग को लेकर ऐतिहासिक आंदोलन हुआ, तो उसके नेतृत्व में थे बरेली कॉलेज के शिक्षक प्रो. कृपानंद, प्रो. भारद्वाज, प्रो. रस्तोगी, प्रो. सिंघल और डॉ. नरेंद्र सिंह जैसे शिक्षाविद। हजारों छात्रों के साथ यह आंदोलन इतना प्रबल हुआ कि अंततः रुहेलखंड विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

17 July 1906 Inaugeration of Studies in Present Campus by. Lt Governor of N.W.P Sir James Diggls Touche

17 जुलाई, 1906 को बरेली कॉलेज के नए परिसर के उद्घाटन की तस्वीर।

बरेली कॉलेज के पूर्व छात्रों के नाम

एसएमएस बर्नी -	हरियाणा और चंडीगढ़ के राज्यपाल
एनएस चौधरी -	आईएएस, इंडियन हाई कमिशन लंदन
सुरेश चंद्र सिंघल -	आईएएस, एजीआई ऑडिट
ओम प्रकाश सक्सेना -	असिस्टेंट इनकम टैक्स कमिशनर
मदन मोहन माथुर -	रेजिडेंट डायरेक्टर ट्रेड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, टोक्यो
कृष्ण गोयल	पूर्व मंत्री
पीके मिश्रा	संयुक्त सचिव, वित्त विभाग
संतोष गंगवार	झारखंड राज्यपाल
दिनेश जौहरी	पूर्व मंत्री
प्रदीप जोशी	एनटीए चेयरमैन

उस समय कॉलेज की रीढ़ अनुशासन मानी जाती थी

लखीमपुर जैसे छोटे शहर से बीएससी करने के बाद 1985 में जब पहली बार एमएससी में बरेली कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए पहुंचा। उस समय कॉलेज की रीढ़ अनुशासन मानी जाती थी। उस समय एमएससी के लिए सिर्फ 10 सीटों पर आवेदन हुए, भाग्यशाली रहा कि उन 10 विद्यार्थियों में से मैं भी एक रहा। तत्कालीन विभागध्यक्ष प्रो. डीके शर्मा सभी विद्यार्थियों को अपने बच्चों जैसा समझकर पढ़ाते थे। उन्हीं के दिशा-निर्देश पर चलते हुए एमएससी में यूनिवर्सिटी टॉप किया। उसके बाद पीएचडी, फेलोशिप समेत अन्य। बरेली कॉलेज ने मुझे न सिर्फ पढ़ाई बल्कि नौकरीऔर सम्मान दिया। उस 10 बैच के मेरे साथी आज भी संपर्क में हैं। - **प्रो. आलोक खरे**, विभागध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग।

बरेली कॉलेज में वर्ष 1986 में स्नातक के पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। उस समय सबसे बड़ी खुशी स्कूल ड्रेस से मुक्ति की थी। उस समय सुरक्षा और अनुशासन के मामले में बरेली कॉलेज बहुत सख्त माना जाता था। किसी भी बच्चे को निष्कासित किया जाता था तो उसका नाम चीफ प्रॉक्टर कार्यालय में लगे लाउडस्पीकर से बताया जाता था। इसके साथ ही नियम-कानूनों को भी रोजाना स्पीकर पर बोला जाता था। इसके साथ ही कक्षाओं के बाद चाय-समोसे की दुकानों पर गपशप करने वाले वो स्वर्णिम समय रहा।- **प्रो. पीबी सिंह**, डीएसडब्ल्यू, रुविवि

बरेली कॉलेज में बतौर प्राचार्य अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने से पहले से कॉलेज का नाम सुना हुआ था, लेकिन इस कॉलेज की ऐतिहासिकता की अनुभूति सुखद अनुभव का अहसास करने वाली रही।-**प्रो. ओपी राय**, प्राचार्य

1954 में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के बाद कॉलेज का पहला दिन पूरी दुनिया लग रहा था। उस समय छात्रों के नेतृत्व करने के अध्यक्ष उम्मीदवारों को सिर्फ उनके अध्यक्षीय भाषण के आधार पर बुद्धिमत्ता के आधार पर चयन किया जाता था। मुझे अच्छे से याद है कि उस समय गोपाल कृष्ण के भाषण से मेरे साथ वहां मौजूद कई अन्य छात्र प्रभावित हुए, बाद में वे अध्यक्ष रहे। मेरा उर्दू से यूनिवर्सिटी टॉप करना बरेली शहर में चर्चा का विषय रहा। 1962 में प्राचार्य सुंदरम साहब हर बुधवार को हॉकी ग्राउंड में विद्यार्थियों को नैतिकता का भाषण दिया करते थे। बरेली कॉलेज के छात्र से लेकर शिक्षक तक का सफर शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है।- **प्रो. वसीम बरेलवी**, मशहूर शायर

बरेली कॉलेज के इतिहास को दर्शाने के लिए सैनिक ने लिखा उपन्यास

सीआरपीएफ में सिपाही के रूप में अपनी सेवा देने वाले संदीप यादव बरेली कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। इस कॉलेज की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने बरेली कॉलेज के इतिहास के ऊपर सीक्रेट क्लास नामक उपन्यास भी लिखा है। उपन्यास में बरेली कॉलेज की कालातीत की घटनाओं को उपन्यास के तौर पर पाठकों तक पहुंचाया गया है।

Sethi Sons RETAIL
A Unit of Bombay Hosiery Family
KIDS LADIES GENTS
पिछले 62 सालों से आपकी सेवा में
Twin Tower, Macnair Road, Near Dharamkanta, Prem Nagar, Bareilly (UP)
Mob.: 9837026936, 9450175782

Rakesh Sethi

Geet Sethi

पारिजात
An ISO 9001:2008 Certified Hospital
पारिजात चैरिटेबिल आई हास्पिटल
Add: Sood Dharamkanta, Macnier Road, Bareilly
0581-2549085, 89793-00360, 89790-69333

फेको की अत्याधुनिक तकनीक से दुनिया के सबसे छोटे चीरे द्वारा मोतियाबिंद का ऑपरेशन
डॉ. भ्रमरेश शर्मा
MBBS, MS (Ophtho.)
Consultant Eye Surgeon
+91-9412565559
Stellaris 1.4 mics 1.4 mm pinhole cataract surgery
(Micro inclsion Cataract Surgery)
Designed to :
Improve contrast in vision3
Preserve depth of vision3
Reduce hazy vision3
Minimise the chances of PCO3
Key benefits
Smaller Cut1
Faster heading2
Enhanced safety2
Better results2

प्रत्येक रविवार : प्रातः 9-3 बजे दूधिया मंदिर के सामने, ज्ञान कॉलेज, पीलीभीत।
मो. 8868875655, 7417617676

Rajshree GROUP OF INSTITUTIONS LIVE • LEARN • LEAD
राजश्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस एण्ड हॉस्पिटल, बरेली
स्वर्णिम भविष्य की ओर आपका एक कदम राजश्री की ओर
Medical Campus
RIMT
16th KM NH-30, Pilibhit Road, Near Rithora Bareilly (U.P.)
Medical
21 KM Near Toll Plaza Rampur Road, Bareilly (U.P.)

राजेन्द्र अग्रवाल (चेयरमैन)
#RajshreeBareilly

आर्थोस्कोपी व स्पोट्स इंजरी स्पेशलिस्ट
वेंकटेश्वर हॉस्पिटल

ऑर्थोपैडिक ट्रॉमा एण्ड मल्टी स्पेशलिटी सेन्टर
डा. अजय कुमार श्रीवास्तव
MBBS, MS
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
A.O. Fellow of Orthopedic SICOT Member
घुटने का दर्द, सूजन, हड्डी का बढ़ना, पैर का टेढ़ा पड़ना, लुबाबा का कम होना का इलाज व ऑपरेशन, कूल्हे की हड्डी का बढ़ना व सूखना/टीबी, कूल्हे का दर्द का इलाज व ऑपरेशन
कूल्हे एवं घुटने के जोड़ प्रत्यारोपण के सर्जन
पुरानी गलत जुड़ी हड्डी का इलाज
HELPLINE : 6399341012
गुप्ता बारात घर कॉम्पलैक्स, बीसलपुर रोड, हरूनगला, बरेली

वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन, एक तीर्थयात्री की गई जान

जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के पुराने मार्ग पर सोमवार को हुए भूस्खलन में 70 वर्षीय तीर्थयात्री की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कटरा शहर में हुई तेज बारिश से भूस्खलन हुआ, जिसकी वजह से बुकिंग कार्यालय और उसके ऊपर बना लोहे का ढांचा ढह गया।

भूस्खलन के बाद यात्रा कई घंटों तक स्थगित रही। यह घटना सुबह साढ़े आठ बजे बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में हुई। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन वैश्य ने बताया कि सभी को अस्पताल ले जाया गया है। वैश्य ने कहा कि बचाव और मलबा हटाने का कार्य जारी है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर कहा, कटरा के सामान्य क्षेत्र में भूस्खलन के बाद, व्हाइट नाइट कोर के सैनिकों को प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए तुरंत तैनात किया गया।

पंजाब नैशनल बैंक

pnb Oriental United

भारत सरकार का उपक्रम

एआरएमबी बरेली
सी-18/बी, प्रथम तल, डी.डी. पुरम,
निकट गंगाशील हॉस्पिटल बरेली यू.पी.
Ph. 0581-2520446, email : cs8194@pnb.co.in

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु नीलामी सूचना

सिक्यूरिटाइजेशन एंड रीकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंसियल एसेट एवं इन्फोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 और सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के प्रावधान नियम 8 (6) के साथ पठित के अंतर्गत अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु नीलामी सूचना एतद्वारा आम जनता को सामान्य रूप से और ऋणियों से और जमानतदारों, गारंटर को विशेष रूप से जिन्होंने नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों को बंधक किया है, सुरक्षित लेनदार को चार्ज किया है बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक, भौतिक, प्रतीकात्मक कब्जे में लिया गया है, बैंक/सुरक्षित लेनदार के प्रति देयताओं की वसूली हेतु सम्बंधित ऋणियों की सम्पत्तियों की नीलामी "जहाँ है जैसा है""जैसा है जो है" और "जो कुछ भी वहां है" के आधार पर नीचे दी गयी तालिका में वर्णित तिथियों को की जाएगी, आरक्षित मूल्य और बयाना राशि का ब्यौरा नीचे दी गयी तालिका में सम्पत्तियों के सम्मुख अंकित की गयी है।

सुरक्षित सम्पत्तियों की अनुसूची

क्र. सं.	शाखा का नाम / खाते का नाम / ऋणीयों/गारंटर्स का नाम व पता	बंधक सम्पत्तियों का ब्यौरा/स्वामी का नाम (सम्पत्ति का बन्धकर्ता)	(A) SARFAESI एक्ट 2002 के सेक्शन 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना की तिथि (B) दिनांक...को बकाया धनराशि (C) SARFAESI एक्ट 2002 के सेक्सन 13(4) के अंतर्गत कब्जे की तिथि (D) कब्जे की प्रकृति रचनात्मक/भौतिक/सांकेतिक	(A) आरक्षित मूल्य (रू. लाख में) (B) अग्रधन राशि (अग्रधन राशि जमा करने की अंतम तिथि) (C) बोली बढ़त राशि (D) सम्पत्ति आईडी	(A) नीलामी की तारीख (B) ईएमडी की अंतिम तिथि (C) नीलामी का समय
01.	बीओ : पीलीभीत श्रीमती रहनुमा बी पत्नी श्री सिराज अहमद निवासी 89 मोह. मदीना शाह पीलीभीत	आवासीय संपत्ति के सामियक बन्धक, क्षेत्रफल 251.30 वर्ग मीटर श्रीमती रहनुमा बी पत्नी श्री सिराज अहमद के नाम मोह. देस नगर अंदर चुंगी तहसील व जिला पीलीभीत में स्थित है। बिक्रीविलेखानुसार बही संख्या 01, जिल्द संख्या 8526, पृष्ठ संख्या 21–58, क्रमांक 9500, दिनांक 26/10/2019 को सब रजिस्ट्रार पीलीभीत में पंजीकृत। **विलेख के अनुसार सीमाएं पूरब** – रास्ता 6.10 मीटर चौड़ा, **पश्चिम** – प्लॉट भुवनेश, **उत्तर** – प्लॉट विक्रेता, **दक्षिण** – प्लॉट विक्रेता।	A) 28.11.2022 **B) Rs.27,29,039.60/-** +01.11.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 10.02.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.19,41,570 B) Rs.1,94,157 C) Rs.20,000 **D) PUNBORBIL2501**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
02.		आवासीय संपत्ति के साम्यिक बन्धक क्षेत्रफल 109.48 वर्ग मीटर श्रीमती रहनुमा बी पत्नी श्री सिराज अहमद के नाम मोह. चंदोई तहसील एवं जिला पीलीभीत में स्थित है। बही संख्या 1, जिल्द संख्या 5165, पृष्ठ संख्या 375–396, क्रमांक 3150, दिनांक 16/04/2012 को सब रजिस्ट्रार पीलीभीत में पंजीकृत। **सीमाएं : पूरब** – रास्ता 15 फीट चौड़ा, **पश्चिम** – बेग सिद्दीक चौधरी, **उत्तर** – प्लॉट साबिर, **दक्षिण** – प्लॉट मोहम्मद शफी।		A) Rs.9,55,580 B) Rs.95,558 C) Rs.20,000 **D) PUNBORBIL2502**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
03.	बीओ : उसावां **कंचन लता पत्नी मुनेश्वर बाबू और श्री मुनेश्वर बाबू पुत्र श्री रामेश्वर दयाल**	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड (आवासीय भूखंड के साम्यिक बन्धक और उस पर निर्माण) जिसका क्षेत्रफल 139.57 वर्ग मीटर है, श्रीमती कंचन लता पत्नी मुनेश्वर बाबू के नाम खसरा संख्या 1079 का भाग, ग्राम उसावां परगना, उसहैत, तहसील दातागंज, जिला बदायूं में स्थित है। बिक्री विलेखानुसार बुक संख्या 1, वाल्युम 1805, पृष्ठ संख्या– 01 से 30, क्रम संख्या 1401, दिनांक 10.05.2007 को एसआरओ दातागंज कार्यालय जिला बदायूं में पंजीकृत। **सीमा इस प्रकार है : पूर्व** : खेत मुनेश्वर बाबू गुप्ता, **पश्चिम** : खेत शिवलाल, **उत्तर** : खेत मुनेश्वर बाबू गुप्ता, **दक्षिण** : रोड।	A) 07.03.2024 **B) Rs.26,92,973.17** +01.03.2024 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 21.06.2024 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.29,77,000 B) Rs.2,97,700 C) Rs.20,000 **D) PUNBONCKM3049**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
04.	पीएनबी, शाहजहांपुर **श्रीमती रानी सईद पत्नी मो. सईद खान, मो. सईद खान पुत्र मो. हनीफ खान** **जमानती** : दया राम पुत्र राम निवास और राजेंद्र कुमार पुत्र ओम प्रकाश	श्रीमती रानी सईद पत्नी मो. सईद खान के नाम से आवासीय भवन, मोह. तारीन जलालनगर, तहसील सदर और जिला शाहजहांपुर में स्थित है। यह सब रजिस्ट्रार, शाहजहांपुर के पास पंजीकृत है। इसका क्षेत्रफल 184.53 वर्ग मीटर है। पुस्तक संख्या 1, ज़िला 9678 के पृष्ठ 305 से 378 के अनुसार, क्रम संख्या 12390 दिनांक 16/09/2015 के अनुसार, **इसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं : पूरब** : मो. सज्जाद, रफ़ीक का मकान, **पश्चिम** : हाज़ी मो. हनीफ खान **उत्तर** : पक्की गली 12 फीट चौड़ी **दक्षिण** : हसमत का घर	A) 04.05.2018 **B) Rs.45,71,714.33** + 01.04.2018 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 10.07.2018 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.43,88,000 B) Rs.4,38,800 C) Rs.20,000 **D) PUNB18732002**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
05.	पीएनबी कच्चा कटरा, शाहजहाँपुर **मैसर्स तेजपाल अभिषेक कुमार प्रोपराइटर– श्री तेजपाल मिश्रा पुत्र श्री छविनाथ मिश्रा** **जमानती/बंधककर्ता–** श्री आशीष कुमार पांडे पुत्र श्री राम कृष्ण पांडे	आवासीय मकान के सामियक बन्धक क्षेत्रफल 176.05 वर्ग मीटर श्री आशीष कुमार पांडे के नाम मोहल्ला वकारजई परगना और तहसील सदर जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। 11/01/2012 को निष्पादित विक्रय विलेखानुसार बुक संख्या 1, वाल्युम संख्या 7325, पृष्ठ संख्या 275–340 और क्रम संख्या 317 के अनुसार, रजिस्ट्रार कार्यालय शाहजहाँपुर में पंजीकृत। **टाईटल डीड के अनुसार सीमाएं : पूरब**– नेहरू मोंटेसरी स्कूल, **पश्चिम**– मुंशी राम का मकान, **उत्तर**– गोविंद राम का मकान, **दक्षिण**– गली मोहल्ला और रास्ता मुश्तरका	A) 23.12.2022 **B) Rs.41,87,860** +30.12.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 14.03.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.36,75,000 B) Rs.3,67,500 C) Rs.20,000 **D) PUNBOTAKKK**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
06.	बीओ : बांडा **श्री सांई जी इंटरप्राइजेज श्रीमती रेनू गुप्ता पत्नी विजय गुप्ता** **जमानती/बंधककर्ता–** श्री विजय कुमार पुत्र सरजू प्रसाद	गैर कृषि भूमि के साम्यिक बंधक क्षेत्रफल 167.40 वर्ग मीटर श्रीमती रेनू गुप्ता के नाम पर गाटा संख्या 884 का भाग, ग्राम बंडा तहसील पुवायां जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। बुक सं. 1, वाल्युम सं. 6130 पृष्ठ : 165–200, क्र.सं. 4764, दिनांक 28.03.2014 **सीमाएं : पूरब में** : देवेश शुक्ला का प्लॉट, **पश्चिम में** : रास्ता कच्चा 18 फिट चौड़ा, **उत्तर में** : भैया लाल की भूमि, **दक्षिण में** : दलीप का प्लॉट	A) 14/11/2022 **B) Rs.41,16,677.38/-** + 01.11.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 21.02.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.11,71,000 B) Rs.1,17,100 C) Rs.20,000 D) PUNB162215225601	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
07.		आवासीय भूमि एवं भवन भाग के साम्यिक बंधक क्षेत्रफल 140.00 वर्ग मीटर श्री विजय कुमार गुप्ता के नाम पर गाटा संख्या के 1417 का भाग, ग्राम बंडा मौहल्ला गायत्री नगर कॉलोनी पोस्ट बंडा तहसील पुवायां जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। **सीमाएं : पूरब में** : श्री चंद्र भाल सिंह का मकान, **पश्चिम में** : श्री राजेंद्र प्रसाद एवं अन्य, **उत्तर में** : कच्ची गली, **दक्षिण में** : कच्ची गली		A) Rs.26,02,000 B) Rs.2,60,200 C) Rs.20,000 D) PUNB162215225602	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
08.	बीओ : पीएनबी शाहजहाँपुर **मैसर्स स्वास्तिक इंटरप्राइजेज प्रो0 संदीप कुमार सिंह पुत्र राकेश कुमार सिंह** **जमानती/बंधककर्ता : राकेश कुमार सिंह पुत्र नरेश पाल सिंह**	आवासीय संपत्ति क्षेत्रफल 165.55 वर्गमीटर राकेश कुमार सिंह पुत्र नरेश पाल सिंह के नाम ग्राम सारी खास परगना और तहसील सदर जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। बही नंबर 1, खंड –472 पृष्ठ संख्या 245–256 क्रम संख्या 509, दिनांक 05.02.1993 को सब रजिस्ट्रार सदर शाहजहाँपुर में पंजीकृत है। **सीमा इस प्रकार है : पूरब** – रास्ता मुश्तरका कच्चा, **पश्चिम** – अराजी बाये, **उत्तर** – खेत जगत नारायण, **दक्षिण** – अराजी बाये	A) 06/05/2023 **B) Rs.14,00,853/-** + 01.05.2023 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 09.08.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.35,29,000 B) Rs.3,52,900 C) Rs.20,000 D) PUNB01873871036	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
09.	पीएनबी, बीओः ओर्छी, बदायूँ (यूपी) **मैसर्स हेमन्त कुमार अनुराग कुमार प्रोपराइटर के कानूनी उत्तराधिकारी (हेमंत कुमार) : श्रीमती रेखा वार्ष्णेय पत्नी स्वर्गीय हेमंत कुमार** **प्रोपराइटर/जमानती/बंधकर्ता** : श्रीमती शशि बाला पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र कुमार **जमानती/बंधककर्ता** : 1.श्रीमान. सुलभ कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार, 2. श्री मिथलेश वार्ष्णेय पत्नी सुलभ कुमार	व्यवसायिक भूखंड और भवन के साम्यिक बन्धक क्षेत्रफल –185.39 वर्ग मीटर, शशि बाला पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र कुमार और श्रीमती मिथलेश कुमारी पत्नी सुलभ कुमार के नाम पर मोह रुस्तगियान, बड़ा महादेव, साहनी ऑप्टिकल्स के पास, कस्बा एवं तहसील चंदौसी जिला संभल यूपी में स्थित हे। बिक्री विलेख 11798, जिल्द संख्या 4923, पृष्ठ संख्या 289–302 दिनांकित 24.09.2012 **सीमाएं इस प्रकार है–पूरब** : विजय का मकान, **पश्चिम**– अरविंद कुमार शर्मा, **उत्तर**– सड़क, **दक्षिण**– पंडित जी का मकान।	A) 18.10.2022 **B) Rs.1,43,72,188.53** +01.10.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 28.12.2022 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.60,62,000 B) Rs.6,06,200 C) Rs.20,000 **D) PUNBOHKAKO2**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM

ई–नीलामी बिक्री के नियम और शर्तें :–
बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों और शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी :
1. संपत्तियों को "जैसा है जहां है के आधार पर" और "जैसा है जो है के आधार पर" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जा रहा है।
2. यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
3. बिक्री नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा वेबसाइट **https://baanknet.com** पर दिए गए ई–नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अलग–अलग तारीख पर की जाएगी जैसा कि अंतिम कॉलम में ऊपर बताया गया है।
4. बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** और **www.pnbindia.in** देखें।
5. किसी भी विवाद में ई–नीलामी प्रकाशन का अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।
6. संभावित खरीदार/इच्छुक पक्ष (आईपी/पीएंडएम के निरीक्षण के लिए या अन्य) अधिकृत अधिकारी से मो.नं. **9794963666** व **9897334808** पर संपर्क कर सकते हैं।
7.टीडीएस बैंक नीति के अनुसार लागू होगा।

दिनाक : 22.07.2025 | स्थान : बरेली | प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

न्यायिक कार्यवाही का न करें राजनीतिकरण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना की याचिका पर हुई शीर्ष सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना की याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को आगाह किया कि न्यायिक कार्यवाही का राजनीतिकरण न करें। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में न्यायालय के फैसले पर बनर्जी की टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि कृपया अपनी राजनीतिक लड़ाई इस अदालत के बाहर लड़ें।

पीठ ने आत्मदीप नामक धर्मार्थ न्यास की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में आरोप है कि मुख्यमंत्री ने कोर्ट के फैसले के बाद आपत्तिजनक बयान दिए जो न्यायपालिका को कमजोर करते हैं। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने पीठ से सुनवाई स्थगित करने का आग्रह करते हुए कहा कि कार्यवाही शुरू करने के लिए अटॉर्नी जनरल को अनुरोध भेजा गया था। गवई ने कहा, क्या आपको यकीन है कि आपको सहमति मिल जाएगी।

पीठ ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। यह याचिका इस साल अप्रैल में दिए उस फैसले से संबंधित है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2016 में प. बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा की गईं लगभग 25,000 नियुक्तियों को अमान्य करार दिया गया था। मुख्यमंत्री ने इस फैसले पर कथित तौर पर कुछ आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं थीं।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक कायम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि उसने फिल्म उदयपुर फाइल्स- कन्हैया लाल टेलर मर्डर में 6 दृश्यों को हटाने का सुझाव दिया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ से कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सुझाई बातों के अलावा कोई भी आगे की कार्रवाई अनुच्छेद 19 का उल्लंघन होगी। पीठ ने अगले आदेश तक रोक जारी रखी और सुनवाई 24 जुलाई के लिए निर्धारित की।

विक्रेताओं के विवरण पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्यों से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें यह घोषित करने की अपील की कि उपभोक्ताओं को वितरकों और विक्रेताओं के विवरण के अलावा उत्पादों के बारे में जानने का अधिकार है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए सुविचारित विकल्प चुनने तथा अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं और अनुचित शोषण से बचाने के लिए जानने का अधिकार महत्वपूर्ण है।

स्कूल की छत पर गिरा पत्थर, एक छात्र की मौत, 5 घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रातभर हुई भारी बारिश से हुए भूस्खलन की चपेट में सरकारी स्कूल आ गया। इस घटना में एक छात्र की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट कर छात्र की मौत पर शोक प्रकट किया। अधिकारियों ने बताया कि बैंछ-कलसां इलाके के प्राथमिक विद्यालय की टिन की छत पर बड़ा पत्थर आ गिरा, जिससे कई छात्र घायल हो गए। एक छात्र एहसान अली (5) की मौत हो गई।

संसद कार्यवाही में रशीद के हिस्सा पर फैसला टाला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने संसद के मानसून सत्र में भाग लेने के लिए लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद की याचिका पर अपना फैसला 22 जुलाई तक स्थगित कर दिया। संसद का मानसून सोमवार से शुरू हुआ है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने सोमवार को बारामूला के सांसद की याचिका पर फैसला स्थगित कर दिया। रशीद ने सांसद के रूप में अपना कर्तव्य निभाने के लिए अंतरिम जमानत या अभिरक्षा पैरोल पर रिहा करने की मांग की थी। अदालत ने 15 जुलाई को याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभिरक्षा पैरोल के तहत कैदी को सशस्त्र पुलिसकर्मियों द्वारा जेल से बाहर ले जाया जाता है। रशीद के वकील विख्यात ओबेरॉय ने दलील दी थी कि उनके मुवक्किल को अंतरिम जमानत देकर संसद सत्र में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI
कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING
24 घण्टे आई.सी.यू./इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ADITYA
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

आवश्यकता है
• नर्स (Male/Female) (ANM/GNM) • OT टेक्निशियन
• आयुर्वेदिक परिचारिका • कम्प्यूटर ऑपरेटर
• वार्ड ब्यॉय • स्टोर इंचार्ज • कैंटीन कुक
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मोः +91-8077808309, 9837357497

अधिवक्ता हित सर्वोपरि — अधिवक्ता एकता जिन्दाबाद
बरेली बार एसोसिएशन के आगामी चुनाव में
सचिव पद हेतु
आपके अमूल्य मत व समर्थन के आकांक्षी
क्र.सं. 5

गौरव सिंह राठौर
एडवोकेट
मो. 9927216676
निवेदक–समस्त अधिवक्तागण
मतदान दि. 22.07.2025
कार्यालय – चैम्बर नं. 10 श्रीमती ऊषा अग्रवाल, स्मृति चैम्बर्स कोर्ट, बरेली

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी Bachelor of Computer Science, Roll No. 9181380029 EN Roll No-17002777 Degree Sr. No. 14006 वर्ष 2020 की डिग्री वास्तव में कहीं खो गई है। **जाहिद खान पुत्र श्री मुन्तेयाज खान निवासी बकर नगर सुनरासी सीबी गंज, बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र राजवीर एवं उसकी पत्नी शारदा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **लक्ष्मी पत्नी श्री राजू निवासी पीपल के पेड़ के पास ग्राम करगैना करेली जिला बरेली**

सूचना
मैंने अपना नाम MAHENDER PAL SINGH S/o BHUPENDRA PAL SINGH से बदलकर MAHENDRA PAL SINGH कर दिया है। भविष्य में मुझे MAHENDRA PAL SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाए।
MAHENDRA PAL SINGH
S/o BHUPENDRA PAL SINGH
R/o MOH- SHRIRAM NAGAR COLONY FACE- 3 DISTIC BUDAUN

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अर्पित एवं उसकी पत्नी सलोनी सक्सेना को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **महेश कुमार पुत्र शंकर लाल निवासी कायस्थान जायसवाल कॉलोनी पूरनपुर परगना व तहसील पूरनपुर जिला पीलीभीत**

सूचना
मैंने अपना नाम RAVINDER KAUR W/o MAHENDER PAL SINGH से बदलकर RAVINDAR KAUR W/o MAHENDRA PAL SINGH रख लिया है। भविष्य में मुझे RAVINDAR KAUR के नाम से जाना व पहचाना जाए।
RAVINDAR KAUR W/o
MAHENDRA PAL SINGH
MOH- SHRIRAM NAGAR COLONY,
FACE 3 DIST : BADAUN

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम जीविका सक्सेना पुत्री श्री विकास आनन्द सक्सेना है जो शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं. 654460951198 में उसका नाम यशी सक्सेना अंकित हो गया है जो कि गलत है, भविष्य में पुत्री को उसके सही नाम जीविका सक्सेना पुत्री श्री विकास आनन्द सक्सेना के नाम से जाना व पहचाना जाये।
एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विभिन्न औपचारिकतायें समस्त मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।
प्रार्थी– पूजा सक्सेना श्री विकास आनन्द सक्सेना पता:– C/o विकास आनन्द सक्सेना 287 बाग गुलेशर खां निकट दुर्गा मन्दिर, पीलीभीत

आवश्यकता है
अस्थाई रूप से चेतना सेवा संस्थान टी. आई. बरेली में
आउट रीच वर्कर- 1 पद
योग्यता:- स्नातक (Only male candidate)
मानदेय -10500/-
प्रतिमाह यात्रा भत्ता-1500/-
कम से कम 1 वर्ष का अनुभव
प्रत्यक्ष रूप या डाक से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27-07-2025 शाम 5 बजे तक
E-mail: bareilly.chetna@gmail.com
पता:- चेतना सेवा संस्थान कृष्णा नगर कालोनी फेस-2 नजदीक आला हजरत अस्पताल बरेली 243006
संपर्क करें:- 8799261418, 7018236674

आम सूचना
एक किता मकान पुख्ता नं0 011 रकवा 207.82 वर्ग गज यानि 173.76 वर्ग मीटर वाकै कटरा चाँद खाँ सिन्धु नगर, बरेली में स्थित है जोकि प्रार्थिनी ने जरिये बैनामा 16.04.2003 को अशोक कुमार पुत्र मन्नूमल निवासी 103, राजेन्द्र नगर तहसील व जिला बरेली से बजरिये बैनामा क्रय किया था जोकि पुस्तक सं. 1 खण्ड 436 के पृष्ठ 197-228 क्रम सं0 2725 पर दि. 16.04. 2003 जो सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में रजिस्टर्ड है । सम्बन्धित सम्पत्ति का बैनामा (1) बैनामा दिनांक 23.03.1985 को अशोक कुमार पुत्र मन्नूमल निवासी 103, राजेन्द्र नगर तहसील व जिला बरेली ने बजरिये बैनामा सिन्धी सहकारी आवास समिति, बरेली से क्रय किया था जो जिल्द सं0 2416 के पृष्ठ 164 बुक 1 जिल्द 2425 के पृष्ठ 729-742 में नं0 2658 दि. 23.03.1985 रजिस्टर्ड है जो खो गया है । अतः सूचना देनी है कि प्रार्थिनी का उपरोक्त मूल दस्तावेज जोकि फोटोस्टेट कराने को ले जाते हुए श्यामगंज सब्जी मण्डी के आसपास गिर गये काफी तलाशने पर भी नही मिला। **श्रीमती कविता दातवानी पत्नी शीतलदास वातवानी द्वारा अमित कुमार पुत्र स्व. घनश्यामदास नि. 7, सिन्धु नगर, कटरा चाँद खाँ, बरेली।**

नेशनल ब्रीफ

छेड़छाड़: प्रधानाध्यापक समेत दो हिरासत में

बालासोर । ओडिशा के बालासोर जिले में सरकारी हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक समेत दो शिक्षकों को नौवीं कक्षा की छात्रा के यौन उत्पीड़न में हिरासत में लिया गया है। छात्रा के परिवार द्वारा शनिवार को शिकायत देने के बाद रविवार की मध्य रात्रि को रायबनिया थाने की पुलिस ने आरोपियों को उनके घर से पकड़ लिया। शिकायत अनुसार चारमार गांव स्थित स्कूल के गणित शिक्षक ने कई बार छात्रा से छेड़छाड़ की और घटना की जानकारी प्रधानाध्यापक को देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन का निधन

तिरुवनंतपुरम । भारत के सबसे सम्मानित कम्युनिस्ट नेताओं में से एक और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस. अच्युतानंदन का सोमवार को 101 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। माकपा के प्रदेश सचिव एमवी. गोविंदन ने यहां बताया कि लगभग एक महीने पहले हृदयाघात के बाद यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए वरिष्ठ नेता का आज निधन हो गया। अच्युतानंदन ने 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। वह सात बार विधायक चुने गए, जिनमें से तीन बार वह नेता प्रतिपक्ष रहे।

गुरुद्वारा नानक झिरा साहब में बम की धमकी

बीदर । कर्नाटक में बीदर स्थित गुरुद्वारा नानक झिरा साहिब में पिछले 48 घंटों के भीतर दो अलग-अलग बम की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद फैली दहशत के बीच सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के निदेशक पुनीत सिंह ने सिख तीर्थस्थल को पहली बार इस तरह की धमकियां मिलने की पुष्टि की है। कहा कि हमें 18 जुलाई क्ढ़ै धमकी भरा मेल मिला और आज यह दूसरा है।

मुख्यमंत्री स्टालिन अस्पताल में भर्ती

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन को सोमवार सुबह की सैर के दौरान चक्कर आने बाद अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. अनिल बीजी ने कहा कि स्टालिन को सुबह की सैर के दौरान चक्कर आया। जिसके बाद उन्हें अपोलो में भर्ती किया गया ।

संसद सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से बात करते प्रधानमंत्री मोदी। बहन प्रियंका के साथ सदन में जाते कांग्रेस नेता राहुल गांधी। सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और हिबी ईडन सदन में जाते हुए।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को सरकार तैयार

अगले सप्ताह 16 घंटे की चर्चा के लिए दी सहमति, कांग्रेस ने कहा- तत्काल हो चर्चा

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सरकार ने कहा कि वह पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए समन्वित सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार है। लोकसभा में सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर 16 घंटे की चर्चा के लिए सहमति दे दी। यह चर्चा अगले सप्ताह होने की संभावना है। हालांकि विपक्ष ने जोर दिया कि यह चर्चा इस सप्ताह ही शुरू होनी चाहिए और इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सरकार के प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस सप्ताह विदेश दौरे पर जा रहे हैं, इसलिए यदि वह चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहें, तो बहस अगले सप्ताह ही संभव होगी। विपक्षी सदस्यों ने इस पर विरोध जताया कि सरकार के इस सप्ताह के एजेंडे में इस मुद्दे पर बहस का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की कि गृह मंत्री और रक्षा मंत्री को भी चर्चा के दौरान सदन में उपस्थित रहना चाहिए। कुछ विपक्षी नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मणिपुर की स्थिति पर भी बहस कराने की मांग की। गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हुआ है और 21 अगस्त तक इसकी 21 बैठकें होनी हैं। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर चर्चा की मांग पर सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है।

नई दिल्ली : संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, शिवराज सिंह चौहान और अन्य। दाएं : सांसद कंगना रनौत।

भारत-पाकिस्तान युद्धविराम पर ट्रंप के दावे अपमानजनक: खरगे

नई दिल्ली । राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को देश के लिए अपमानजनक बताया, जिसमें उन्होंने कहा है कि मई में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम उन्होंने कराया था। खरगे ने इस पर सरकार से स्पष्ट बयान की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान खरगे ने यह मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी से जवाब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी परिस्थितियों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री की ओर से स्पष्टीकरण मांगा है।

सावरकर, सहजानंद और मानेक शॉ को भारत रत्न देने की मांग

नई दिल्ली । राज्यसभा में सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन एक भाजपा सदस्य ने प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर, विख्यात समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती और फील्ड मार्शल मानेक शॉ को भारत रत्न देने की मांग की। भारतीय जनता पार्टी के भीम सिंह ने विशेष उल्लेख के जरिये यह मांग उठायी। उन्होंने कहा कि इन तीनों विभूतियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में राष्ट्र को एक नयी दिशा दी और गौरव दिलवाया। उन्होंने कहा, वीर सावरकर वो विभूति हैं जिन्हें दो आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी थी।

पोत परिवहन क्षेत्र से संबंधित वहन-पत्र विधेयक को मंजूरी

नई दिल्ली । राज्यसभा ने पोत परिवहन क्षेत्र से संबंधित वहन-पत्र विधेयक 2025 को पारित कर दिया, जिसमें अंग्रेजों के जमाने के मूल कानून के स्थान पर नया कानून बनाए जाने का प्रावधान है। सदन में चर्चा का जवाब देते हुए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में इस मंत्रालय ने पिछले 10-11 साल में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और देश के प्रमुख पत्तनों को रेल एवं सड़क मार्गों से सुचारू रूप से जोड़ा गया है। सोनोवाल ने कहा कि इस मंत्रालय की कामयाबी न सिर्फ भारतीय एजेंसी बल्कि विदेशी और निष्पक्ष एजेंसियों के आंकड़ों से भी स्पष्ट है।

आप सदस्य संजीव अरोड़ा ने रास से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को उच्च सदन को सूचित किया कि आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है जिसे स्वीकार कर लिया गया है। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन, सोमवार को सभापति ने सदन को अरोड़ा के इस्तीफे के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आप सदस्य अरोड़ा ने एक जुलाई को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बताया कि एक जुलाई से ही उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है।

सदन में बोलने का अधिकार पर अनुमति नहीं मिलती: राहुल

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सदन में बोलने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी जाती है, जबकि सत्तापक्ष के लोगों को मौके मिलते हैं। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के पहले दिन वह सदन में दो शब्द बोलना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिली, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा सत्तापक्ष के दूसरे लोगों को बोलने का मौका दिया गया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित होने के बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्ष के लोगों को बोलने की अनुमति नहीं मिलती है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर झूठी कहानी बना रहा विपक्ष : भाजपा

नई दिल्ली । भाजपा ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश में झूठ फैला रहे हैं। लोकसभा में पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

अमृत विचार

मंगलवार, 22 जुलाई 2025

"कभी मत सोचिए कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है, ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है।"

अमेरिका का साथ

पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को अमेरिका ने आखिरकार वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। अमेरिका के निर्णय से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूती मिलनी चाहिए। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे समय पर उठाया गया अहम कदम कहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत करने के लिए अमेरिका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को सबूत के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। टीआरएफ ऐसा संगठन रहा है, जिसके आतंकियों ने 5 अगस्त, 2019, संसद में अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने वाले दिन, के बाद जम्मू-कश्मीर में करीब 95 फीसदी लक्षित हत्याएं की हैं। शुरू में समझा गया था कि यह सोशल मीडिया पर सक्रिय कोई संगठन है, लेकिन सेना-सुरक्षा बलों ने जिन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर किया अथवा पूछताछ के दौरान जो खुलासे सामने आए, उनसे साबित होता गया कि यह लश्कर का मुखौटा संगठन है। टीआरएफ पर पाबंदी लगने से अब कोई उसे वित्तीय मदद या अनुदान नहीं दे सकेगा। उसका कोई भी सदस्य अमेरिका में नहीं घुस पाएगा। उन्हें अमेरिका का वीजा नहीं दिया जाएगा, बल्कि उनके जिन देशों के पासपोर्ट हैं, उन्हें रद्द करने का आग्रह किया जाएगा।

अब भारत इसे संयुक्त राष्ट्र से भी 'आतंकी संगठन' घोषित कराने के प्रयास करेगा। कहा जा सकता है कि भारत की कवायद इस संगठन के खिलाफ अमेरिका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमेरिका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है लेकिन कई देशों ने आतंकवाद पर दोहरी नीति अपना रखी है। इनमें अमेरिका भी शामिल है। एक तरफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। अमेरिका उसे आइएमएफ से कर्ज भी दिलवाता है और हथियार भी बेचता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया हैरान करने वाला है। उसने अब तक टीआरएफ को प्रतिबंधित संगठन घोषित नहीं किया है। हद यह कि पहलगाम हमले के बाद यूएनएससी ने जो बयान जारी किया था, उसमें टीआरएफ का नाम तक नहीं था। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी। हालांकि यह एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पहलगाम हमले के बाद से ट्रंप प्रशासन की अन्य कार्रवाइयों को परिप्रेक्ष्य में रखना आवश्यक है। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद, अमेरिका ने कई मौकों पर चार दिवसीय संघर्ष पर भारत के कथन का खंडन किया है। ट्रंप का अभूतपूर्व व्हाइट हाउस लंच और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की प्रशंसा, सरकार द्वारा यह कहने के कुछ घंटों बाद हुई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप के साथ स्थिति स्पष्ट कर दी है और यह सवाल उठाता है कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए अमेरिका पाकिस्तान पर कितना दबाव डालने को तैयार है। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर सिर उठाने का मौका न मिले। बहरहाल अमेरिका ने साबित कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के साथ खड़ा है और उसका सहयोगी है।

प्रसंगवश

राष्ट्रीय ध्वज दिवस के रंगों में समाया स्वाभिमान

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास और महत्व अत्यंत गौरवशाली है। यह मात्र एक कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं, अरमानों, बलिदानों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। स्वतंत्र भारत के इस गौरवशाली चिह्न की यात्रा सैंकड़ों वर्षों के संघर्ष, विचार-मंथन और राष्ट्र निर्माण के दौर से जुड़ी है। हमारे तिरंगे की अहमियत हर भारतीय के दिल में समाई है क्योंकि यह न केवल देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता का चिन्ह है बल्कि आज़ादी के लिए चले महासंग्राम और समावेशी संस्कृति की अमिट छाप भी है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, जिसे हम 'तिरंगा' के नाम से जानते हैं, उसे संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई 1947 को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

अपनाया गया था। इसी दिन की स्मृति में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है, जिससे आज के युवाओं को हमारे ध्वज की गौरवगाथा और उसके पीछे छिपी अपूर्व राष्ट्रभक्ति की भावना की जानकारी मिल सके।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रंग, इसकी संरचना और उसके बीच स्थित चक्र, तीनों ही अपने आप में गहन दार्शनिक एवं ऐतिहासिक संदेश रखते हैं। तिरंगे में सबसे ऊपर केसरिया रंग देश के साहस, त्याग और बलिदान की भावना का प्रतीक है, मध्य में श्वेत रंग शांति, सत्य और निर्मलता का द्योतक है जबकि सबसे नीचे हरा रंग समृद्धि, विकास, उर्वरता और आशावाद का संदेश देता है। तिरंगे के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का 24 आरी वाला अशोक चक्र धर्म और सत्य के पथ को दर्शाता है। यह चक्र सम्राट अशोक के 'सारनाथ' के शिलालेख से लिया गया है, जो प्रगति, गति और सतत बदलाव का भी प्रतीक बन गया है। इस चक्र की 24 तीलियां देश के 24 घंटे सतत क्रियाशील और जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं।

तिरंगे के स्वरूप की अंतिम रूपरेखा टी. पिंगली वेंकैय्या नामक महान स्वतंत्रता सेनानी एवं वस्त्र वैज्ञानिक ने तैयार की थी, जो गांधीजी के मार्गदर्शन में एक ऐसा ध्वज चाहते थे, जो संपूर्ण भारत की बहुलवादी संस्कृति, स्वतंत्रता आंदोलन की भावना और आधुनिक भारत के नए मूल्यों को एक साथ समेट सके। पिंगली वेंकैय्या ने न केवल सैद्धांतिक रूप से बल्कि अधुनातन रंगों के साथ तिरंगे का सर्वसमावेशी स्वरूप प्रस्तावित किया था, जिसे संविधान सभा ने स्वीकार किया। आज भी पिंगली वेंकैय्या का नाम भारतीय ध्वज के जनक के तौर पर इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। तिरंगे के महत्व को समर्पित 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' का आयोजन हमें यह याद दिलाने के लिए है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज केवल झंडारोहण या सरकारी आयोजनों तक सीमित नहीं बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता, कर्त्तव्यनिष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और साझा भारतीयता के उच्च आदर्शों का जीवंत परिचायक है। आरंभिक आंदोलनकारियों के बलिदानों की विरासत, महान संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि और समावेशी राष्ट्रवाद के मूल्यों का शीर्ष प्रतीक है तिरंगा। देश की सीमाओं से बाहर सैन्य अभियान, विश्व मंचों पर भारत की भूमिका या देश की संप्रभुता से संबंधित हर अवसर पर तिरंगा विश्वास और गर्व का स्तंभ बनकर लहराता है। 'सत्यमेव जयते' अर्थात सत्य की ही विजय होती है, यह संदेश भारतीय तिरंगे की आत्मा में बसा है, जो हर भारतवासी के जीवन का आदर्श होना चाहिए।

फंडिंग और बाहरी एजेंडे से प्रेरित होता है धर्मांतरण

सुनील कुमार महला

स्तंभकार

आज जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व का सबसे बड़ा देश है और हमारे भारतीय संविधान में, भारत को एक 'पंथनिरपेक्ष' राज्य घोषित किया गया है, जिसका अर्थ है कि राज्य का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है, और यहां सभी नागरिकों को अपने-अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है, लेकिन पिछले कुछ समय से मीडिया की सुर्खियों में देश में धर्मांतरण संबंधी बातें लगातार सामने आ रहीं हैं, इसे किसी भी हाल और परिस्थितियों में ठीक व जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है। साथ ही बताता चलूं कि धर्मांतरण (धर्म परिवर्तन) का मतलब है किसी व्यक्ति का एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन करना या किसी व्यक्ति का धार्मिक विश्वास बदलना। दूसरे शब्दों में कहना ग़लत नहीं होगा कि कोई व्यक्ति विश्वास व मूल्यों में परिवर्तन के कारण भी अपना धर्म बदल सकता है।

धार्मिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार भी धर्म परिवर्तन का कारण बन सकता है। वास्तव में, यह एक व्यक्ति द्वारा स्वेच्छा से या किसी दबाव में किया जा सकता है। मसलन, धर्मांतरण के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि धार्मिक विश्वासों में बदलाव, विवाह, धर्म परिवर्तन के लिए लालच (आर्थिक लालच), या सामाजिक प्रभाव। कुछ लोग किसी विशेष धर्म के प्रति आकर्षण या आध्यात्मिक अनुभव के कारण धर्मांतरण कर सकते हैं। धर्मांतरण के कारण कभी-कभी व्यक्ति को सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ सकता है। बहरहाल कुछ राज्यों में, जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। इन कानूनों का उल्लंघन करने पर सजा का प्रावधान भी किया है, लेकिन बावजूद इसके भी हमारे देश में रह-रहकर धर्मांतरण की खबरें मीडिया की सुर्खियों में आतीं रहतीं हैं। वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि धर्मांतरण के मामलों पर हमारे समाज, हमें स्वयं, हमारे प्रशासन व सरकार को निरंतर सजग व सर्तक रहने की आवश्यकता है, क्यों कि इसके हमारे सामाजिक संरचना, ताने-बाने पर व्यापक असर पड़ते हैं।

> धार्मिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार भी धर्म परिवर्तन का कारण बन सकता है। वास्तव में, यह एक व्यक्ति द्वारा स्वेच्छा से या किसी दबाव में किया जा सकता है। मसलन, धर्मांतरण के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि धार्मिक विश्वासों में बदलाव, विवाह, धर्म परिवर्तन के लिए लालच (आर्थिक लालच), या सामाजिक प्रभाव।

आज देश में अवैध धर्मांतरण कराने के लिए अनेक कट्टरपंथी नेटवर्क काम कर रहे हैं। वास्तव में ये नेटवर्क केवल धर्मांतरण तक ही सीमित नहीं हैं। धर्मांतरण के जरिये ये नेटवर्क हमारे युवाओं (हमारी युवा पीढ़ी) को कट्टरपंथ के लिए उकसाने और उन्हें देशविरोधी एजेंडे से जोड़ने का काम कर रहे हैं, जो हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बहुत बड़ा खतरा है। पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ ज़ोन की टीम ने बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई में छांगुर और उसके करीबी नवीन रोहरा सहित अन्य से जुड़े 15 ठिकानों पर छापा मारा। दरअसल, यह जांच उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी, जिसमें अवैध धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग और देश की सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोप लगाए गए थे। जांच में सामने आया है कि छांगुर बाबा बलरामपुर स्थित चांद औलिया दरगाह से पूरे नेटवर्क का संचालन करता था। आरोप है कि वह अनुसूचित जाति (एससी) और आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू वर्ग के लोगों को डराकर और बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराता था। उत्तर प्रदेश पुलिस का यह प्रयास काबिले-तारीफ है कि उसने धर्मांतरण के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ कर देश में सुनियोजित ढंग से चल रहे धर्म परिवर्तन को समाज और देश के सामने उजागर किया है। धर्मांतरण का आईएसआईएस से कनेक्शन भी बताया जा रहा है। सामने आया है कि छह राज्यों में धर्मांतरण का नेटवर्क फैला हुआ है तथा इस संदर्भ में विदेशी फंडिंग का खुलासा भी हुआ है, जो अपने आप में बहुत बड़ी बात है। देश में धर्मांतरण के गैंगों का सक्रिय होना कोई छोटी बात नहीं है। इन गैंगों के अलग-अलग मॉड्यूल काम कर रहे हैं, मसलन कोई फंडिंग जुटाने का तो कोई लोगों को रैडिकलाइज करने का तो कोई उन्हें छिपाने की व्यवस्था कर रहें हैं, यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है। यहां तक कि इन कट्टरपंथी गैंगों के कनेक्शन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी जुड़े पाए गए हैं। यह बहुत गंभीर है कि विभिन्न सिंडिकेट से अमेरिका, कनाडा और दुबई से फंडिंग मिलने के सबूत तक मिले हैं। एक प्रारंभिक जांच में यहां तक पता चला है कि इन कट्टरपंथी नेटवर्क का संपर्क लश्कर-ए-तइबा से भी है। धर्मांतरण के जो मामले सामने आए हैं, वह अच्छी बात है, प्रशासन, पुलिस, अधिकारी व सरकार लगातार इन कट्टरपंथी नेटवर्क की धरपकड़ में लगे हुए हैं, कुछ को गिरफ्तार भी किया गया है और छानबीन, जांच-पड़ताल लगातार की जा रही है, लेकिन इस बात की आशंका को कतई नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है कि न जाने कितने छांगुर और धर्मांतरण के अवैध नेटवर्क अब भी हमारे देश में चल रहे होंगे। हाल फिलहाल, इसमें कोई दोराय या संदेह नहीं है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्मांतरण गैंग के लिए तगड़ा आपरेशन करते हुए तगड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है, लेकिन यहां यक्ष प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी लापरवाही, मिलीभगत से ऐसे धर्मांतरण नेटवर्किंग को पनपने का मौका मिल सका? क्या ऐसे अधिकारियों और प्रशासकों पर कठोर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए? वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए निरंतर सतर्क और समन्वित, यथेष्ठ और ईमानदार प्रयास किए जाएं। समाज को शिक्षित व जागरूक करना तो आवश्यक है ही। हम सभी को देश व समाज में धार्मिक व सामाजिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने की दिशा में एकजुट होकर काम करना होगा।

आमने सामने

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, "सदन की मर्यादा का उल्लंघन किया जा रहा है, हर सत्र बाधित होता है। प्रत्येक मुद्दे के लिए समय आवंटित किया गया है, लेकिन विपक्ष नहीं चाहता कि कार्यवाही हो..."

कांग्रेस सांसद जेबी माथेर का कहना है, "जब हमारा देश एक खतरनाक दौर से गुज़र रहा था, उस समय भारत गठबंधन ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन अभी तक कई सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। ऐसे कई मुद्दे हैं जिनका जवाब सरकार को देना चाहिए।

संसद में हंगामा, समय और संसाधनों की बर्बादी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

लखनऊ

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा-पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रंप 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा-हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

> वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान-सम्मान पर बेजा टीका-टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष-विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिए करता है। इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। बजट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है।

मंथन

शादी और तलाक़

अमरजीत सिंह

लखनऊ

शादी और तलाक़ प्राणी जगत में सिर्फ मानव प्रजाति में ही पाये जाते हैं। सबसे मज़ेदार बात यह है कि हम संबंधों की गहन रिसर्च के बावजूद आज तक शादी और तलाक़ के सही और सर्वमान्य कारण नहीं खोज सकें हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि तलाक़ का मुख्य कारण शादी तो है ही। पति-पत्नी में झगड़े मनमुटाव पहले भी होते थे लेकिन वह संबंध विच्छेद या तलाक़ की शक्ल अख़्तियार नहीं करते थे। जैसे-तैसे एक साथ रहते रहते, जिम्मेदारियां निभाते निभाते विवाह को चलाते रहते थे। लेकिन आजकल पति-पत्नी शादी के तुरंत बाद और बीस-पच्चीस वर्षों तक साथ रहने के बाद भी तलाक़ ले रहें हैं। शायद इसकी वजह एक-दूसरे पर आर्थिक निर्भरता कम हो रही है और आज "दुनिया क्या कहेगी" का भाव विदा हो रहा है। ख़ैर वजह कोई भी हो तलाक़ के मामले कोर्ट-कचहरियों में लगातार बढ़ रहें हैं। आधुनिक समय में शादी-विवाह की जगह "लिविंग इन" रिलेशनशिप ले रही है। तलाक़ की जगह ब्रेकअप ले रहें हैं। भारत में लिविंग इन रिलेशनशिप और डिवोर्स विदेशों से आयातित वस्तु है। लेकिन आज की यह सच्चाई बन चुकी है।

पीछे अभी तलाक़ शुदा जोड़ों के विषय में पढ़ रहा था। उसमें कहा गया कि यदि कोई तलाक़ शुदा कपल डिवोर्स के दस-बारह वर्ष बाद एक दूसरे से मिलें तो वह पाएंगे कि जिन वजहों से उनका तलाक़ हुआ था अब वह कारण ही समाप्त हो चुकें हैं। उनके बीच की कड़वाहट शायद अब नहीं है। अब वह अगर चाहें तो दोबारा एक साथ रहने की शुरुआत कर सकते हैं।

हो सकता है इसमें कोई सच्चाई हो लेकिन देखा गया है कोई भी रिश्ता जहां दस-बारह वर्ष का अंतराल आ गया हो, एकदम से सब भूल पाना अगर असंभव नहीं है तो भी बहुत मुश्किल तो है ही। एक बार रिश्तों की डोर में टूटन हो जाए और उनमें गांठ पड़ जाए तो उसे पहले जैसा हो जाना बहुत मुश्किल है। इसलिए कोशिश यह होनी चाहिए बात इस हद तक ना बढ़ने दी जाए का टूटन हो जाए। अगर टूटन हो भी जाए तो उसे जल्द ही दोबारा जोड़ने की कोशिश कर लेनी चाहिए। अगर मानसिक और शारीरिक फासले लंबे समय तक बरकरार रहें तो दूरियां स्थाई हो जाती हैं।

जिन स्त्री-पुरुषों के बीच तलाक़ हो जाता है वह समाजिक रूप से किसी से दोबारा स्थाई संबंध स्थापित नहीं कर पाते। कोई न कोई अड़चन आती ही रहती है। इसके लिए यही बक़ौल शायर, "ग़र तड़पना पड़े याद में उम्र भर, रोक लो रूठ कर उनको जाने ना दो। बाद में प्यार के चाहे भेजो हज़ारों पैग़ाम, वो फिर नहीं आते।"

सोशल फोरम

डिजिटल भीड़ की सनक

जब किसी शिक्षक की कोई नकारात्मक खबर बाहर आती है, तो जैसे पूरा समाज ही एक निजी अदालत बन जाता है। दोष एक व्यक्ति का होता है, लेकिन कलंक पूरे शिक्षकों पर मढ़ दिया जाता है। यह कोई न्यायिक प्रक्रिया नहीं होती, बल्कि सामाजिक और डिजिटल भीड़ की वह सनक होती है जो सोशल मीडिया पर लाइक्स, कमेंट्स और तीखी प्रतिक्रियाओं के सहारे नैतिकता का तमाशा रचाती है। इसमें सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि अब शिक्षकों के भीतर से ही ऐसे चेहरे उभर रहे हैं जो अपनी सार्वजनिक छवि को चमकाने के लिए अपने ही साथियों की सामाजिक निंदा में मुखर हो जाते हैं।

प्रवीण त्रिवेदी

फतेहपुर

आजकल कई शिक्षक साथी सोशल मीडिया पर ऐसी नकारात्मक खबरों पर इतनी तत्परता से प्रतिक्रिया देते हैं, मानो वे किसी आदर्श मंडली के निर्वाचित प्रतिनिधि हों। उनका लहजा कुछ ऐसा होता है कि "देखो, हम उनसे अलग हैं... हम तो पूरी तरह से सच्चे, कर्मठ और जिम्मेदार हैं।" यह नैतिकता नहीं, एक किस्म का छद्म-प्रदर्शन है-जिसके पीछे की मंशा अपने मूल शिक्षकीय उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि अपने को अधिकारियों और समाज की नजर में 'आदर्श शिक्षक' के रूप में प्रमोट करना होता है।

> समय की मांग यही है कि शिक्षक अपना फोकस सोशल मीडिया पर नैतिकता का अभिनय करने से हटाकर अपने मूल कार्य-पढ़ाने, सोचने और समाज को दिशा देने-पर लगाए। गलत को गलत कहें, लेकिन उसकी सार्वजनिक निंदा में शामिल होकर शिक्षा के मंच को तमाशे का मैदान न बनाएं।

लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी भी शिक्षक के गुण-दोष का मूल्यांकन सोशल मीडिया पर भीड़ के शोर से होना चाहिए? क्या हम यह भूल गए हैं कि शिक्षकों की आचार-संहिता, अनुशासन और जवाबदेही तय करने के लिए पूरे विभागीय नियम और संस्थागत प्रक्रियाएं मौजूद हैं? जब कोई ग़लती होती है, तो जांच, स्पष्टीकरण, रिपोर्ट, अनुशासनात्मक प्रक्रिया-सबका एक सुव्यवस्थित ढांचा है। अगर हम शिक्षक होने के बावजूद उस ढांचे को नकारकर सोशल मीडिया की सार्वजनिक दीवारों पर साथी शिक्षक को टांगे रखने लगेंगे, तो शिक्षा व्यवस्था की नैतिकता खुद हमसे सवाल करेगी।

जो शिक्षक दूसरों की गलतियों को अपनी छवि निर्माण की सीढ़ी बना रहे हैं, वे असल में उस सामूहिक गरिमा को क्षीण कर रहे हैं, जिसके बल पर शिक्षक समाज खड़ा रहता है। आज जिस पर पत्थर फेंक रहे हो, कल उसी छाया में तुम्हें खड़ा होना पड़ सकता है। इसलिए न्याय का अधिकार विभागीय प्रणाली को देना चाहिए, न कि अपने हाथ में लेकर डिजिटल भीड़ का हिस्सा बन जाना चाहिए।

समय की मांग यही है कि शिक्षक अपना फोकस सोशल मीडिया पर नैतिकता का अभिनय करने से हटाकर अपने मूल कार्य-पढ़ाने, सोचने और समाज को दिशा देने-पर लगाए। गलत को गलत कहें, लेकिन उसकी सार्वजनिक निंदा में शामिल होकर शिक्षा के मंच को तमाशे का मैदान न बनाएं। शिक्षक होने का अर्थ है विवेकशील होना, न कि हर मुद्दे पर प्रतिक्रियाशील। तभी हम शिक्षकों की गरिमा को भी बचा पाएंगे और समाज के भरोसे को भी। – *फेसबुक वॉल से*

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

गोरक्ष कहे सुण हरे अवधू...

अध्यात्म मनुष्य के जीवन का एक अभिन्न अंग है। यह उसकी सोच, जीवन शैली और यहां तक कि समाज की दिशा भी तय करता है। यह एक निर्विवादित यथार्थ है, जिसका भारतीय संदर्भ में और भी गहरा महत्व है। इसी अध्यात्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है नाथ पंथ, जिसकी जड़ें भारतीय इतिहास में बहुत गहरी हैं। इस पंथ की विस्तृत समझ के लिए हमें इतिहास की गहराइयों में जाना होगा।

नाथ पंथ के कालखंड को लेकर विद्वानों में भिन्न-भिन्न मत हैं, फिर भी आठवीं से अठारहवीं शताब्दी तक के मध्यकाल को लेकर उनमें एकरूपता दिखती है। यह वह समय था जब भारतीय समाज अनेक जटिलताओं से घिरा हुआ था। आज की तरह ही आबादी का एक बड़ा हिस्सा गांवों में निवास करता था, और आजीविका का मुख्य साधन खेती और पशुपालन ही था। मशीनी युग का इतना विस्तार नहीं हुआ था, और बाज़ार का आधुनिक स्वरूप भी विकसित नहीं था। समाज अनेक मतों में विभक्त था, जिनमें शैव, शाक्त, बौद्ध, जैन और वैष्णव मार्गी प्रमुख थे। इस दौरान देसी राजा शासन कर रहे थे, और ऊँच-नीच का भेदभाव प्रबल था। सामाजिक सोच, समझ और प्रशासनिक व्यवस्था में बिखराव था। ऐसे में, इस बिखराव को समाप्त करने, जीवन में शुचिता और अनुशासन लाने की प्रबल आवश्यकता महसूस हुई। ज़ाहिर है, यह सब आध्यात्मिकता से ही संभव था। इसी बड़े "बिखराव" को पाटने के लिए नाथ पंथ का उदय हुआ। आचार्य रामचंद्र शुक्ल का मानना है कि बौद्धों की वज्रयान शाखा ही नाथ पंथ के रूप में विकसित हुई। नाथ पंथ के आगमन के साथ ही शैव, शाक्त, बौद्ध, जैन और वैष्णव मतों के अनुयायी इस संप्रदाय में समाहित होने लगे।

यूं तो नाथ संप्रदाय का आरंभ आदिनाथ भगवान शिव से माना जाता है, इसलिए शिव को ही आदि गुरु दत्तात्रेय के साथ नाथ संप्रदाय के प्रथम उपदेशक और परम आराध्य के रूप में संदर्भित किया गया है। दत्तात्रेय के शिष्य मत्स्येंद्रनाथ हुए, और उनके शिष्य गोरक्षनाथ। यह वही गोरक्षनाथ जी हैं जिनके नाम पर आज गोरखपुर महानगर बसा हुआ है।

गुरु गोरक्षनाथ को नमन करते गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश।

धर्म और राज्य के बिखराव को रोकने का किया प्रयास

- गुरु गोरक्षनाथ ने धर्म और राज्य के बिखराव को रोकने का प्रयास किया और इसे एक सुव्यवस्थित रूप प्रदान किया। इस पंथ के साधक हठयोग पर विशेष बल देते हैं, इसलिए इन्हें योग मार्गी भी कहा जाता है। गुरु गोरक्षनाथ ने योग अंग क्रिया (योग, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान) को महत्व दिया और इसके माध्यम से हठयोग का उपदेश दिया। उनकी शिक्षाओं और चमत्कारों से प्रभावित होकर उस समय के अनेक बड़े राजा दीक्षित हुए। उन्होंने अपना वैभव त्याग कर जनकल्याण में योगदान दिया। इनमें राजा भर्तृहरि, बप्पा रावल, गोगा जी, पूरणमल भगत और मान नाथ शामिल हैं, जो उनके शिष्य बने। आलम यह था कि इस संप्रदाय का विस्तार भारत के लगभग सभी प्रांतों में हुआ, और काबुल, कंधार, सिंध, बलूचिस्तान, कच्छ तथा अन्य देशों तक इसकी प्रसिद्धि पहुंची, जहां लोग इसके अनुयायी बने।

- गोरक्षनाथ जी ने संस्कृत और लोक भाषा में योग संबंधी साहित्य की रचना की। उनके द्वारा रचित ग्रंथों की संख्या 40 बताई जाती है, जिनका संकलन गोरख वाणी में किया गया है। उन्होंने माना है कि सिद्धियों के पार जाकर शून्य समाधि में स्थित होना ही योगी का परम लक्ष्य होना चाहिए। वे अपनी एक सूक्ति में प्राणीमात्र के बड़े अनुशासन के पक्ष में नज़र आते हैं। वे कहते हैं:

"गोरक्ष कहे सुण हरे अवधू, जग में ऐसै रहणा।
आषै देषिबा कानै सुणिबा मुष थै कछु न कहणा"

नेपाल में राजकीय मुद्रा पर अंकित हैं गुरु गोरक्षनाथ

श्री गोरक्षनाथ का नाम नेपाल देश में वंदनीय है। नेपाल के राजा इनको अपना प्रधान गुरु के रूप में मानते हैं। यहां तक कि नेपाल की राजकीय मुद्रा सिक्के पर श्री गोरक्षनाथ जी का नाम है और वहाँ के एक प्रांत के निवासी गोरखा कहलाते हैं, जिनका नाम भी उन्हीं से पड़ा माना जाता है। भारत के प्राय: सभी प्रांतों में योगी संप्रदाय के आश्रम हैं। उनके नाम पर कई विख्यात स्थान (जैसे गोरखपुर) और महोत्सव मनाए जाते हैं। राजस्थान में गोगा जी का जन्म गोरक्षनाथ के वरदान से हुआ था, जो एक प्रसिद्ध कथा है। संक्षेप में, गोरक्षनाथ ने योग और अद्वैत वेदांत के सिद्धांतों को सरल बनाकर जन-जन तक पहुंचाया, सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा दिया, और नाथ संप्रदाय को एक संगठित तथा प्रभावशाली परंपरा के रूप में स्थापित किया।

ब्रह्लीन दिग्विजय नाथ।

ब्रह्लीन अवैद्यनाथ।

- आचार्य अक्षय कुमार बनर्जी के अनुसार, गोरक्षनाथ मंदिर और मठ के बारे में परंपरागत मान्यता यह है कि वह मंदिर और इसके साथ का मठ ठीक उसी स्थान पर बनाए गए हैं जहां रहकर सिद्ध योगीराज गोरक्षनाथ ने बहुत दिनों तक गहनतम समाधि का अभ्यास किया था। तब के समय में यह स्थान एक घना जंगल हुआ करता था। नाथ संप्रदाय के इस महान प्रतिस्थापक ने इस स्थान को अपने आध्यात्मिक और अतिमानवीय गौरव से पवित्र किया।
- गोरखपुर में आज हम जिस विशाल और भव्य मंदिर का दर्शन कर हर्ष और शांति का अनुभव करते हैं, वह ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी की कृपा से है। इसके बाद उनके उत्तराधिकारी पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी हुए। उन्होंने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और इस उत्तराधिकार को वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी के मज़बूत हाथों में सौंपा। अब वे ही इस पीठ के पीठाधीश्वर हैं। उनके संरक्षण में श्री गोरक्षनाथ मंदिर विशाल आकार-प्रकार, प्रांगण की भव्यता तथा पवित्र रमणीयता प्राप्त कर रहा है। पुराना मंदिर प्रांगण नव-निर्माण की विशालता और व्यापकता में समाहित हो गया है। मंदिर के भीतर वेदी की ओर एक निश्चल दीपशिखा है। यह दीपशिखा रात-दिन सतत रूप से मंद-मंद जलती रहती है, और इसे कभी बुझने नहीं दिया जाता। यह परम ज्योति का उपयुक्ततम प्रतीक है, जिसमें शिव और विष्णु परम तत्व के निरपेक्ष और सापेक्ष स्वरूप एक ही रूप में अभिव्यक्त होते हैं। अनेक तीर्थयात्री गोरक्षनाथ की इस तपोभूमि और उनके नाम से प्रसिद्ध पवित्र मंदिर के दर्शन के लिए बारह महीने आते रहते हैं। मंदिर में सांस्कृतिक पूजा लगभग थोड़ी-थोड़ी देर के बाद रात-दिन बराबर होती रहती है। पूरी संस्था एक योगी के प्रबंधन में है, जिन्हें महंत कहते हैं। महंत का स्थान बड़ा ही उच्च और पूज्य माना जाता है।
- गोरक्षनाथ तथा उनकी परंपरा के योगी-सिद्धों ने जहां योग साधना को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान किया, वहीं उसे आम जन के लिए सुलभ बनाया। उन्होंने परम सत्य को भी अपने आध्यात्मिक अनुभव से सार्वजनिक किया।

गोरक्षनाथ जी "गोरख वाणी" में कहते हैं:

"अजपा जपै सुनि मन धरै, पांचो इंद्री निग्रह करें।
ब्रह्म अगनि में होमै काया, तास महादेव बंदै पाया।"

गुरु परंपरा और "आदेश" का महत्व

- नाथ संप्रदाय में गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष महत्व है। "आदेश" शब्द इस संप्रदाय का अभिवादन है, जिसका अर्थ है आत्मा, दिव्य आत्मा और शरीर आत्मा का मेल। यह गुरुओं और समाधि स्थलों के सामने प्रणाम के रूप में उपयोग होता है। इसका प्रयोग शिष्य अपने गुरुओं के प्रति आदर व्यक्त करने के लिए करते हैं, और गुरु अपने शिष्यों को आशीर्वाद देते समय इसका प्रयोग करते हैं। योगी बालकनाथ जी के अनुसार, गुरु ही वह माध्यम हैं जिसके द्वारा मनुष्य चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकता है।

नाथ योगी और 'हठ' योग

- हठ योग में 'ह' सूर्य और 'ठ' चंद्रमा का प्रतीक है, जो शरीर में ऊर्जा के संतुलन को दर्शाता है। इसमें ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से शरीर की ''इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना'' नाड़ियों को नियंत्रित किया जाता है। गोरक्षनाथ जी ने हट योग के माध्यम से हरिद्वार के ऊपर स्थित झिलमिल गुफा में 65,000 मंत्रों को सिद्ध किया। उन्होंने संस्कृत के कई मंत्रों का हिंदी में अनुवाद भी किया, जिससे ये आम लोगों तक पहुंच सके।

प्रस्तुति: सिद्धार्थ श्रीवास्तव

चिंतन

धर्म की उत्कृष्ट अवस्था ही हैं अध्यात्म

धर्म का अर्थ है धारण करना, वह क्रियाएं,वह सिद्धांत जिनको हम पूर्ण रूप से स्वीकार कर धारण करते हैं अर्थात धारण करने योग्य ही धर्म है अब चाहे वह सिद्धांत हो या क्रिया हो या कोई मनोभाव ही क्यूँ ना हों, हमारे वेदों और पुराणों में यही सिद्धांत, क्रियाये, वर्णित हैं जो सांसारिक जीवन को जीने के लिए, जीवन का निर्वाह करने के लिए आवश्यक हैं सांसारिक जीवन में धर्म हर रिश्ते, हर मनोभाव,हर जीव के अनुशाशित आचरण को साधता हैं, फिर वो चाहे पिता का, पुत्र का, माता का, मित्र का धर्म ही क्यों ना हों, धर्म सामाजिक व्यवस्था का सुडोल और सूद्रन ढांचा हैं और वह जीवंत रहता हैं आध्यात्मिक चेतना से, सारे सिद्धांत मौलिक रूप से एक ही स्वरूप को दर्शाते हैं जो हैं धर्म वैज्ञानिक पृष्ठभूमि के यह सिद्धांत ही हमारे वेदों, हमारे उपनिषदों, में इंगित हैं इन को धारण कर के ही हम जीवन में कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं पर जब धर्म बुद्धि से उतरकर मन और आत्मा तक पहुंच जाता है तब वहीं से आध्यात्मिक चेतना की जागृति होती है और आध्यात्मिक बल मिलना आरंभ होता है, जब हमारी आत्मा धर्म को धारण कर लेती हैं तब ही हमारा आध्यात्मिक स्वरूप जागृत होता हैं यानी धर्म का आत्म केंद्रित होना ही अध्यात्म हैं, धर्म और अध्यात्म बाहरी रूप से दो अलग-अलग बातें नजर आती है पर वास्तविक रूप से "एक शरीर और एक प्राण है धर्म और अध्यात्म" धर्म क्रिया है और अध्यात्म उसे आत्मसार करने की प्रक्रिया है जैसे आदतों से संस्कार बनते हैं वैसे ही धार्मिक आचरण व क्रियो में लिप्त रहना उनको करते रहना ही उन्हें आत्मसार करता हैं धर्म से जुड़ी क्रियो को करते रहना उनका अभ्यास करते रहना ही उनको हमारी आत्मा तक पहुंचा सकता है यानी "रिचुअल से ही स्पिरिचुअल बन सकते हैं "धर्म की उत्कृष्ट अवस्था ही हैं आध्यात्म"

धर्म और अध्यात्म बाहरी रूप से दो अलग-अलग बातें नजर आती है पर वास्तविक रूप से "एक शरीर और एक प्राण है धर्म और अध्यात्म"

प्रस्तुति: ज्योतिषचार्या डॉ.स्वाती सक्सेना

धर्म-अध्यात्म की एआई यात्रा में आत्मा की खोज

प्रस्तुति: मनोज त्रिपाठी

आधुनिक तकनीक और प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान का मिलन अब कल्पना नहीं, हकीकत बन रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) न केवल बिजनेस, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, बल्कि अध्यात्म की दुनिया में भी प्रवेश कर चुकी है। एआई का इस्तेमाल धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में नई संभावनाएं लेकर आया है। धर्म, पूजा-पाठ, ध्यान और निजी ध्यात्मिक अनुभवों को नए आयाम देने में इसकी भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। एआई की मदद से पवित्र ग्रंथों के साथ बातचीत को नया रूप मिल रहा है। इसका प्रयोग आध्यात्मिक मार्गदर्शन को निजी बनाने के साथ धार्मिक अनुष्ठान भी बढ़ा रहा है। लेकिन इस सबके बावजूद अध्यात्म की दुनिया में एआई से आ रहे बदलावों के बीच यह सवाल कम महत्वपूर्ण नहीं है कि इसे एक नई चेतना की शुरुआत माना जाए या भ्रम का युग। पूरी दुनिया में इस बात को लेकर बहस छिड़ी है कि क्या एआई आत्मा की खोज में सहायक होगा या इस विषय को और भटका देगा।

आज इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि एआई संचालित विश्लेषण ने गीता, बाइबिल, कुरान जैसे पवित्र ग्रंथों के अध्ययन में नई जान फूंक दी है। धर्म और अध्यात्म से जुड़े गूढ़ विषयों पर नए दृष्टिकोण के साथ प्रासंगिक तथा समावेशी समझ प्रदान की है। एआई के माध्यम से धार्मिक ग्रंथों का उन्नत विश्लेषण उन पर आस्था रखने वाले लोगों का भरोसा और बढ़ा रहा है। पारंपरिक प्रथाओं और धार्मिक मान्यताओं को समृद्ध कर रहा है। एआई संचालित ऐप्स आभासी आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में लोगों को प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। उपयोगकर्ता की भावनाओं और आध्यात्मिक आवश्यकताओं के मुताबिक निजी प्रार्थनाएं और ध्यान संबंधी चिंतन तैयार किए जा रहे हैं।

एआई का धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में बढ़ता इस्तेमाल क्या दुनिया के लिए नई चुनौती पेश कर सकता है?

डिजिटल पूजा और वर्चुअल मंदिर

- एआई के माध्यम से श्रद्धालु वर्चुअल पूजा स्थलों और मंदिरों का अनुभव ले सकते हैं। कई एप्स और वेबसाइट्स एआई आधारित वर्चुअल दर्शन की सुविधा प्रदान करती हैं। इनके जरिए भक्त 3-डी और 360 डिग्री तकनीक का उपयोग करके अपनी इच्छा के मुताबिक मंदिर में मौजूद रहने का अनुभव कर सकते हैं।

बढ़ेंगे डिजिटल गुरु और ज्योतिषी

- अध्यात्म में एआई के प्रवेश से आने वाले समय में डिजिटल गुरुओं की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। इसी तरह एआई ज्योतिषी या भविष्यवक्ता आपके कर्म, राशिफल के आधार पर फलित बताने के साथ पूर्व जीवन की एआई आधारित व्याख्या करते नजर आ सकते हैं। जेफरी सेलावी ऐसा ही एक ज्योतिषीय उपकरण है, जो एस्ट्रल मैप्स और राशि चक्र कुंडली की गणना करता है। टैरो मास्टर, टैरो टैप भी कुछ ऐसे ही तकनीकी उपकरण हैं।

आध्यात्मिक चैटबॉट्स कर रहे मार्गदर्शन

- एआई आधारित चैटबॉट्स, जैसे कि धर्मबॉट्स, भक्तों के सवालों का जवाब देकर उन्हें धार्मिक और आध्यात्मिक रास्ता दिखाने का काम कर रहे हैं। यह तकनीक न केवल त्वरित उत्तर देती है, बल्कि लोगों को उनके विषय से संबंधित गहन जानकारी भी प्रदान करती है। गीताजीपीटी के माध्यम से आध्यात्मिकता, दर्शन और संस्कृति का अन्वेषण किया जा सकता है, तो बाइबिल एआई सटीकता के साथ बाइबिल संबंधी अध्ययन उपलब्ध कराता है। बात चैटजीपीटी की करें, तो इससे अब तमाम लोग जीवन का उद्देश्य और आत्मा क्या है, जैसे सवाल पूछते हैं और इनका जवाब भी पाते हैं।

मेट्रो में बैठकर हिमालय में ध्यान

- एआई आधारित ध्यान एप जैसे कि कॉम और हेड स्पेस अपने उपयोगकर्ताओं को निजी स्तर पर ध्यान और योगाभ्यास के सत्र प्रदान करते हैं। इस दौरान तकनीक के जरिए साधक की प्रगति का विश्लेषण कर उन्हें बेहतर सुझाव दिए जाते हैं। इसी तरह एआई आधारित गाइडेड मेडिटेशन, वर्चुअल रियलिटी के साथ जुड़कर कुछ इस तरह के ध्यान का अनुभव दे रहे हैं, जैसा कि आप हिमालय की गोद में बैठकर महसूस करते हैं, भले ही आप मेट्रो में सफर कर रहे हों या सुबह के समय अपनी छत पर बैठे हों।

मंत्रों और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन

धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने, उनका अनुवाद करने के साथ मंत्रों, वचनों या श्लोकों का अर्थ समझाने के लिए दुनिया भर में अब एआई का धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है। यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो संस्कृत, अरबी या अन्य प्राचीन भाषाएं नहीं जानते हैं। इसी क्रम में कई एआई आधारित ऐप लोगों को मंत्रोच्चारण और जीवन दर्शन सिखाने के काम में लगे हैं। उदाहरण के लिए सिबिल एआई जैसे नेटवर्क के जरिए आध्यात्मिक अंतृदष्टि और मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

बिजनेस ब्रीफ

पानीपत में लगेगा हरित हाइड्रोजन संयंत्र

नयी दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने सोमवार को कहा कि उसकी इकाई हरियाणा में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पानीपत रिफाइनरी में सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी। यह परियोजना राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप है जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। लार्सन एंड टुब्रो की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलएंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जाने वाला यह संयंत्र केंद्र के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का समर्थन करते हुए 25 वर्ष तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को प्रति वर्ष 10,000 टन हरित हाइड्रोजन की आपूर्ति करेगा।

एनटीपीसी के निदेशक मंडल का होगा पुनर्गठन

नयी दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा) सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की दो इकाइयों... टीएचडीसी इंडिया लि. और नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन के निदेशक मंडल के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, विद्युत मंत्रालय ने नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (नीपको) और टीएचडीसी इंडिया के निदेशक मंडल में एक गैर-कार्यकारी चेयरपर्सन की नियुक्ति और चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पद को प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नामित करने का प्रस्ताव रखा था।

रामप्रस्थ ग्रुप के दो निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने रियल एस्टेट कंपनी रामप्रस्थ ग्रुप के प्रवर्तकों संदीप यादव और अरविंद वालिया को घर खरीदारों के साथ कथित तौर पर 1,100 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत सोमवार को गिरफ्तार किया। सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने निदेशकों के परिसरों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कुछ अन्य परिसरों पर सुबह छापेमारी की जिसके बाद ये गिरफ्तारियां हुईं।

आयकर विधेयक में बदलाव का सुझाव

संसदीय समिति ने टीडीएस रिफंड दावों, ट्रस्ट के कराधान में बदलाव का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

नए आयकर विधेयक की समीक्षा करने वाली संसदीय समिति ने सोमवार को सुझाव दिया कि व्यक्तिगत करदाताओं को बिना किसी जुर्माने के नियत तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। संसदीय समिति ने सुझाव दिया कि धार्मिक एवं परमार्थ न्यासों को दिए गए गुमनाम दान को कराधान से मुक्त रखा जाए।

आयकर विधेयक-2025 की समीक्षा के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में लोकसभा की प्रवर समिति का गठन किया गया था। लोकसभा में सोमवार को पेश की गई 4,575 पेज की रिपोर्ट में नए आयकर विधेयक, 2025 में गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) की आय के प्रबंधन के तरीके में व्यापक बदलाव के सुझाव भी दिए गए हैं। समिति ने आयकर विधेयक, 2025 में बदलावों की सिफारिश की है। यह छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। संसदीय समिति ने कहा है कि एनपीओ, विशेष रूप से धर्मार्थ और परमार्थ उद्देश्यों वाले संगठनों के लिए गुमनाम दान पर कर लगाने के संबंध में अस्पष्टता को दूर किया जाना चाहिए। समिति ने गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओ) की 'प्राप्तियों' पर कर लगाने का विरोध किया है, क्योंकि यह आयकर अधिनियम के तहत वास्तविक आय कराधान के सिद्धांत का उल्लंघन है। सुझावों में 'आय' शब्द को फिर से लागू करने की सिफारिश की गई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल एनपीओ की शुद्ध आय पर ही कर लगाया जाए। यह देखते हुए कि पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले 'गुमनाम दान के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर' है, समिति ने सुझाव दिया कि धार्मिक और परमार्थ न्यास (ट्रस्ट), दोनों को ऐसे दान पर छूट दी जानी चाहिए।

नया आयकर विधेयक

- छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का लेगा स्थान
- लोकसभा में पेश की गई 4,575 पेज की रिपोर्ट

गुप्त दान पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव

समिति ने कहा, विधेयक का घोषित मकसद इसके पाठ को सरल बनाना है, लेकिन समिति को लगता है कि धार्मिक एवं परमार्थ ट्रस्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण चूक हुई है, जिसका देश के एनपीओ क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आयकर विधेयक, 2025 के खंड 337 में सभी पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले गुप्त दान पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए स्थापित एनपीओ को ही सीमित छूट दी गई है। यह आयकर अधिनियम, 1961 की वर्तमान धारा 115बीबीसी से बिल्कुल अलग है। मौजूदा कानून में अधिक व्यापक छूट प्रदान की गई है। इसके मुताबिक, अगर कोई ट्रस्ट या संस्था पूरी तरह से धार्मिक और परमार्थ कार्यों के लिए बनाई गई हो, तो गुप्त दान पर कर नहीं लगाया जाता है। गौरतलब है कि ऐसे संगठन आमतौर पर पारंपरिक माध्यमों (जैसे दान पेटियों) से योगदान प्राप्त करते हैं, जहां दान देने वाले की पहचान करना असंभव है।

भारत वैश्विक बाजार में उभरती हुई महाशक्ति

बात काम की

भारत वैश्विक बाजार में उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति के रूप में अपनी भूमिका सशक्त कर रहा है। विशाल जनसंख्या, मजबूत सेवा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणी स्थिति और विविध निर्यात क्षमताएं भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अहम भागीदार बनाती हैं। हाल के वर्षों में सरकार के किए सुधारों और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के भरोसे ने भारत की वैश्विक व्यापार में भूमिका को और भी प्रभावशाली बनाया है।

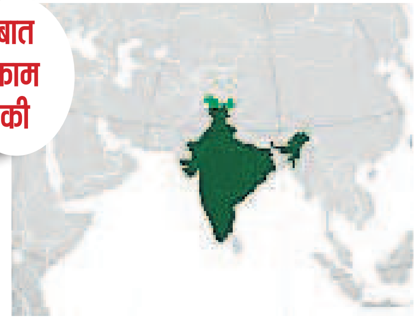

निर्यात और आयात में संतुलन

भारत कृषि, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, रत्न-आभूषण, ऑटोमोबाइल और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में प्रमुख निर्यातक है। कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी जैसे उत्पादों का आयात करता है।

आईटी और सेवा क्षेत्र में नेतृत्व

भारत की आईटी कंपनियां जैसे टीसीएस, इनफोसिस, विप्रो और एचसीएल दुनियाभर में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। अमेरिकी, यूरोपीय और एशियाई बाजारों में भारत की आईटी सेवाएं अत्यंत लोकप्रिय हैं।

मैन्युफैक्चरिंग और मेक इन इंडिया

मेक इन इंडिया पहल से भारत वैश्विक विनिर्माण हब बनने की ओर अग्रसर है। एप्पल, सैमसंग व अन्य वैश्विक कंपनियों ने भारत में निर्माण इकाइयों की स्थापना की है। इससे विदेशी निवेश में वृद्धि हुई और वैश्विक भागीदारी बढ़ी है।

एफडीआई-एफआईआई का प्रवाह

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) व विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफआईआई) का सतत प्रवाह, इसकी आर्थिक स्थिरता और विकास की गति को दर्शाता है।

भौगोलिक स्थिति व रणनीतिक संबंध

भारत की भौगोलिक स्थिति उसे एशिया, यूरोप व अफ्रीका से व्यापार के लिए रणनीतिक केंद्र बनाती है। अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी-20, ब्रिक्स, और डब्ल्यूएचओ में भारत की सक्रिय भूमिका ने इसके वैश्विक प्रभाव को मजबूत किया है।

ग्रीन इकोनॉमी में योगदान

भारत नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े निवेश कर रहा है। इससे वह न केवल घरेलू ऊर्जा जरूरतें पूरी कर रहा है, बल्कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रयासों में भी योगदान दे रहा है।

ईपीएफओ ने मई में रिकॉर्ड 20.06 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

- 9.42 लाख नए कर्मचारी शामिल, 2018 के बाद से अंशधारकों की संख्या में हुई बढ़ोतरी

सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के साथ मई में शुद्ध रूप से 20.06 लाख सदस्य जुड़े जो अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इन सदस्यों में 9.42 लाख नए कर्मचारी भी शामिल हैं। सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मई, 2025 का आंकड़ा अप्रैल, 2025 की तुलना में 4.79% और मई, 2024 के मुकाबले 2.84% अधिक है।

श्रम मंत्रालय ने कहा कि मई का आंकड़ा अप्रैल, 2018 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले अंशधारकों की निगरानी शुरू होने के बाद से दर्ज सबसे अधिक बढ़ोतरी है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि मई, 2025 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़ने वाले शुद्ध सदस्यों की यह संख्या भारत के संगठित रोजगार परिदृश्य की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। मांडविया ने कहा, यह वृद्धि रोजगार सृजन और युवा-समर्थक, श्रमिक-समर्थक सुधारों की दिशा में सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है। मई, 2025 में ईपीएफओ से 9.42 लाख नए सदस्य जुड़े जो अप्रैल, 2025 की तुलना में 11.04 प्रतिशत अधिक है। नए अंशधारकों की संख्या में यह वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल संपर्क कार्यक्रमों का नतीजा है। इन आंकड़ों का एक पहलू 18-25 आयु वर्ग के कर्मचारियों की बड़ी संख्या है। ईपीएफओ ने इस महीने 18-25 आयु वर्ग में 5.60 लाख नए अंशधारक जोड़े, जो मई, 2025 में जुड़े कुल नए सदस्यों का 59.48 प्रतिशत है।

पैसा ही पैसा बनता और दूसरा पैसा भी खींच लाता है

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर बाजार में कुछ वर्षों में 30 वर्ष से कम आयु वाले युवा निवेशकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसकी बड़ी वजह तकनीकी प्रगति, कम ट्रेडिंग लागत और सूचना तक बढ़ती पहुंच है। यही वजह है कि आज का युवा निवेश के परम्परागत तरीकों से हटकर तुलनात्मक जोखिम लेने को तैयार है। कई वर्षों में कुछ म्यूचुअल फंड्स और एसआईपी ने शानदार रिटर्न देकर निवेशकों का न सिर्फ मनोबल बढ़ाया है, बल्कि नए निवेशकों को आकर्षित भी किया है। खासतौर पर युवाओं में एसआईपी बचत का बड़ा रुझान देखने को मिल रहा है। दरअसल, इसमें मिलने वाला चक्रवृद्धि ब्याज दूसरी बचत योजनाओं के मुकाबले अधिक लाभांश देता है। चक्रवृद्धि ब्याज की कमाई के लिए निवेश को कोई गुणा-गणित नहीं लगाना पड़ता है।

- एसआईपी के रिटर्न ने जीता भरोसा बढ़ी नए निवेशकों की संख्या
- वित्तीय सलाहकारों के मुताबिक 1000 का निवेश बना सकता करोड़पति

वित्तीय सलाहकार विवेक द्विवेदी का कहना है कि अगर आप अच्छी इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम में हर महीने सिर्फ 1000 रुपये निवेश करते हैं, तो यह बचत आपको नौकरी से रिटायर होने के बाद करोड़पति बना सकती है। इसे इस तरह समझ सकते हैं, अगर आप हर महीने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में 1,000 रुपये का निवेश करते हैं और इसमें 12% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर मिलती है, तो 5 साल के बाद निवेश 82,000 रुपये होगा। 10 साल बाद, यह रकम 2,32,000 रुपये और 20 साल बाद 9,99,000 रुपये हो सकती है। राकेट की तरह आपका निवेश चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत से ऊपर भागता है। अब जरा रुकिए, अगर आप 30 साल टिक सकते हैं तो आपकी रकम रुपये 35,29,000 और 40 साल में एक करोड़ से भी अधिक हो सकती है। यही कारण है कि अधिकतर वित्तीय विशेषज्ञ युवाओं को पहली सैलरी से ही एसआईपी की सलाह देते हैं। अगर आपको और पैसों की जरूरत है, तो अपनी रुपये 1,000 प्रति माह की राशि को हर साल 10% बढ़ाकर और बड़ी रकम हासिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज का जादू दिखाता है कमाल

भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां आश्चर्य है। इसी तरह करीब दो शताब्दी पहले अमेरिका के पहले पोस्टमास्टर जनरल और पुअर रिचर्ड्स अलमनैक पुस्तक के लेखक, बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा था कि पैसा ही पैसा बनाता है, और जो पैसा पैसा बनाता है, वह पैसा ही दूसरा पैसा खींच लाता है। एसआईपी निवेश के बारे में यह बात सही मालूम पड़ती है।

निवेश की रिकार्ड तोड़ बारिश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश का आंकड़ा इस समय अनुमान के मुताबिक 27,000 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका है यह अब तक का सबसे अधिक मासिक एसआईपी प्रवाह है। एसआईपी खातों की संख्या भी बढ़कर करीब 9 करोड़ पर पहुंच गई है।

बैंक शेयरों में लिवाली बाजार को मिली मजबूती

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 443 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,000 अंक के पार

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 443 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। तिमाही वित्तीय नतीजों के बाद एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई।

सेंसेक्स 442.61 अंक की बढ़त संग 82,200.34 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 122.30 अंक चढ़कर 25,090.70 अंक पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मजबूत रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह ने भी बाजारों को समर्थन दिया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो) में सबसे अधिक 5.38% की तेजी रही। पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम के बाद कंपनी का शेयर मजबूत हुआ। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.76% चढ़ा। जून तिमाही में लाभ 15.9% बढ़कर 13,558 करोड़ होने के बाद बैंक का शेयर चढ़ा है। एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.19% मजबूत हुआ। बैंक का जून को समाप्त तिमाही में लाभ 1.31% की गिरावट के साथ 16,258 करोड़ रहने के बाद इसके शेयर में मजबूती आई।

सौर ऊर्जा क्रांति

राजस्थान के आबू रोड स्थित इंडिया वन सोलर थर्मल पावर प्लांट में आसमान के नीचे चमकते परावर्तक दर्पण, स्वच्छ ऊर्जा की ओर भारत की पहल हैं। यह संयंत्र सौर ऊर्जा से बिजली उत्पन्न कर हरित भविष्य की दिशा में अहम योगदान दे रहा है।

सेबी ने फिर कहा- डब्बा कारोबार अवैध, निवेशक सतर्क रहें

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को फिर कहा कि डब्बा कारोबार अवैध है और निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। नियामक ने अवैध कारोबारी सेवाएं देने वाली किसी भी इकाई से लेन-देन नहीं करने को कहा है। बाजार की भाषा में, डब्बा कारोबार से आशय अवैध और बाजार से इतर कारोबार से है। यह कारोबार मान्यता प्राप्त शेयर बाजारों और नियामकीय निगरानी के दायरे से बाहर होता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि ऐसी गतिविधियां निवेशकों के लिए जोखिम पैदा करती हैं और यह प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 (एससीआरए), सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन है। सेबी उपायों, जागरूकता व कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ मिलकर निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी दल आएगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल अगस्त में भारत का दौरा करेगा। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी टीम अगस्त के उत्तरार्ध में भारत आएगी।

भारत और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की थी। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अमेरिका के दक्षिण एवं पश्चिम एशिया क्षेत्र के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने इस वार्ता में अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। दोनों देश 1 अगस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिशों में लगे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने भारत सहित कई देशों पर उच्च सीमा शुल्क लगाए हैं, जिनकी निलंबन अवधि 1 अगस्त को खत्म होने वाली है। व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और वाहन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

अमेरिका को इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि, कपड़ा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ी: अधिकारी

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रशासन के सीमा शुल्क बढ़ाने के फैसले से अमेरिकी बाजार में प्रमुख उत्पाद आपूर्तिकर्ताओं की सूची में बदलाव आया है और भारत, चीन और कनाडा की कीमत पर लाभार्थी बनकर उभरा है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही। एक विश्लेषण के मुताबिक, मई में अमेरिका के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.2% हो गई जबकि साल भर पहले की समान अवधि में यह 3.5 प्रतिशत थी। इस अवधि में चीन की हिस्सेदारी 22 से घटकर 11% रह गई। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी बढ़ने के पीछे स्मार्टफोन और सौर सेल की अहम भूमिका रही। अप्रैल-जून में कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 47% बढ़कर 12.41 अरब डॉलर हो गया। अमेरिका को वस्त्र निर्यात में चीन की हिस्सेदारी 27 से घटकर 14% रह गई, जबकि अमेरिकी वस्त्र आयात बाजार में भारत की हिस्सेदारी नौ से बढ़कर 12% और वियतनाम की हिस्सेदारी 14 से बढ़कर 18% हो गई। कृषि और समुद्री उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिकी आयात में चीन की हिस्सेदारी 3.5 से घटकर 1.5% रह गई जबकि भारत की हिस्सेदारी 1.7 से बढ़कर 2.2% हो गई। इंडोनेशिया और वियतनाम ने अमेरिका को कृषि निर्यात में चीन के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया।

निवेश

लगातार उछाल से सोने में निवेश करने वाले ग्राहकों की भी बदली चाल

ठोस के साथ अब आभूषण खरीद भी बढ़ा रही निवेश

- अब ठोस गोल्ड के साथ ही आभूषण खरीद कर भी कर रहे हैं निवेश
- शेयर मार्केट में उतार चढ़ाव, सोने में निवेश की स्थिति जस की तस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार। सोने के दाम प्रति 10 ग्राम एक लाख रुपये होने के बाद भी निवेश को लेकर स्थिति जस की तस बनी है। ग्राहकों की चाल निवेश को लेकर बदली है। कारोबारियों के अनुसार दो साल पहले तक जिले में सोने का 500 से 600 करोड़ का सालाना कारोबार होता था जो कि अब घटकर 450 से 400 करोड़ आ गया है, लेकिन गोल्ड में निवेश करने वालों के रुझान में बड़ा बदलाव नहीं है। 200 करोड़ का निवेश अब 150 करोड़ हो गया है, लेकिन निवेश को लेकर ग्राहकों की चाल बदली है। 200 करोड़ का सोना लोग शौक के लिए अब भी खरीद रहे हैं।

गोल्ड बांड पर रोक तो अब ईटीएफ का सहारा: एक साल पहले तक निवेशक बांड के माध्यम से गोल्ड की खरीद करते थे लेकिन बाजार में गोल्ड के पैसे का चलन न होने से अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही थी, जिससे सरकार ने इस पर रोक लगा दी। इसी बीच अब ग्राहक ईटीएफ यानि का सहारा ले रहे हैं।

निवेश की तुलना में घट रहा कारोबार

बरेली सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सर्राफ बताते हैं कि हर दुकान में कारोबार को उसकी क्षमता के अनुसार मापा जाता है। जैसे एक दुकान पांच किलो तक सोना बेचती है तो सुस्ती 50 किलो तक। इसके चलते हर साल कितना निवेश हो रहा है इसकी पुष्टता नहीं हो सकती है, लेकिन दो से तीन साल पहले तक जहां हर साल सोने में 200 करोड़ का निवेश होता था वह घटकर 150 करोड़ तक आ गया है, लेकिन निवेश की तुलना में कारोबार पर सोने के दाम बढ़ने से अधिक प्रभाव पड़ा है।

शेयर बाजार में निवेश करने से कई मायने में गोल्ड में निवेश करना सुरक्षित माना जाता है। जरूरी नहीं है ठोस गोल्ड ही खरीदा जाए, आभूषण खरीद कर भी निवेश किया जा सकता है तमाम निवेशक ऐसा कर रहे हैं। इससे शौक और निवेश दोनों ही हो जाते हैं।

\- पुनीत अग्रवाल

आज भी गोल्ड में निवेश सबसे सुरक्षित व भरोसेमंद निवेश में शामिल है। शेयर बाजारों की गिरती स्थिति, बैंकों में सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) पर घटती ब्याज दर ने घरेलू निवेशकों को सोने में निवेश करने पर आकर्षित किया है, क्योंकि वर्तमान दौर में सोने की वृद्धि दर सर्वाधिक है।

\- उदित खंडेलवाल

सोने के दाम में बढ़ोतरी होने से निवेशकों का खरीद को लेकर तरीका जरूर बदला है। ईटीएफ के माध्यम से ऑनलाइन खरीद और आभूषण की खरीद भी निवेश के लिए की जा रही है। ठोस गोल्ड को कम ही प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि ये ग्राहक की सामर्थ्य पर निर्भर करता है।

\- रिंकू खंडेलवाल

जोखिम-आधारित लेनदेन की निगरानी करें बैंक: आरबीआई

मुंबई। बैंकों के डिजिटल बैंकिंग चैनल पर तृतीय-पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित नहीं करने को लेकर सोमवार को आरबीआई के नियमों के मसौदे पेश किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक (डिजिटल बैंकिंग चैनल अथॉराइजेशन) निर्देश के अनुसार बैंकों को जोखिम-आधारित लेनदेन की निगरानी करनी चाहिए।

बैंक की धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार, ग्राहक लेनदेन व्यवहार प्रतिरूप का अध्ययन और असामान्य लेनदेन की निगरानी या असामान्य लेनदेन के लिए ग्राहकों से पूर्व मंजूरी प्राप्त करने की बातों को प्रणाली में शामिल किया जा सकता है। मसौदे पर 11 अगस्त तक सुझाव मांगे गए हैं। इसमें कहा गया, बैंक समूह (सहायक/संयुक्त उद्यम/सहयोगी) सहित तृतीय-पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को बैंकों के डिजिटल बैंकिंग चैनल पर प्रदर्शित नहीं किया जाएगा।

सीएनजी भरवाएं और इनाम पाएं अभियान की शुरुआत

बरेली, अमृत विचार। सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड (सीयूजीएल) ने सहभागिता अभियान 'सीएनजी भरवाएं और इनाम पाएं' की शुरुआत सेटेलाइट बस स्टेंड स्थित सीयूजीएल रोहिल्ला सीएनजी स्टेशन पर की।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीयूजीएल के प्रबंध निदेशक राजीव लोचन पाल और निदेशक वाणिज्य राजविंदर सिंह रहे। आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के अधिकारियों की कार्यक्रम में उपस्थिति रही। सीयूजीएल के एरिया मैनेजर अभिषेक राहिल ने बताया कि यह अभियान 31 दिसंबर तक चलेगा। भाग्यशाली विजेताओं को 15 दिवसीय और मासिक आधार पर आकर्षक उपहार प्रदान किए जाएंगे। अभियान के समापन पर एक बंपर ड्रा में विजेता को बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी बाइक प्रदान की जाएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली में जीटी रोड का हिस्सा दो दिन के लिए बंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कांवड़ यात्रियों के मद्देनजर जीटी रोड का प्रमुख हिस्सा 23 जुलाई सुबह आठ बजे तक बंद रहेगा। दिल्ली पुलिस ने बताया कि केशव चौक गोलचक्कर से युधिष्ठिर सेतु तक सड़क का बायां मार्ग 21 जुलाई को सुबह आठ बजे से 23 जुलाई को सुबह आठ बजे तक वाहनों के लिए बंद रहेगा। कहा गया है यात्री मौजपुर जाने के लिए केशव चौक अंडरपास लें या फिर श्याम चौक पर 'यू-टर्न' लेकर स्वामी दयानंद मार्ग, विकास मार्ग या मास्टर प्लान रोड होते हुए आईएसबीटी पहुंचें।

प्रकाश राज समेत चार अभिनेता ईडी में तलब

हैदराबाद। ईडी ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए अभिनेता राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा, लक्ष्मी मांचू को तलब किया है। ईडी ने दग्गुबाती को 23 जुलाई, प्रकाश राज को 30 जुलाई, देवरकोंडा को छह अगस्त और लक्ष्मी को 13 अगस्त को तलब किया है। इन सभी पर अवैध पैसा बनाने में जुटे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप का प्रचार करने का आरोप है।

अमरनाथ यात्रा पर 3,700 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन करने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में 3,700 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था सोमवार को दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। कड़ी सुरक्षा में जत्था रविवार देर रात तीन बजकर 33 मिनट से सोमवार तड़के चार बजकर छह मिनट के बीच 148 वाहनों में सवार होकर भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ।

किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश में अभियान

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने घने जंगल में छिपे आतंकवादियों के एक समूह का पता लगाने के लिए सोमवार को तलाश अभियान फिर से शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना ने संयुक्त अभियान दच्छन और नागसेनी के बीच चेरजी क्षेत्र के खानकू जंगल में रविवार दोपहर को शुरू किया था और इस दौरान संक्षिप्त मुठभेड़ भी हुई। अधिकारियों के अनुसार, ये आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े हो सकते हैं और इनमें दो शीर्ष आतंकवादियों पर 30-30 लाख का इनाम घोषित है।

नौसेना की नई ताकत, लहरों पर उतरा युद्धपोत अजय

कोलकाता, एजेंसी

रक्षा क्षेत्र की पीएसयू गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने भारतीय नौसेना के लिए निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' की श्रृंखला का आठवां और आखिरी जहाज का सोमवार को जलावतरण किया।

'अजय' नामक इस युद्धपोत का जलावतरण भारतीय नौसेना के सामग्री प्रमुख वाइस एडमिरल किरण देशमुख की पत्नी प्रिया देशमुख ने किया। जीआरएसई के एक अधिकारी के मुताबिक कोलकाता की इस युद्धपोत निर्माता कंपनी ने भारतीय नौसेना के लिए आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जलपोत बनाए हैं। ये बहुउद्देश्यीय युद्धपोत हैं और कई तरह के अभियानों में हिस्सा ले सकते हैं। जीआरएसई के अधिकारी ने यह भी कहा कि ये जहाज कम गहराई वाले जलक्षेत्र में संचालन के हिसाब से तैयार किए गए हैं, इसलिए ये तटीय इलाकों में आसानी से काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 77.6 मीटर लंबे और 10.5 मीटर चौड़े ये युद्धपोत तटीय जल क्षेत्र में सतह के नीचे पूरी तरह से निगरानी करने और तलाश एवं बचाव अभियान के संचालन में भी सक्षम हैं।

आईआईटी प्लेसमेंट

साल दर साल आ रही है गिरावट

कुछ साल पहले तक देश के आईआईटी संस्थानों से स्नातक होकर निकलना अच्छे वेतन की नौकरी की गारंटी माना जाता था लेकिन पिछले कुछ सालों से यह धारणा बदलने लगी है। आईआईटी संस्थानों के प्लेसमेंट में तो गिरावट आई ही है, कंपनियां पहले की तुलना में उतना वेतन भी ऑफर नहीं कर रही हैं। 2020-21 में कोविड 19 महामारी और उसके बाद वैश्विक आईटी और स्टार्टअप क्षेत्र में मंदी की वजह से इस गिरावट की शुरुआत हुई। तकनीकी क्षेत्रों में 2022 से 2024 के बीच नियुक्तियों की कमी और छंटनी से यह समस्या और बढ़ी। अमेरिकी मंदी और वीजा मुद्दों के कारण विदेशी कंपनियों के ऑफर टाल दिए गए या रद्द कर दिए गए। यह बदलाव न सिर्फ भारत की अर्थव्यवस्था बल्कि तकनीकी क्षेत्र के रुझानों की ओर भी संकेत करता है।

पिछले वर्षों में प्लेसमेंट की स्थिति

- वर्ष 2019 में आईआईटी पासआउट का प्लेसमेंट 85 से 92 प्रतिशत था और औसत पैकेज 12 से 14 लाख रुपये। उच्चतम पैकेज डेढ़ करोड़ रुपये तक का था।
- वर्ष 2020 में कोविड के दौरान प्लेसमेंट प्रतिशत घटकर 80 से 85 हो गया और औसत पैकेज 10 से 12 लाख रिकॉर्ड किया गया। उच्चतम पैकेज भी एक करोड़ का रह गया।
- वर्ष 2021 में प्लेसमेंट प्रतिशत फिर 90 से 95 प्रतिशत पहुंचा, औसत पैकेज भी 12 से 16 लाख मिला। उच्चतम पैकेज इस वर्ष में 2.1 करोड़ रुपये का था।
- वर्ष 2022 में फिर गिरावट आई। प्लेसमेंट घटकर 88 से 92 प्रतिशत और औसत पैकेज 11-14 लाख रुपये पर आ गया। उच्चतम पैकेज नहीं बदला।
- वर्ष 2023 में प्लेटमेंट का स्तर और घटकर 75 से 80 प्रतिशत रह गया और औसत पैकेज 10 से 12 लाख रुपये पर आ गया। उच्चतम पैकेज 1.5 करोड़ का था।
- वर्ष 2024 में भी गिरावट जारी रही। प्लेसमेंट स्तर 73 से 78 पर रहा और औसत पैकेज 9 से 11 लाख रुपये रह गया। उच्चतम पैकेज 1.2 करोड़ का था।

इन ब्रांच का क्रेज घटा

हाल के सालों में कोर ब्रांच माने जाने वाली सिविल, मैकेनिकल और केमिकल का क्रेज घट गया। स्टार्टअप और विदेशी कंपनियों के ऑफर रद्द होना इसकी वजह बना।

निजी संस्थानों का हाल

- देश के साढ़े तीन हजार से ज्यादा निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में से 70 प्रतिशत से अधिक छात्रों को प्लेसमेंट नहीं मिलते।
- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अनुसार हर साल निजी संस्थानों के लाखों बीटेक डिग्रीधारी बेरोजगार रह जाते हैं।
- निजी कॉलेजों में फैकल्टी की गुणवत्ता खराब होने, इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी और पुराने पाठ्यक्रम इसके प्रमुख कारण हैं।

चुनौतियां

- छात्रों को पाइथन, एआई-एमल, ब्लॉक चेन, डेटा एनालिटिक्स में अपना स्किल अपडेट रखना होगा।
- कम्युनिकेशन, इन्नोवेशन, प्रोडक्ट डिजाइन, इंटर्नशिप और रिसर्च एक्सपोजर को महत्व देना होगा।

सकारात्मक संकेत

- एआई, सेमीकंडक्टर, डिफेंस टेक, ग्रीन एनर्जी क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है।
- मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और पीएलआई स्कीमों से कोर सेक्टर में नौकरियां आ सकती हैं।
- आईआईटी संस्थानों में सीएससी, बायो टेक और एआई एमल जैसे कोर्स की मांग बढ़ रही है।

सुप्रीम फटकार: सारी हदें पार कर रहा ईडी

वकीलों को तलब करने पर नाराज हुई शीर्ष अदालत, दिशा-निर्देश जारी करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से तलब करने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रहा है। न्यायालय ने इस संबंध में दिशानिर्देश बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी विधिक पेशे की स्वतंत्रता पर इस तरह की कार्रवाइयों के प्रभावों पर ध्यान देने के लिए अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की गई एक सुनवाई के दौरान की। कोर्ट की टिप्पणी ईडी की ओर से वरिष्ठ वकील अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद आई है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अगर यह गलत भी है तब भी एक वकील और मुवक्किलों के बीच का संवाद विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है और उनके खिलाफ नोटिस कैसे जारी किए जा सकते हैं। इस संबंध में दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ईडी सारी हदें पार कर रहा है। शीर्ष अदालत को यह बताया गया था कि वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार जैसे विधिक पेशेवरों को हाल में ईडी द्वारा नोटिस जारी किया गया और इससे कानून के पेशे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मुद्दे को शीर्ष स्तर पर उठाया गया है और जांच एजेंसी को वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस जारी नहीं करने के लिए कहा गया है।

वेंकटरमणी ने इससे पहले कहा कि उन्होंने ईडी अफसरों से बात की है, वकीलों को समन भेजना गलत है। मेहता ने वेंकटरमणी से सहमति जताते हुए कहा, वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए तलब नहीं किया जा सकता। हालांकि, झूठे विमर्श गढ़कर संस्थानों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

कानूनी आजादी को कुचलने वाले चीन और तुर्किए की राह पर न चले भारत

वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने चीन और तुर्किये का उदाहरण देते हुए कहा, भारत को उन देशों की राह पर नहीं चलना चाहिए जिन्होंने कानूनी पेशे की स्वतंत्रता पर कुठाराघात किया है। उन्होंने कहा, तुर्किये में पूरी बार एसोसिएशन को भंग कर दिया गया था। चीन में भी ऐसा ही मामला हुआ है। वकीलों ने जोर देकर कहा कि वकीलों को खासकर विधि संबंधी राय देने के लिए तलब करना एक खतरनाक नजीर तय कर रहा है। एक वकील ने कहा, अगर यह जारी रहा तो यह वकीलों को ईमानदार और स्वतंत्र सलाह देने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि जिला अदालतों के वकीलों को भी बेवजह परेशान किया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने इस पर कहा कि अदालत भी इस तरह की रिपोर्ट से हैरान है।

ये संस्था के खिलाफ विमर्श गढ़ने की कोशिश

जहां तक सामान्य टिप्पणियों का सवाल है, कभी-कभी उन्हें गलत समझा जाता है, जो अलग-अलग मामलों पर निर्भर करता है। यह प्रवर्तन निदेशालय नहीं, बल्कि एक संस्था के खिलाफ एक विमर्श गढ़ने की एक सुनियोजित कोशिश है। 'माई लॉर्ड' कुछ मामलों में सीमा का उल्लंघन पाया जा सकता है...। - सॉलिसिटर जनरल

हम खबरें या यूट्यूब नहीं देखते

हम खबरें नहीं देखते, न यूट्यूब पर साक्षात्कार देखते हैं। पिछले हफ्ते अस्वस्थ रहने के दौरान ही मैं कुछ फिल्में देख पाया। हमें कई मामलों में ईडी की ओर से अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण देखने को मिल रहा है, ऐसा नहीं है कि हमें ये नहीं मिल रहा है। ईडी कोर्ट के तर्कसंगत आदेशों के खिलाफ भी अपील दायर कर रहा है। - प्रधान न्यायाधीश

ईडी से पूछा- राजनीतिक लड़ाई में आपका इस्तेमाल क्यों हो रहा है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में ईडी के आचरण पर सवाल उठाए और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण से भूखंड आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी के खिलाफ मामला रद्द करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

राजनीतिक लड़ाई में एजेंसी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ आगाह करते हुए सीजेआई बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा, राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जाए। आपका इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है। सीजेआई गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी बीएम पार्वती से जुड़े एमयूडीए मामले की कार्यवाही रद्द कर दी गई थी। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा, श्रीमान राजू (ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू), कृपया हमें मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें। अन्यथा, हमें ईडी के बारे में कुछ कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। दुर्भाग्यवश, मुझे महाराष्ट्र में इसका अनुभव है।

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ ईडी की अपील खारिज

ब्रिटेन-फ्रांस समेत 25 देशों ने की गाजा में युद्ध खत्म करने की हिमायत

लंदन, एजेंसी

- भोजन लेने आ रहे बच्चों-बुजुर्गों की अमानवीय हत्या की निंदा की

ब्रिटेन और फ्रांस सहित 25 देशों का कहना है कि गाजा में युद्ध अब समाप्त होना चाहिए और इजराइल को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और जापान सहित अन्य देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा, गाजा में नागरिकों की पीड़ा नए स्तर तक पहुंच गई है। उन्होंने पानी और भोजन की बुनियादी जरूरतें हासिल करने की कोशिश कर रहे बच्चों और नागरिकों के लिए सहायता की धीमी आपूर्ति और उनकी अमानवीय हत्या की निंदा की।

इन देशों के विदेश मंत्रियों ने एक बयान में कहा, इजराइल सरकार का सहायता वितरण मॉडल खतरनाक है, अस्थिरता को बढ़ावा देता है और गाजा वासियों को मानवीय सम्मान से वंचित करता है। बयान में कहा गया है, इजराइल सरकार का नागरिक आबादी को आवश्यक मानवीय सहायता देने से इनकार करना अस्वीकार्य है। इजराइल को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में लगभग 20 यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री तथा समानता, तैयारी और संकट प्रबंधन के लिए यूरोपीय संघ के आयुक्त शामिल थे।

अमेरिका और जर्मनी ने इस बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। हस्ताक्षरकर्ताओं ने तत्काल युद्ध-विराम का आह्वान किया और कहा कि वे क्षेत्र में शांति लाने के लिए राजनीतिक मार्ग का समर्थन करने के वास्ते कदम उठाने को तैयार हैं। गाजा पट्टी की 20 लाख से अधिक की फलस्तीनी आबादी एक भयावह मानवीय संकट से जूझ रही है और अब मुख्यतः उस क्षेत्र में आने वाली सीमित सहायता पर निर्भर है।

टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित करना सही

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेसी

- अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने किया फैसले का स्वागत, न्यूयॉर्क टाइम्स की फिर की आलोचना

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति ने पहलगाम हमले में संलिप्त पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का स्वागत किया है।

समिति ने कहा कि जो लोग आम नागरिकों की हत्या करते हैं, उन्हें माफ नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें सजा दी जाती है। पिछले सप्ताह अमेरिका ने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट की अध्यक्षता वाली समिति ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप सच बोलते हैं। टीआरएफ एक विदेशी आतंकवादी संगठन है और इसे यह दर्जा मिलना ही चाहिए। समिति ने कहा, यह बात साफ और स्पष्ट है कि पहलगाम हमला एक आतंकवादी हमला था। समिति ने 'एक्स' पर 22 अप्रैल के अपने पुराने पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसमें उसने पहलगाम हमले पर 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की उस खबर की कड़ी आलोचना की थी जिसका शीर्षक था: 'कश्मीर में उग्रवादियों ने कम से कम 24 पर्यटकों की हत्या कर दी।' समिति ने कहा था, 'न्यूयॉर्क टाइम्स', हमने तुम्हारे लिए इसे ठीक कर दिया है। यह एक सीधा आतंकवादी हमला था। चाहे भारत हो या इजराइल, जब बात आतंकवाद की आती है तो 'न्यूयॉर्क टाइम्स' हकीकत से कोसों दूर रहता है।

सिपाही को यातनाएं देने वाले अफसरों की गिरफ्तारी का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर पुलिस में सिपाही खुर्शीद अहमद चौहान को प्रताड़ित करने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी अधिकारियों को एक महीने में गिरफ्तार करने का आदेश दिया। मामले की जांच सीबीआई से कराने और सरकार को उसे 50 लाख रुपए की सहायता राशि देने को भी कहा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने हाईकोर्ट का फैसला रद्द करते हुए यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत चौहान की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 20 से 26 फरवरी, 2023 तक जेआईसी कुपवाड़ा में छह दिन अवैध हिरासत के दौरान उनके गुप्तांगों को क्षत-विक्षत करने सहित अमानवीय और अपमानजनक यातनाएं दी गईं। पीठ ने फैसले में लिखा, कि सिपाही चौहान के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्याय का उपहास होगा।

मुंबई: भारी बारिश के बीच में लैंड हुआ एयर इंडिया का विमान फिसलकर रनवे से उतरा

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को एयर इंडिया का एक विमान रनवे से उतर गया। हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान एआई2744 कोच्चि से मुंबई आई थी। मुंबई में भारी बारिश के दौरान लैंडिंग के समय विमान फिसलकर रनवे से उतर गया। हालांकि बाद में विमान सुरक्षित टैक्सी करते हुए गेट तक पहुंचा। सभी यात्री तथा चालक दल के सदस्य सकुशल उतरे।

जस्टिस वर्मा को उपनाम से बुलाने पर वकील को फटकार

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को जब एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में उनके उपनाम से संबोधित किया तो सीजेआई बीआर गवई ने पूछा, क्या वह आपके दोस्त हैं, वह अब भी जस्टिस वर्मा हैं।

सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति के. वी. चंद्रन की पीठ के समक्ष पेश हुए अधिवक्ता मैथ्यूज नेदुम्परा ने नकदी बरामदगी मामले में न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। पीठ ने याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से सोमवार को इनकार कर दिया। दूसरी ओर, प्रधान न्यायाधीश ने नेदुम्परा द्वारा न्यायाधीश को उनके उपनाम "वर्मा" से संबोधित करने पर नाराजगी जताई। नेदुम्परा ने इस मामले में शीर्ष अदालत में कम से कम तीन याचिकाएं दायर की हैं।

काबुल में बुर्का न पहनने पर 10 से ज्यादा महिलाएं गिरफ्तार

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पुलिस ने दस से अधिक ऐसी युवतियों को गिरफ्तार किया जिन्होंने बुर्का पहनने के नियमों का पालन नहीं किया था।

ये गिरफ्तारियां बीते दो दिनों में काबुल के इलाकों में हुईं। महिलाओं को रेस्टोरेंट, सड़कों और बाजारों से उठाकर अज्ञात जगह ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नैतिकता कानून संबंधी ये पुलिस अधिकारी पुरुष थे और उन्होंने लड़कियों के साथ मारपीट भी की।

आज वापसी की उड़ान भरेगा ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- खराब होने के बाद एक माह से खड़ा है तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर

ब्रिटेन की 'रॉयल नेवी' का एफ-35बी लाइटनिंग लड़ाकू विमान मंगलवार को वापस स्वदेश के लिए उड़ान भरने के वास्ते पूरी तरह तैयार है। केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ये विमान आपातकालीन स्थितियों में यहां उतरा था और तब से यहीं खड़ा है।

हवाईअड्डे के सूत्रों के अनुसार ब्रिटेन के सबसे उन्नत 'स्टील्थ' बेड़े के इस लड़ाकू विमान की से मरम्मत कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी यह नहीं पता चला है कि यह किस समय वापसी के लिए उड़ान भरेगा। दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में एक माने जाने वाले इस विमान की कीमत 110 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

तकनीकी खराबी आने के बाद से यह विमान 14 जून से यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़ा है। ब्रिटेन से विमानन से जुड़े अभियंता इसकी मरम्मत के लिए यहां पहुंचे थे। विमान के यहां उतरने के शुल्क के अलावा हवाई अड्डे पर विमान के लिए दैनिक किराया और पार्किंग का शुल्क भी देना होगा। सूत्र ने कहा, इसके रखरखाव के लिए लाए गए उपकरणों और चालक दल को दूसरी उड़ान से भेजा जाएगा।

तकनीकी खराबी के बाद तिरुवनंतपुरम के हवाई अड्डे पर खड़ा लड़ाकू विमान।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी-07.05 तक तत्पश्चात त्रयोदशी 23 जुलाई 04.39 तक।

आज का पंचांग

दिशाशूल - उत्तर, ऋतु - वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 07.24 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष - आज विद्यार्थियों को नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। जॉब में बदलाव करने की योजना भी बना सकते हैं। सरकारी काम थोड़े प्रयासों से पूर्ण हो जायेंगे। बच्चे शिक्षा और करियर में संतुलन बनाकर रखें। अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग कर पायेंगे।

वृष - आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में लाभ हो सकता है। आपके जनसंपर्क का दायरा विस्तृत होगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। किसी से उलझने के बजाय शान्तिपूर्वक मामलों को हल करें। परिवारजनों के साथ खुशनुमा समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपके प्रमोशन की चर्चा चल सकती है। घर में प्रियजनों का आगमन हो सकता है। टीमवर्क के कारण सभी काम पूर्ण हो जायेंगे। आप समय का सार्थक प्रयोग अपने लाभ के लिए कर पायेंगे। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

कर्क - आज दोपहर में सिर में दर्द और भारीपन की समस्या हो सकती है। आज कुछ समय मित्रों के सानिध्य में बितायें। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने में समस्या आयेगी। बजट को ध्यान में रखते हुए ही धन निवेश करें। किसी नकारात्मक विचार के कारण आपका मन खराब हो सकता।

सिंह - आज नया कारोबार शुरू करना चाह रहे हैं तो उसकी योजना आज बना सकते हैं। आपकी सफलता के पीछे एकाग्रता और समर्पण का बड़ा हाथ रहेगा। दोस्तों से भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आपको आशावादी बने रहना चाहिए।

कन्या - आज अविवाहित लड़कियों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। पुरानी गलतियों को दोहराने से बचें। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। उत्तम कार्यशैली के कारण आपको सफलता मिलेगी। धन संबंधी मामलों के लिए दिन अच्छा है।

तुला - आज पूरा दिन आनंद में व्यतीत होगा। बच्चों को लेकर आपकी चिंता दूर होगी। अधिकारी आपके विरुद्ध व्यवहार कर सकते हैं। सोच-समझकर ही आपको निर्णय लेना चाहिए। आपकी सलाह से लोगों को लाभ मिलेगा। खर्चों की तुलना में आपकी आय अधिक रहेगी।

वृश्चिक - आज कार्यक्षेत्र में रुकावटें आ सकती है। नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। बड़े भाई-बहनों के स्वास्थ्य की चिंता होगी। मन लगाकर सभी काम करें तो सफलता मिलेगी। छोटी-छोटी बातों को तूल देने से बचें। व्यवसाय में क्रोध के कारण नुकसान हो सकता है।

धनु - आज घर का वातावरण अत्यन्त सकारात्मक रहेगा। राजनैतिक संबंधों का उत्तम लाभ उठा पायेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका नियंत्रण रहेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। मन लगाकर अपना काम करें। साझेदारी वाले व्यापार में धन लाभ होगा।

मकर - आज आपके मित्र आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। अपनी बातों को दूसरों के ऊपर न थोपें। निर्माण कार्यों से जुड़े कारोबार में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपरिचित लोगों से अधिक मेल-मिलाप न करें। खोई हुई वस्तु आपको वापस मिल सकती है।

कुंभ - आज कोई पुराना विवाद दूर होगा। परिजनों से अपने मन की बातें शेयर कर तरोताजा महसूस करेंगे। बनते कार्यों में आ रही रुकावटें दूर होंगी। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रेमी जन से विवाह को लेकर संभावना बन रही है।

मीन - आज आलस्य के कारण आपके काम बाधित हो सकते हैं। करियर में अस्थिरता रहेगी। कटु भाषा बोलने के कारण लोग आपसे नाराज रहेंगे। विधिक मामलों में छोटी-छोटी गलतियों के कारण समस्या होगी। लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना करेंगे।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

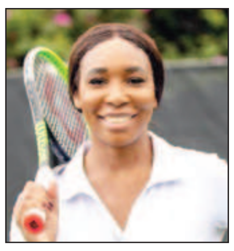

"मैं अपनी टीम से कहती रहती हूं कि अगर वह यहां होती तो बहुत अच्छा होता। हमने शुरू से काफी कुछ साथ में किया है और इसलिए मुझे निश्चित तौर पर उसकी कमी खलती है।"
-वीनस विलियम्स

स्पोर्ट्स हाईलाइट

शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली : भारत इस साल 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा और इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान शहर की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। विश्व में शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने सोमवार को यह घोषणा की। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालीफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अनुष ने जर्मनी में ड्रेसेज स्पर्धा जीती

हॉफगेसमर (जर्मनी) : भारत के अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ जुबिलमस्टर्नियर हॉफगेसमर ओपन के ड्रेसेज स्पर्धा में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले अग्रवाला ने 69.891 प्रतिशत अंकों के प्रभावशाली स्कोर के साथ छह खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसमें बाकी के अन्य प्रतियोगी जर्मनी के थे। पिया पियोट्रोव्स्की और कथरीना हेमर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। यह जीत इस जोड़ी के लिए 'एस' स्तर पर पहली सफलता है। अग्रवाला और सात साल की उनकी इस मादा घोड़े की यह एकसाथ सिर्फ दूसरी प्रतियोगिता थी।

भारत क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत की जूनियर टीम को सोमवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 104-110 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत खेली जा रही इस प्रतियोगिता में बेहद करीबी मुकाबले में भारत ने पहले मैच में 11-9 से मिली हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्वा तेज गोबुरू की लड़कों की युगल जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद वेन्नाला कलागोटला और रेशिका उथयासूरियन की लड़कियों की जोड़ी ने भी जीत हासिल की।

अर्जुन छठे व प्रज्ञानानंद सातवें स्थान पर रहे

लास वेगास : भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानानंद यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में क्रमश: छठे और सातवें स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन ने खिताब जीता। अरोनियन ने टूर्नामेंट के फाइनल में हमवतन हंस मोके नीमन को 1.5-0.5 से हराया। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन को अमेरिका के फैबियानो कारूआना से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि प्रज्ञानानंद ने एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो को 1.5-0.5 से हराकर इस प्रतियोगिता में अंतिम आठ प्रतिभागियों में सातवां स्थान हासिल किया।

सात्विक की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

चांगझू : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी। चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा। वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। यही नहीं उन्हें पिछले सप्ताह जापान ओपन में पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था।

आदित्य विश्व स्नूकर के नॉकआउट में पहुंचे

मनामा (बहरीन) : वर्ल्ड गेम्स के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता आदित्य मेहता आयरलैंड के जे चोपड़ा को हराकर आईबीएसएफ विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाले छठे भारतीय बन गए। मुंबई के इस 39 साल के खिलाड़ी ने ग्रुप एन के एकतरफा मुकाबले में चोपड़ा को 43-5, 40-22, 48-0, 67-0 से मात देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। कमल चावला, मनन चंद्रा, बृजेश दमानी, पारस गुप्ता और पंकज आडवाणी ने पहले ही नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है।

नीतीश कुमार इंग्लैंड दौरे से बाहर

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी : अर्शदीप चौथे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं, बीसीसीआई ने टीम की दी जानकारी

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं जबकि चोटिल तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। दूसरे और तीसरे टेस्ट में खेलने वाले रेड्डी रविवार को जिम में अभ्यास करते हुए चोटिल हो गए थे और अब वह स्वदेश लौटेंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा नीतीश कुमार रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण शेष दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। नीतीश स्वदेश लौट आएंगे और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। अर्शदीप को पिछले सप्ताह बेकेनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। उन्होंने श्रृंखला में अब तक कोई मैच नहीं खेला है।

बयान में कहा गया है बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है।

हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट मैच बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। इंग्लैंड पांच मैचों की एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे चल रहा है।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान जसप्रीत बुमराह (मध्य) व अन्य खिलाड़ी। एजेंसी

खिलाड़ी टीम के मुताबिक ढलें या टीम खिलाड़ियों के मुताबिक पर हुई चर्चा

■ मैनचेस्टर : भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर और मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम के बीच इस बात को लेकर चर्चा हुई कि क्या कोई खिलाड़ी टीम के साथ तालमेल बिठाता है या टीम खिलाड़ी के साथ तालमेल बिठाती है। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुनिया के मशहूर फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ियों से कैरिंगटन स्थित उनके प्रशिक्षण मुख्यालय में मुलाकात की थी। गंभीर और अमोरिम की स्थिति काफी हद तक एक जैसी है। अमोरिम की देखरेख में यूनाइटेड को पिछले 10 मैचों में से छह में शिकस्त का सामना करना पड़ा है। गंभीर की कप्तानी में भारत ने अपने पिछले 11 टेस्ट मैचों में से आठ गंवाए हैं। दोनों टीमों की मुलाकात ओल्ड ट्रैफर्ड स्थित यूनाइटेड के घरेलू स्टेडियम की जगह प्रायोजक के एक कार्यक्रम में हुई जहां उनके खिलाड़ी भारतीय टीम का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। इस मौके पर दोनों टीमों ने जर्सी का आदान-प्रदान किया। गंभीर ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा यह टीम खेलों को लेकर उनकी और मेरी सोच से जुड़ी एक अच्छी बातचीत थी। टीम खेलों की मूल भावना बहुत सरल है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी टीम की जरूरतों के हिसाब से ढलता है, न कि टीम किसी खास व्यक्ति के हिसाब से ढलती है।

ध्रुव जुरेल, शार्दुल ठाकुर और अर्शदीप सिंह इंग्लैंड के मैनचेस्टर में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान अपनी जर्सी के साथ। एजेंसी

चौथे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम

■ शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड में बशीर की जगह डॉसन शामिल

■ इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच के लिए सोमवार को चोटिल ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज लियाम डॉसन को एकादश में शामिल किया। इंग्लैंड पांच मैच की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे है जिसने हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में क्रमश: पहला और तीसरा टेस्ट जीता था। भारत ने एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट जीता था। **इंग्लैंड की एकादश :** जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान कुलदीप यादव (बाएं) और रवींद्र जडेजा। एजेंसी

कुलदीप को खिलाने पर विचार करना चाहिए

मैनचेस्टर, एजेंसी

● इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन ने दी सलाह

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन का मानना है कि भारत को चौथे टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश में कुलदीप यादव को शामिल करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पहले से ही संतुलित टीम में इस कलाई के स्पिनर को शामिल करना चयन की दुविधा पैदा कर सकता है।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच से मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलने की उम्मीद है और भारत को बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पहले साहसिक फैसला करना होगा कि उसे तीन स्पिनरों के साथ खेलना है या नहीं। हालांकि अगर मेहमान टीम दो स्पिनरों के साथ खेलने और कुलदीप को शामिल करने का फैसला करती है तो उसे वाशिंगटन सुंदर या रविंद्र जडेजा में से किसी एक को बाहर करना होगा जिन्होंने अब तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया है। हार्मिसन ने कहा चौथे टेस्ट के विकेट से कुलदीप को उछाल नहीं मिलेगा, पर जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, इससे स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलेगी। पिछले तीन टेस्ट मैच पांचवें दिन तक चले हैं इसलिए भारत को दूसरे या तीसरे स्पिनर के साथ खेलने पर गंभीरता से विचार करना होगा।

इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर (बाएं) और जैकब बेथेल सोमवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान। एजेंसी

मैदान में छींटाकशी से इंग्लैंड को हुआ फायदा : ब्रूक

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक का मानना है कि पांच मैचों की सीरीज के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई छींटाकशी ने उनकी टीम को प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा मदद की है।

लॉर्ड्स में तीसरे दिन के खेल की समाप्ति के करीब भारतीय खिलाड़ी इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट पर हावी थे।

जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे : मोहम्मद सिराज

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने सोमवार को जसप्रीत बुमराह के बुधवार से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में खेलने की पुष्टि की। काम के बोझ के प्रबंधन को देखते हुए बुमराह के पांच में से तीन टेस्ट में खेलने की योजना बनाई गई है।

यह स्टार तेज गेंदबाज दूसरे टेस्ट में नहीं खेला था जिसमें भारत ने शानदार जीत हासिल की थी। इसके बाद वह लॉर्ड्स टेस्ट में खेले जिसे भारत 22 रन से हार गया था। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने हाल ही में आखिरी दो टेस्ट मैच में इस स्टार तेज गेंदबाज को खिलाने की जरूरत पर बात की थी। मैनचेस्टर में टीम के पहले आउटडोर अभ्यास सत्र के बाद सिराज ने कम से कम चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता की पुष्टि कर दी।

मोहम्मद सिराज ने संवाददाताओं से कहा जहां तक मुझे पता है जस्सी भाई (बुमराह) खेलेंगे, हमारा संयोजन दिन-प्रतिदिन बदल रहा है (चोटों के कारण)। अगले मैच की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा इंग्लैंड के खेलने के तरीके को देखते हुए हमारी योजना अच्छी लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी जारी रखने की है। हम चाहते हैं कि वे पिछले मैच की तरह धैर्य के साथ खेलें। हमें टेस्ट क्रिकेट खेलने में अच्छा लगा। अर्शदीप सिंह के हाथ की चोट के कारण मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर होने के बाद भारत ने तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है। नितीश रेड्डी भी घुटने की चोट के कारण बाकी बची श्रृंखला से बाहर हो गए हैं जिससे टीम को अपने संयोजन में बदलाव करना पड़ा है। ग्रोइन की चोट से जूझ रहे आकाश दीप ने सोमवार को मुख्य नेट पर गेंदबाजी नहीं की। सिराज ने संयोजन के बारे में अधिक जानकारी नहीं देते हुए कहा आकाश दीप को ग्रोइन में तकलीफ है, फिजियो जांच कर रहे हैं। उन्होंने सुबह भी गेंदबाजी की थी। अभी तक फिजियो से प्रतिक्रिया नहीं मिली है। अर्शदीप के चोटिल होने के बाद अंशुल को टीम में शामिल किया गया है। उन्हें शुभकामनाएं। तेज गेंदबाज बुमराह ने सतह की फिसलन के कारण नेट पर अधिक देर तक गेंदबाजी नहीं की और फिर मैदान पर जाकर गेंदबाजी की।

हमारी टीम जरूरत के अनुसार अपना रवैया बदल सकती है : कार्स

■ इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स ने बुधवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पहले कहा कि लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ इंग्लैंड की 22 रनों की जीत टीम की आक्रामक क्रिकेट शैली से बाहर निकलने और जरूरत के हिसाब से ढलने की क्षमता का एक शानदार उदाहरण थी। कार्स ने 193 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने में इंग्लैंड की मदद की। उन्होंने भारत की दूसरी पारी में दो विकेट चटकाये जिसमें करुण नायर को अंदर आती गेंद पर चकमा देना भी शामिल है। कार्स ने कहा हम जिस शैली में खेलते हैं वह उससे काफी अलग था। हमें सामंजस्य बिठाना पड़ा, पर ये दर्शाता है कि यह टीम चुनौती स्वीकार कर परिस्थितियों के मुताबिक ढल सकती है।

मोहम्मद सिराज।

छह भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी

● विश्व विश्वविद्यालय खेलों में नहीं ले पाएंगे भाग

जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम चयन को लेकर विवादों में घिर गई है क्योंकि चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को कथित प्रशासनिक चूक के कारण भाग लेने से रोक दिया गया है।

प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन केवल छह को ही प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई क्योंकि अधिकारी 16 जुलाई को प्रबंधकों की बैठक के दौरान सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रहे।

बाहर की गई एक खिलाड़ी अलीशा खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा यह केवल कुप्रबंधन नहीं है- यह करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम जवाब, जवाबदेही और हमारी आवाज सुनी जाने की मांग करते हैं। हमने कोई मैच नहीं गंवाया - हमने भाग लेने का अपना अधिकार ही खो दिया। उन्होंने लिखा यह केवल एक गलती नहीं है। यह एआईयू और हमारी टीम के अधिकारियों द्वारा करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम न्याय की मांग करते हैं। सूत्रों के अनुसार बीवी राव और अजीत मोहन भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के अधिकारी थे जो बैठक में शामिल हुए थे। देश में विश्वविद्यालय स्तर के खेलों के लिए नोडल संस्था एआईयू ने इस घटना को स्वीकार किया है। एआईयू सचिव डॉ. पंकज मित्तल ने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए पीटीआई को बताया हमें इसकी जानकारी दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

भारत और इंग्लैंड में आज होगा निर्णायक मुकाबला

चेस्टर ली स्ट्रीट (ब्रिटेन), एजेंसी

● तीन मैचों की महिला एकदिवसीय सीरीज 1-1 से है बराबर
● इंग्लैंड में चल रहा टूर्नामेंट, शाम 5:30 बजे से शुरू होगा मैच

भारतीय टीम को लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने गलत शॉट चयन के कारण दूसरे मैच में हार झेलनी पड़ी थी और अब यहां मंगलवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसे इंग्लैंड की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

भारत ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से पहला मैच चार विकेट से जीता था, लेकिन शनिवार को लंदन में खेले गए बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा, जिससे तीन मैच की श्रृंखला अंतिम वनडे से पहले 1-1 से बराबरी पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व कप दो महीने बाद शुरू होने वाला है। वनडे का यह प्रतिष्ठित महिला टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा, जिसकी मेजबानी श्रीलंका और भारत के पांच शहर करेंगे। भारत की ऑलराउंडर ताकत तथा कुछ खिलाड़ियों की अच्छी फॉर्म के कारण उम्मीद की जा रही थी कि वह दूसरे मैच में ही श्रृंखला अपने नाम कर देगा, लेकिन खराब शॉट चयन और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में असमर्थता ने उसकी योजनाओं पर पानी फेर दिया और 29 ओवर के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वह आठ विकेट पर 143 रन ही बना सका। भारतीय गेंदबाज भी असफल रहे और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अब निर्णायक मुकाबले से पहले भारतीय टीम को कुछ विभागों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विमर्श करना होगा।

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली के लिए कार्य समिति गठित

लंदन : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट में दो स्तरीय प्रणाली शुरू करने की संभावना तलाशने के लिए अपने नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति का गठन आईसीसी की सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अध्यक्ष जय शाह और गुप्ता के नेतृत्व में किया गया था।

गुप्ता को इस महीने की शुरुआत में सीईओ नियुक्त किया गया था। 'द गार्डियन' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैनल के अन्य सदस्यों में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग भी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोई भी बदलाव विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के लिए किया जाएगा, जो 2027 से 2029 तक चलेगा।

दिली इच्छा | एक साल से अधिक समय से हैं बाहर, छोटी बहन सेरेना की भी चाहती हैं वापसी

वीनस विलियम्स कोर्ट पर लौटने के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

वीनस विलियम्स एक साल से अधिक समय के बाद पहली बार टेनिस कोर्ट पर लौटने के लिए तैयार हैं और उनकी दिली इच्छा है कि उनकी छोटी बहन सेरेना भी वापसी करें। वीनस डीसी ओपन से टेनिस कोर्ट पर वापसी करेंगी। दूसरी तरफ सेरेना का हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह रैकेट घुमाती दिख रही हैं। वीनस से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मैं अपनी टीम से कहती रहती हूं कि अगर वह यहां होती तो बहुत अच्छा होता।

हमने शुरू से काफी कुछ साथ में किया है और इसलिए मुझे निश्चित तौर पर उसकी कमी खलती है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा लेकिन अगर वह वापसी करती है तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह इस बारे में आप सबको अवगत कर देंगी। सेरेना 43 वर्ष की है और उन्होंने 2022 में अमेरिकी ओपन के बाद कोई मैच नहीं खेला था। इसके बाद उन्होंने उस खेल से दूर जाने की घोषणा की थी जिस पर उन्होंने लंबे समय तक दबदबा बनाए रखा था। इस दौरान उन्होंने 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब और वीनस के साथ 14 युगल खिताब जीते थे। अमेरिका की राजधानी में हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट शुरू होने से एक दिन पहले वीनस ने कहा मुझे नहीं पता कि वह क्या करने जा रही है। मैं उससे इस बारे में नहीं पूछती। मुझे लगता है कि वह हमेशा गेंद को हिट करती रहती है क्योंकि हम ऐसे ही हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनके एक अभ्यास सत्र के दौरान सेरेना वहां आई और लगभग 15 या 20 मिनट तक उनके साथ रहीं। वीनस ने कहा वह छह महीने की छुट्टी ले सकती है और फिर आसानी से वापसी कर सकती है। आप उस जैसी प्रतिभा को सिखा नहीं सकते। पिछले महीने 45 साल की हुईं वीनस ने सात ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते हैं जिनमें दो अमेरिकी ओपन और पांच विंबलडन खिताब शामिल हैं। उनका आखिरी टूर्नामेंट मार्च 2024 में मियामी ओपन में था, जहां वह पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

सेरेना विलियम्स व वीनस विलियम्स (दाएं)। एजेंसी (फाइल फोटो)

ड्रेपर ने टोरंटो टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

■ लंदन : ब्रिटेन के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने बांह की चोट के कारण टोरंटो और सिनसिनाटी में होने वाले आगामी टूर्नामेंटों से नाम वापस ले लिया है। ड्रेपर ने कहा विंबलडन के बाद मेरे बाएं हाथ में चोट लग गई, कोई गंभीर बात नहीं है। मुझे सुनिश्चित करना है कि मैं बाकी सीजन के लिए यह पूरी तरह से ठीक हो जाऊं।